नई दिल्ली। शुक्रवार, 18 सितम्बर, 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष सप्तमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 253/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल चशिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो...
@ विचार जनता पर अधिभार : ये क्या कर रही सरकार?...
@ व्यापार सेंसेक्स 22 अंक टूटा...

विश्व केसरी खबर झरोखा

मेलोनी ने 'मित्र' प्रधानमंत्री मोदी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री को 'मित्र' कहकर संबोधित किया। उन्होंने लिखा, 'मैं 'अपने मित्र' पीएम नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देती हूं। उनके अच्छे स्वास्थ्य, ऊर्जा संपन्न और सफल बने रहने की कामना करते हुए उन्होंने भारत और इटली के बीच गहरी दोस्ती और आपसी सहयोग को आगे भी मजबूत करते रहने की भी बात कही।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भेजा खास संदेश

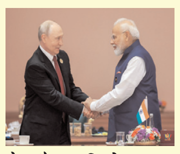

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खास संदेश के साथ जन्मदिन की बधाई दी है। इसमें उन्होंने भारत-रूस की साझेदारी को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की और ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान मिले सम्मान के लिए आभार जताया। क्रेमलिन ने संदेश का कुछ हिस्सा साझा किया है। पीएम को सम्मानित शख्स बताते हुए लिखा, 'आप (पीएम मोदी) अपने देशवासियों और वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक सम्मानित शख्स हैं।

यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई, ड्रोन हमले में रूस की ऑयल रिफाइनरी को पहुंचा नुकसान

नई दिल्ली। रूस के आक्रामक हमलों के जवाब में यूक्रेन भी जवाबी कार्रवाई को अंजाम देने में लगा हुआ है। क्षेत्र के गवर्नर मिखाइल येवरायेव के अनुसार, यूक्रेन के ड्रोन हमले में मध्य रूस के यारोस्लाव्ल क्षेत्र में एक ऑयल रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा है।

रूसी समाचार एजेंसी 'टास' की रिपोर्ट के अनुसार, गवर्नर मिखाइल येवरायेव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर हमले की जानकारी दी। उनके अनुसार, मध्य रूस के यारोस्लाव्ल क्षेत्र में एक ड्रोन हमले के दौरान एक ऑयल रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा, 'दुश्मन के बड़े ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया गया। कुल 65 ड्रोन मार गिराए गए हैं। किसी की मौत या घायल होने की कोई खबर नहीं है।' टास के अनुसार, उन्होंने बताया कि एक तेल रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा है। वहां लगी आग को बुझाने का काम जारी है। गिराए गए ड्रोन के मलबे के गिरने से कई अपार्टमेंट, इमारतों की खिड़कियां भी टूट गईं और कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। फिलहाल क्षेत्र में किसी तरह की ड्रोन चेतावनी लागू नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और राहत एवं मरम्मत का काम जारी है।

आशीर्वाद का दीप जलाकर देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया आशीर्वाद

'टाटा संस का मॉडल बचाना होगा': टाटा ट्रस्ट्स ने आईपीओ का किया विरोध

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में से एक टाटा समूह के भीतर टाटा संस की संभावित लिस्टिंग को लेकर मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। समूह की सबसे बड़ी शेयरधारक संस्था टाटा ट्रस्ट्स ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया है कि वह फिलहाल टाटा संस के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने (आईपीओ) के पक्ष में नहीं है और इस दिशा में आगे बढ़ने से पहले सभी संभावित विकल्पों का आकलन किया जाना चाहिए।

एक महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक के बाद जारी बयान में टाटा ट्रस्ट्स ने कहा कि उसने टाटा संस की लिस्टिंग पर सहमति नहीं दी है। ट्रस्ट्स ने यह भी बताया कि इस विषय पर अलग से एक बोर्ड बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें आईपीओ के विकल्पों का मूल्यांकन किया जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब 11 सितंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस की उस याचिका को स्वीकार नहीं किया, जिसमें कंपनी ने अपनी अपर लेयर एनबीएफसी श्रेणी से स्वैच्छिक रूप से बाहर निकलने की अनुमति मांगी थी।

इस फैसले के बाद यह माना जा रहा है कि नियामकीय आवश्यकताओं के चलते टाटा संस को भविष्य में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना पड़ सकता है। हालांकि टाटा ट्रस्ट्स का कहना है कि आरबीआई के पत्र में कहीं भी सीधे तौर पर लिस्टिंग का निर्देश नहीं दिया गया है और अभी भी अन्य विकल्पों पर विचार की पर्याप्त गुंजाइश मौजूद है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने बोर्ड को भेजे गए अपने विस्तृत नोट में कहा कि टाटा संस ने अपनी गैर-सूचीबद्ध स्थिति बनाए रखने और कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) नियमों का पालन करने के लिए लगभग 20,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इस राशि का उपयोग प्रेफरेंस शेयरों को समय से पहले रिडीम करने और कर्ज चुकाने में किया गया।

उन्होंने कहा, 'कोई कंपनी केवल ढांचे को बचाने के लिए 20,000 करोड़ रुपए खर्च नहीं करती, बल्कि वह अपने मूल चरित्र और उद्देश्य को बचाने के लिए ऐसा करती है।' नोएल टाटा ने चेतावनी दी कि यदि टाटा संस सूचीबद्ध हो जाती है तो उसे संस्थागत निवेशकों के प्रति जवाबदेह होना पड़ेगा, जिनका मुख्य उद्देश्य वित्तीय रिटर्न हासिल करना होता है।

उन्होंने कहा कि इस स्थिति में समूह के लिए उन परियोजनाओं में निवेश करना कठिन हो सकता है, जिनका लाभ लंबी अवधि में मिलता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि संकटग्रस्त समूह कंपनियों को सहायता देना या सेमीकंडक्टर और नागर विमानन जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक निवेश करना सार्वजनिक शेयरधारकों को स्वीकार नहीं हो सकता। उनके अनुसार, टाटा समूह की विशेषता यह रही है कि वह केवल व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर फैसले ले सकता है।

लिस्टिंग इस मूल दर्शन को प्रभावित कर सकती है। नोएल टाटा ने कहा कि मार्च 2024 में दिवंगत रतन टाटा के मार्गदर्शन में टाटा संस के बोर्ड ने सर्वसम्मति से कंपनी को गैर-सूचीबद्ध बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बाद जुलाई 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने भी अलग-अलग प्रस्ताव पारित कर कंपनी को निजी स्वरूप में बनाए रखने का समर्थन किया था।

उनका कहना है कि यह केवल वर्तमान प्रबंधन का विचार नहीं है, बल्कि लंबे समय से समूह की रणनीतिक सोच का हिस्सा रहा है। नोएल टाटा ने कहा कि यदि अंततः लिस्टिंग से बचना संभव नहीं होता, तो कंपनी को आरबीआई से कम से कम तीन वर्ष का अतिरिक्त समय मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालिया आरबीआई पत्र से समयसीमा की गणना करते हुए लिस्टिंग की अंतिम तिथि सितंबर 2029 तक बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि टाटा संस जैसी विशाल होल्डिंग कंपनी के लिए वित्तीय विवरणों का समेकन, आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में बदलाव और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं बेहद जटिल हैं।

भारत में बनी चिप दुनियाभर में पहुंच रही: पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सेमीकॉन इंडिया 2026 के 5वें एडिशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने देशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यही आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की प्रेरणा है।

पीएम मोदी ने कहा, आज विश्वकर्मा जयंती भी है, मैं सभी देशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। हमारी परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन की शक्ति का प्रतीक माना गया है और संयोग देखिए, आज से ही सेमीकॉन इंडिया की शुरुआत हो रही है। एक तरफ हमारी सदियों पुरानी निर्माण की परंपरा और दूसरी तरफ 21वीं सदी की टेक्नोलॉजी और विजन, यही आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की प्रेरणा भी है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हर देशवासी एक कमिटमेंट के साथ जुटा है। उन्होंने कहा कि अगर हम बीते 15 दिनों को ही देखें तो अंदाजा लगता है कि भारत किस दिशा में किस तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया, इसी सितंबर में 10 दिन पहले मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट हुआ। इसमें एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन और क्वांटम टेक्नोलॉजी के जरिए इंक्लूसिव फाइनेंस पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने कहा, इसी दौरान भारत में करीब 3,000 किमी का डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पूरी तरह ऑपरेशनल हो गया। इससे देश में फ्रेट मूवमेंट तेज होगा, लॉजिस्टिक बेहतर होगा और मैन्युफैक्चरिंग को ताकत मिलेगी।

सेमीकॉन इंडिया के 5वें एडिशन का आगाज

उन्होंने कहा, इसी सितंबर में भारत की क्वार्टरली जीडीपी रिपोर्ट आई और इस संकट के दौर में भी भारत ने 7.8 प्रतिशत ग्रोथ हासिल की है।

इसी दौरान जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की सॉवरिन रेटिंग में सुधार किया है, यह करीब 35 साल बाद हुआ है। एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ भारत पर दुनिया का भरोसा भी बढ़ता जा रहा है।

पीएम मोदी ने नक्सलवाद से दिलाई मुक्ति, जम्मू-कश्मीर से हटाया अनुच्छेद 370: राजनाथ सिंह

एजेंसी ■ वाराणसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विरासत लिखी जाएगी तो उसमें यह भी लिखा जाएगा कि उन्होंने देश को नक्सलवाद से कैसे मुक्ति दिलाई, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 कैसे समाप्त किया, करोड़ों लोगों को गरीबी से कैसे बाहर निकाला, संसद में महिलाओं को बराबर की भागीदारी कैसे दिलाई और नौजवानों के सपनों को कैसे पंख दिए। एक महान नेता लोगों को स्वावलंबी बनाता है और प्रधानमंत्री मोदी ने यही किया है।

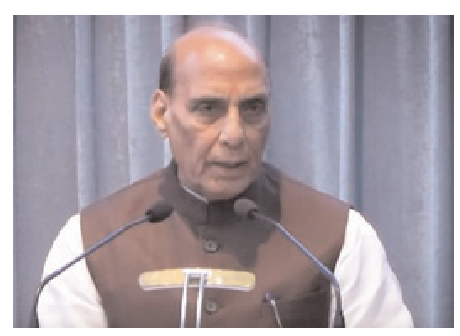

प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि काशी और वडनगर को जोड़ने वाली यात्रा प्रधानमंत्री की जन्मभूमि को कर्मभूमि से जोड़ने की यात्रा है। एक ओर काशी है, जहां से उनके सार्वजनिक जीवन को नई ऊर्जा मिली और दूसरी ओर वडनगर है, जहां उन्हें मां हीराबेन का आशीर्वाद और संस्कार मिले। उन्होंने इसे सेवा, संस्कार और साधना की संगम यात्रा बताया।

राजनाथ सिंह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले भारत के हाथ से अवसर निकल जाते थे। पहले की सरकारें सोती रहती थीं या उन्हें अपनी कुर्सी बचाने की चिंता रहती थी। उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया की बड़ी चिप निर्माता कंपनी भारत में फैक्ट्री लगाना चाहती थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे दो बार अनुमति नहीं दी और देश ने रोजगार का बड़ा अवसर खो दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सेमीकंडक्टर को बढ़ावा देने की पहल की तो सवाल उठाए गए कि भारत में इसकी इंडस्ट्री कैसे लग सकती है। पीएम मोदी को अभी दशकों तक देश की सेवा करनी है। पहले 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और पिछले 12 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी योग्यता का निर्वाहन कर रहे हैं। 25 वर्षों तक उन्होंने अनवरत जन सेवा का काम किया है। पीएम ने भारत को ऐसे स्थिति में पहुंचाया है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर आज भारत जो बोलता है उसे पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब भारत बोलता था उसे जितना गंभीरता से लिया जाना चाहिए था वो नहीं होता था।

उन्होंने कहा कि वडनगर और काशी का रिश्ता बहुत पुराना है। करीब दो हजार साल पहले बौद्ध भिक्षुओं ने सारनाथ से वडनगर की यात्रा की थी। उस समय उद्देश्य ज्ञान और अध्यात्म को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना था। आज उसी प्राचीन परंपरा को नए रूप में सेवा यात्रा के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है।

अभिषेक शर्मा के ऐतिहासिक शतक के तूफान में उड़ा अफगानिस्तान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अभिषेक शर्मा.. सिर्फ ये नाम ही गेंदबाजों के मन में खौफ भरने के लिए काफी है। सामने कोई भी गेंदबाज हो, लेकिन इस बाएं हाथ के बल्लेबाज का खेलने का अंदाज कभी नहीं बदला। अफगानिस्तान के विरुद्ध तीसरे टी-20 मुकाबले में भी अभिषेक (108) ने गेंदबाजों की जमकर कुटाई की। उनकी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने तीसरे मैच को अपने नाम कर लिया है।

टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक के शतक और संजू सैमसन के अर्धशतक के दम पर 221 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में अफगानी टीम 94 रनों पर ऑलआउट हो गई।

भारत ने मैच 127 रनों से अपने नाम कर लिया और सीरीज में 3-0 से जीत हासिल की।

अभिषेक शर्मा का रिकॉर्डतोड़ शतक

पहले केवल 16 गेंद में तूफानी अर्धशतक और फिर केवल 30 गेंद में शतक जड़ते हुए अभिषेक ने भारत के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। ये किसी टेस्ट खेलने वाले देश के किसी बल्लेबाज का सबसे तेज टी-20 शतक है।

तीर तेवर — सागर कुमार

नेपाल और भारत ने बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण से लेकर व्यापार और कनेक्टिविटी पर की चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेपाल और भारत ने विकास सहयोग को लेकर गुरुवार को व्यापक चर्चा की, जिसमें बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों ने अपनी लंबे समय से चली आ रही आर्थिक साझेदारी को और मजबूत एवं व्यापक बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

वित्त मंत्रालय ने एक एक्स पोस्ट में बताया कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को नई दिल्ली में नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले से मुलाकात की। इस दौरान, दोनों मंत्रियों ने बाढ़ के असर और नेपाल में पुनर्निर्माण व पुनर्वास से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा की। पोस्ट में मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री सीतारमण ने नेपाल में हाल ही में आई बाढ़ में हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की और नेपाल के उबरने और पुनर्निर्माण के प्रयासों में भारत के निरंतर समर्थन का भरोसा दिलाया। वहीं, डॉ. वागले ने भारत के समर्थन के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री का धन्यवाद किया और भारत द्वारा दी गई मदद की सराहना की, जिसमें राहत सामग्री और बचाव व राहत कार्यों के लिए तकनीकी सहायता शामिल थी। बातचीत में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ व्यापार, निवेश और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए कनेक्टिविटी बेहतर करने की पहलों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत और नेपाल के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया।

बैठक में अन्य उन क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया गया, जो दोनों देशों की लंबे समय से चली आ रही आर्थिक साझेदारी को और मजबूत तथा व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने पीएम मोदी को दी जन्मदिन की बधाई, 25 साल के सियासी सफर को बताया प्रेरक

विश्व केसरी

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सार्वजनिक पद पर उनके 25 वर्षों के सफर और गुजरात से राष्ट्रीय स्तर तक के उनके राजनीतिक करियर के बारे में बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया और 2014 में प्रधानमंत्री बने जो गुरुवार को 76 वर्ष के हो गए। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वडनगर की शांत गलियों से लेकर अरबों दिलों की धड़कन तक! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के अथक समर्पण ने वास्तव में हमारे राष्ट्र का भविष्य बदल दिया है। एक विकसित भारत की ओर आपके पदचिन्हों पर चलना मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।'

एक अलग संदेश में, पटेल ने वडनगर से प्रधानमंत्री कार्यालय तक की मोदी की यात्रा को जनविश्वास और निरंतर सेवा की कहानी के रूप में वर्णित किया।

एक निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में मोदी के 25 वर्षों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक का सफर शासन, जन कल्याण और विकास से जुड़ा एक अध्याय बन गया है।'

भूपेंद्र पटेल ने विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत पर सरकार के जोर का भी उल्लेख किया, जिसमें 'विकास भी, विरासत भी' दृष्टिकोण, साथ ही डिजिटल परिवर्तन, आधुनिक बुनियादी ढांचा और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता शामिल है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारतञ्च 2047' की परिकल्पना को विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया है, जिसमें गरीब, युवा, किसान और महिलाएं प्रमुख लाभार्थी के रूप में पहचाने गए हैं। सीएम भूपेंद्र पटेल ने कहा, 'भारत माता की सेवा में अपना हर पल समर्पित करने वाले प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं,' और उनके अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और देश की सेवा करने के लिए निरंतर ऊर्जा की कामना है।

उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन को एक ऐसी यात्रा के रूप में वर्णित किया जो 'एक सपने से शुरू हुई और एक ऐसे आंदोलन में बदल गई जो पूरे देश को प्रेरित करती है '। सांघवी ने कहा, 'गुजरात की धरती से लेकर वैश्विक मंच तक, आपका जीवन सेवा, संकल्प और राष्ट्रनिर्माण का प्रतीक बना हुआ है।'

उन्होंने कहा कि उनकी दूरदृष्टि भारत को नए क्षितिज प्रदान करती रहेगी जबकि उनका संकल्प और नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों को 'विकसित भारत' की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में और उनकी 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा को याद करने के लिए अहमदाबाद के जसपुर क्षेत्र में स्थित विश्व उमिया धाम में 'आशीर्वाद नो देवो' (आशीर्वाद का दीपक) शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मनोज जरांगे पाटिल की 13 मांगों में से 12 को सरकार ने माना : सीएम फडणवीस

विश्व केसरी

मुंबई। मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे पाटिल ने 20 दिन से चल रही अपनी भूख हड़ताल गुरुवार को खत्म कर दी। इस पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहत और संतोष जताया है।

मीडिया से बात करते हुए सीएम फडणवीस ने इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने शांतिपूर्ण तरीके से गतिरोध खत्म करने के लिए लगातार बातचीत की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमें खुशी है कि मनोज जरांगे पाटिल ने अपना अनशन वापस ले लिया है। हमने उनसे इसके लिए आग्रह किया था। उनकी 13 मांगों में से 12 को सरकार ने मान लिया है। एक मांग कानूनी अड़चनों की वजह से पूरी नहीं हो सकी, जिसके बारे में उन्हें बता दिया गया है।'

फडणवीस ने भरोसा दिलाया कि कैबिनेट सब-कमेटी ने जो वादे किए हैं, उन्हें सख्ती से पूरा किया जाएगा। राज्य सरकार इन वादों को लागू करने के लिए जरूरी बैठकें करेगी और प्रशासनिक कदम उठाएगी। उन्होंने मराठा समुदाय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हमारे दरवाजे खुले हैं और दावा किया कि मराठा समुदाय के कल्याण के लिए जितने ठोस फैसले इस सरकार ने लिए हैं, उतने पहले किसी सरकार ने नहीं लिए।

सीएम पडणवीस ने इस आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म कराने में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और विधायक प्रसाद लाड की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहारों में कोई खलल डाले बिना आंदोलन खत्म हो गया। इससे पहले गुरुवार को बीड जिले के पाटोदा में जरांगे पाटिल ने सरकारी प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के बाद 20 दिन से चल रहा अनशन स्थगित करने का ऐलान किया। प्रतिनिधिमंडल में मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, दादाजी भुसे, विधायक प्रसाद लाड, सुरेश धस और बीड के जिलाधिकारी शामिल थे।

बातचीत के बाद जरांगे पाटिल ने सरकार को सातारा गजट लागू करने के लिए 90 दिन यानी तीन महीने की मोहलत दी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने धोखा दिया तो वे मुंबई कूच करेंगे।

अनशन स्थगित करने का ऐलान करते हुए उन्होंने साफ कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और जब तक सफलता नहीं मिलती, लड़ाई नहीं रुकेगी।

संक्षिप्त खबरें

बेंगलुरु में खौफनाक वारदात : कोलकाता की नर्स पर पति ने फेंका तेजाब, फिर किया हमला

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जेपी नगर थर्ड फेज में नारायण क्लिनिक के पास गुरुवार सुबह एक 26 साल की नर्स पर उसके पति ने सरेआम तेजाब फेंका और फिर दरांती से हमला कर दिया। पीड़िता की पहचान मधुमिता के रूप में हुई है, जो कोलकाता की रहने वाली है। वह एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। यह घटना गुरुवार सुबह 9.15 बजे की है। मधुमिता पिछले डेढ़ साल से इस क्लीनिक में नर्स के तौर पर काम कर रही थी। वह नाश्ता करने के लिए क्लीनिक से बाहर निकली थी। पुलिस के मुताबिक, उसका पति वेंकटेश बाइक पर आया था और क्लिनिक के पास अपनी पत्नी का इंतजार कर रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों पिछले करीब एक साल से अलग रह रहे थे और आपस में संपर्क में नहीं थे। जैसे ही मधुमिता क्लीनिक से बाहर आई, वेंकटेश ने उसका पीछा किया। वह भागकर क्लीनिक की बेसमेंट पार्किंग की तरफ गई, जहां आरोपी ने उसे पकड़ लिया और उस पर तेजाब फेंक दिया।

तेलंगाना एसीबी की बड़ी कार्रवाई, रिश्वत लेने के आरोप में दो पुलिस अधिकारी गिरफ्तार

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना के एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एक सरकारी काम के बदले 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में दो पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी दी। एसीबी की टीम ने आधी रात के करीब चलाए गए एक ऑपरेशन में मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नरेट के कीसारा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर दयापा ज्ञानेंद्र रेड्डी को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसी ने बताया कि सब-इंस्पेक्टर, कीसारा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर/एसएचओ अर्कापल्ली अंजनेयुलु के कहने पर रिश्वत ले रहे थे। एसीबी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि आरोपी अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से स्टेशन बेल देने और कीसारा पुलिस स्टेशन में पहले से दर्ज मामले में शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को परेशान न करने के बदले रिश्वत मांगी और ली। इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में रक्तदान शिविर, सीएम सम्राट चौधरी ने युवा रक्तवीरों को किया सम्मानित

विश्व केसरी

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण की प्रेरणादायी यात्रा के उपलक्ष्य में बिहार भाजपा मुख्यालय, पटना में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से अटल सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने किया।

रक्तदान शिविर में युवा मोर्चा के साथ अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने रक्तदान करने वाले युवा रक्तवीरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने रक्तदान कर रहे कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनके सेवा कार्य की सराहना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया।

इस अवसर पर सीएम सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में भारत और उसके विकास का संकल्प निरंतर दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित रहा है और इस अवधि में गरीब कल्याण तथा देश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

असम बाढ़ पीड़ितों के लिए बढ़ी राहत की मांग को लेकर अखिल गोगोई का अनशन शुरू

विश्व केसरी

गुवाहाटी। राइजर दल के अध्यक्ष और शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई ने गुरुवार को ऊपरी असम में हालिया बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए राहत और मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग को लेकर दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन के बाहर एक दिन का भूख हड़ताल (अनशन) शुरू किया।

सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक चलने वाले इस अनशन के जरिए गोगोई ने असम सरकार और केंद्र सरकार से बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए बेहतर राहत, पुनर्वास और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने की मांग की है। अखिल गोगोई ने आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र दोनों सरकारें बाढ़ से हुई भारी तबाही का प्रभावी ढंग से जवाब देने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान बड़े-बड़े वादे करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाढ़ प्रभावित ऊपरी असम के इलाकों का दौरा करने या दूरदराज के क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेने नहीं पहुंचे।

उन्होंने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित समुदायों के लिए कोई विशेष सहायता पैकेज घोषित नहीं किया और न ही इस आपदा पर चिंता जताते हुए कोई संदेश जारी किया।

राइजर दल प्रमुख ने सत्तारूढ़ दल के नेताओं, मंत्रियों और विधायकों पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनका पूरा ध्यान नगांव लोकसभा उपचुनाव पर केंद्रित है, जबकि बाढ़ प्रभावित परिवार अब भी सरकारी मदद का इंतजार कर रहे हैं। राइजर दल ने मांग की है।

तमिलनाडु के 10 शहरों में कांग्रेस चलाएगी जाति जनगणना जागरूकता अभियान, केंद्र की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) गुरुवार से राज्यव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के दौरान जातीय आंकड़े एकत्र करने के प्रस्तावित तरीके की उन कमियों को उजागर करना है, जिन्हें पार्टी गंभीर खामियां मानती है।

कांग्रेस का कहना है कि जनगणना में जाति आधारित आंकड़े जुटाने की प्रस्तावित प्रक्रिया सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों की वास्तविक स्थिति को सही ढंग से सामने लाने में पर्याप्त नहीं है। इसी मुद्दे को लेकर पार्टी राज्यभर में लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाएगी। टीएनसीसी अध्यक्ष और विरुधुनगर से सांसद मणिकम टैगोर ने बताया कि यह अभियान तमिलनाडु के 10 बड़े शहरों में जनसभाओं और संवाद कार्यक्रमों के जरिए चलाया जाएगा। कांग्रेस केंद्र के ओपन-एंडेड सवालों से जाति की जानकारी लेने के तरीके का विरोध करेगी और पहले से तय समुदायों की सूची पर आधारित ड्रॉप-डाउन सिस्टम की वकालत करेगी। पार्टी का मानना है कि इससे सामाजिक न्याय की नीतियां बनाने के लिए ज्यादा भरोसेमंद डेटा मिलेगा।

एआईसीसी महासचिव और तमिलनाडु प्रभारी गुलाम अहमद मीर और द्रविड़र कझगम के अध्यक्ष के. वीरमणि इस अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। मणिकम टैगोर ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की वास्तविक आबादी को छिपाकर पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व से रोकने की कोशिश कर रही है।

ईडी ने हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल कांडा के तीन ठिकानों पर चलाया तलाशी अभियान

विश्व केसरी

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को गुरुग्राम में हरियाणा के पूर्व राज्य मंत्री गोपाल कांडा से जुड़े तीन ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई 248.46 करोड़ रुपए के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई।

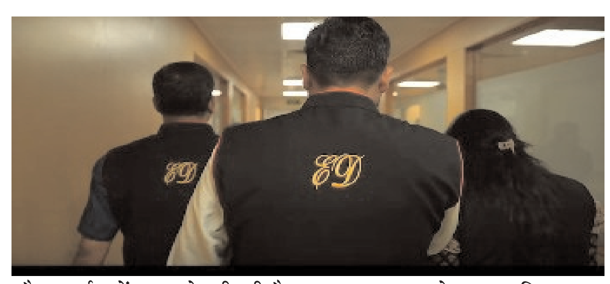

ईडी की गुरुग्राम इकाई, वाटिका लिमिटेड की ओर से किए गए बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट फ्रॉड की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में गुरुवार को तलाशी अभियान चलाया गया है। एजेंसी ने 'प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट' (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत पूर्व मंत्री गोपाल कांडा के घर, फार्महाउस और कार्यालयों पर छापेमारी की है।

इस मामले में निवेशकों को कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में निवेश करने के लिए लुभाया गया था और उन्हें समय पर कब्जा, निश्चित रिटर्न, लीज रेंटल और सेल डीड पूरा करने का भरोसा दिया गया था। जांच के दायरे में आए चार प्रोजेक्ट्स में 661 निवेशकों से लगभग 248.46 करोड़ रुपए जमा किए गए थे, लेकिन आज तक न तो कब्जा दिया गया और न ही वादा किए गए सेल डीड पूरे किए गए।

इस मामले में वित्तीय ट्रेल और घर खरीदारों के फंड के संदिग्ध डायवर्जन के आधार पर ईडी ने कार्रवाई की। एजेंसी का दावा है कि डायवर्ट की गई धनराशि को बाद में गोपाल कांडा से जुड़ी विभिन्न कंपनियों में ट्रांसफर किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में चल रहे अभियान में दो आतंकवादी ढ़ेर

विश्व केसरी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में संयुक्त बलों ने कम से कम दो आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार शाम को उधमपुर जिले के माजलता से संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद, संयुक्त बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ (गोलीबारी) हुई। अधिकारियों ने बताया, इसके बाद हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इलाके में अभियान अभी भी जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है।

इस अभियान की शुरुआत जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के विशेष पैराटूपर्स ने की थी। मुठभेड़ शुरू होते ही तुरंत अतिरिक्त बल मौके पर भेजे गए।

भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक संयुक्त टीम इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी। राजौरी में लश्कर-ए-तैबा (एलईटीटी) से जुड़े एक कथित ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क का हाल ही में भंडाफोड़ होने के बाद पीर पंजाल क्षेत्र में सुरक्षा गतिविधियों को तेज कर दिया गया है, इसी बीच यह अभियान चलाया गया है।

15 सितंबर को राजौरी पुलिस ने पीर पंजाल क्षेत्र में सक्रिय एक कथित आतंकी मॉड्यूल के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन, मोहम्मद आजम और मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है।

सुरक्षा बलों ने इलाके को सुरक्षित करने और बचे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों और हवाई निगरानी का इस्तेमाल करते हुए तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

शपथ पत्र

मै असीमा बेगम पति मोहम्मद युसूफ कुरैशी जाति मुसलमान निवासी हातकचोरा विवेकानंद वार्ड 30 जगदलपुर जिला बस्तर छ.ग. निम्न कथन करती हुँ ।

1 यह कि मेरी पति के आधार कार्ड क्रमांक 805152801231 दर्ज नाम BUSRA KURESHI पिता MOHAMMAD USU-QKURESHI (बुसरा कुरैशी पिता मोहम्मद युसुफ कुरैशी) जो कि बुटि पुर्ण व असत्य है।

2 यह कि पुति शैक्षणिक अभिलेखों में दर्ज व दर्शित नाम .BUSHRA QURESHI .पिता MOHAM-MAD YUSUF QURESHI जो कि सत्य व सही है

3 यह कि पुति के आधार कार्ड में शैक्षणिक अनुसार सही नाम BUSHRA QURESHI पिता .MOHAMMAD YUSUF QURESHI दर्ज करने के समर्थन में शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मै रामबत्ती मौर्य आयू 35 वर्ष पति मेहतर निवासी ग्राम हाउस न0 क0 119 टोटा पारा कालीपुर तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 की निवासी हूँ शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करती हूँ।

1 यह कि मेरे आधार कार्ड न0 7135 8581 1963 मे नाम रामबती पति महतर (RAMBAMTI W/O MAHTAR) पता चोकावाडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0ग0 दर्ज है जो कि मेरे एवं मेरे पति के नाम कि स्पेलिंग त्रुटिपूर्ण है एवं मेरे नाम पर उपनाम मौर्य दर्ज नही है दर्ज है जिससे त्रुटिपूर्ण है।

2. यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक AJV1184621 में मेरा नाम रामबती मौर्य पति मेहत्तर (RAMBATI MAU-RYA W/0 MAHETAR) पता क114 टोटा पारा कालीपुर तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0ग0 दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 7135 8581 1963 में नाम रामबती पति महतर (RAM-BAMTI W/0 MAHTAR) दर्ज है पता चोकावाडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0म0 को सुधार कर मेरे मतदाता परिचय पत्र में दर्ज मेरा नाम रामबती मौर्य पति मेहतर (RAMBATI MAURYA W/0 MAHETAR) पता क114 टोटा पारा कालीपुर तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0ग0 को दर्ज कराना चाहती हूँ

भविष्य में मेरे एवं मेरे पति के नाम के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी ।

अत: यह शपथ पत्र मेरे एवं मेरे पति के नाम की सूचना छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है

शपथकर्ता
रामबत्ती मौर्य

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35459/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 17-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35459
वार्ड का नाम 22- पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR569M00158** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **TAMANNA DHUP-PAD** पिता/पति श्री श्रीमती **SUBHASH DHUPPAD** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. कपिल प्रसाद शर्मा पिता राधेश्याम शर्मा 2. बिन्दी शर्मा पति कपिल प्रसाद शर्मा पित/ पति श्री श्रीमती ...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35458/ न. पा. नि. जोन क्र 7/2026
रायपुर, दिनांक 17-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35458
वार्ड का नाम 22- पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR814D00112** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Shambhu Sahu** पिता / पति श्री/श्रीमती **Bishru Sahu** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती गंगा राम साहू पिता/पति श्री श्रीमती संभु साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / सपथ पत्र / पंचनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35403..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 16-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35403
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663T00250** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SITARAM DEWAN-GAN** पिता / पति श्री/श्रीमती **PANCHURAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **YOGITA SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O UMESH KUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुंबईः जर्मन राजदूत ने किया मझगांव डॉक लिमिटेड का दौरा, शेंगेन वीजा टीम से की बात

विश्व केसरी

मुंबई। भारत में जर्मनी के राजदूत डॉ. जॉन जैस्पर विएक ने मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के दौरे को अविस्मरणीय माना। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बाहर अपनी पहली यात्रा शानदार रही।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कुछ तस्वीरों के साथ ये जानकारी साझा की। उन्होंने बताया, 'दिल्ली के बाहर अपनी पहली यात्रा में, मैं भारत-जर्मनी के 70 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए खूबसूरत और जीवंत मुंबई पहुंचा। 'दरअसल, भारत और जर्मनी के बीच औपचारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना मार्च 1951 में हुई थी। वर्ष 2026 में इनके 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं। वहीं, इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजीसीसी) 2026 में अपनी 70वीं सालगिरह मना रहा है। विएक इसी की बात कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, 'यहां दोनों देशों के बिजनेस जगत, मझगांव डॉक लिमिटेड और हमारी शेंगेन-वीजा टीम के साथ बातचीत हुई। भारत में हर साल 2 लाख जर्मन वीजा जारी किए जाते हैं जो उत्साहवर्धक है!'

शेंगेन वीजा एक ऐसा दस्तावेज है जो धारक को यूरोप के 29 शेंगेन देशों में 180 दिनों की अवधि में अधिकतम 90 दिनों तक घूमने या यात्रा करने की अनुमति देता है। राजदूत ने इसी के हवाले से खुशी का इजहार किया।

राजदूत बुधवार को वहां गए थे। उनके साथ महावाणिज्यदूत क्रिस्टोफ एंड्रियास हेल्मुथ हॉलियर और जर्मन दूतावास में आर्थिक और वैश्विक मामलों के प्रथम सचिव सेबेस्टियन बोर्चमेयर भी थे।

प्रतिनिधिमंडल ने एमडीएल की जहाज निर्माण और पनडुब्बी निर्माण सुविधाओं का दौरा किया और कंपनी के सीएमडी और वरिष्ठ प्रबंधन से भी मुलाकात की।

इसका अपडेट एमडीएल ने एक्स पर किया था। उन्होंने बताया कि बातचीत में भारत और जर्मनी के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी और खास तौर पर पनडुब्बी निर्माण और टेक्नोलॉजी सहयोग में एमडीएल और टीकेएमएस के बीच मजबूत संबंधों पर चर्चा हुई। इस दौरे से जहाज निर्माण, पनडुब्बी कार्यक्रमों और एडवांस्ड समुद्री टेक्नोलॉजी में भविष्य के सहयोग को मजबूत करने पर विचारों के आदान-प्रदान का मौका भी मिला।

भारत और त्रिनिदाद ने संसदीय भागीदारी को मजबूत करने पर की चर्चा

विश्व केसरी

केपटाउन। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष जगदेव सिंह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया, 'राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने केप टाउन में 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन से इतर त्रिनिदाद और टोबैगो के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष जगदेव सिंह से मुलाकात की। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच संसदीय जुड़ाव और सहयोग को मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।'

मंगलवार को उपसभापति ने दक्षिण अफ्रीकी संसद की नेशनल काउंसिल ऑफ प्रोविंसेस (एनसीओपी) की अध्यक्ष रिफिल्वे मत्स्वेनी-त्सिपाने से मुलाकात की, जिसमें घनिष्ठ और लंबे समय से चले आ रहे संसदीय संबंधों को रेखांकित किया गया।

उच्चायोग ने एक्स पर लिखा, 'राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने केप टाउन में 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन से इतर दक्षिण अफ्रीका की संसद की नेशनल काउंसिल ऑफ प्रोविंसेस की अध्यक्ष रिफिल्वे मत्स्वेनी-त्सिपाने से भेंट की। उच्चायोग ने आगे कहा, 'इस बातचीत में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच घनिष्ठ और लंबे समय से चले आ रहे संसदीय संबंधों और दोनों विधायिकाओं के बीच सहयोग और आदान-प्रदान को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।'

उपसभापति सिंह के नेतृत्व में एक राज्यसभा प्रतिनिधिमंडल सोमवार को केप टाउन पहुंचा।

फिजी में एचआईवी संक्रमण बढ़ा राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित

विश्व केसरी

सुवा। प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश फिजी में एचआईवी संक्रमण दर तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया गया है। देश में संक्रमण की स्थिति गंभीर होने के बीच सरकार ने रोकथाम, जांच और उपचार के प्रयासों को तेज करने का फैसला किया है।

फिजी में एचआईवी संक्रमण के मामलों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान जबरदस्त वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, वर्ष 2025 में देश में एचआईवी के 2,016 नए मामले सामने आए, जबकि 2024 में यह संख्या 1,583 थी। यानी एक साल में नए मामलों में करीब 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

फिजी के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री डॉ. राटु एटोनियो लालाबालावु ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा करते हुए कहा कि संक्रमण की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए तत्काल और समन्वित कदम उठाने की जरूरत है। एफबीसी न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिजी में एचआईवी संक्रमण बढ़ने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। इनमें असुरक्षित यौन संबंध, नशीली दवाओं को इंजेक्शन के जरिए लेने के दौरान संक्रमित सुइयों का इस्तेमाल, एचआईवी की कम जांच और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच शामिल हैं।

देश में मेथामफेटामाइन जैसी नशीली दवाओं के इस्तेमाल में वृद्धि को लेकर भी चिंता जताई गई है। अधिकारियों के अनुसार, इंजेक्शन के जरिए नशीली दवाओं का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच संक्रमण फैलने का जोखिम अधिक है। संक्रमित सुइयों और सिरिंज के साझा इस्तेमाल से एचआईवी फैल सकता है।

भूटान के प्रधानमंत्री से मिले विदेश मंत्री जयशंकर 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपे

विश्व केसरी

थिंपू। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग तोगबे से मुलाकात की। इस दौरान नई दिल्ली की ओर से भूटान को 54 'मेड इन इंडिया' इलेक्ट्रिक वाहन सौंपे। बैठक के दौरान जयशंकर ने तोबगे को पीएम मोदी की शुभकामनाएं प्रेषित कीं और भूटान की तरक्की और खुशहाली को लेकर भारत की प्रतिबद्धता जाहिर की।

बैठक के बाद विदेश मंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज थिंपू में भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे से मिलकर खुशी हुई। पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। दोस्ती और सहयोग के हमारे खास रिश्तों के लिए उनकी भावनाओं की मैं बहुत कद्र करता हूं। भूटान की तरक्की और खुशहाली के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'

भूटान को 'मेड इन इंडिया' 54 इलेक्ट्रिक वाहन सौंपते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत ई-मोबिलिटी और सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट की दिशा में भूटान की प्रगति में सहयोग कर रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा, 'पीएम शेरिंग तोबगे को 'मेड इन इंडिया' 54 इलेक्ट्रिक वाहन सौंपकर खुशी हुई। भारत ई-मोबिलिटी और सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट की दिशा में भूटान की प्रगति में सहयोग कर रहा है।' इससे पहले दिन में, जब विदेश मंत्री जयशंकर बुमथांग से थिंपू पहुंचे, तो भूटान के वित्त मंत्री लियोनपो लेकी दोरजी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बुधवार को विदेश मंत्री जयशंकर ने भूटान के सबसे पवित्र और अहम स्थलों में से एक, कुर्जे लखांग में पूजा-अर्चना की थी।

इसका जिक्र करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा, 'पवित्र कुर्जे लखांग में नमन किया। हमारे लोगों और भारत-भूटान संबंधों की बेहतरी के लिए प्रार्थना की।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने भूटानी समकक्ष लियोनपो डी एन धुंग्येल के साथ बुमथांग में नेशनल कैटल ब्रीडिंग सेंटर का दौरा किया। यशंकर ने भूटान में डेयरी कैटल ब्रीडिंग प्रोग्राम के लिए भारत से 43 प्योरलाइन जर्सी गाय भी सौंपीं, ताकि दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जा सके और स्थानीय किसानों की मदद की जा सके।

दोनों ने बुमथांग में ऐतिहासिक वांगडुचोलिंग पैलेस और म्यूजियम का दौरा भी किया था। इसके अलावा एस जयशंकर और धुंग्येल ने भूटान के गासा में 500 किलोवाट के लुनाना हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की आधारशिला भी रखी। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे ऊर्जा सहयोग के लिए एक 'गौरवशाली मील का पत्थर' बताया। यह सहयोग 1967 में थिंपू में भूटान के पहले हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट 'जुंगशिना' से शुरू हुआ था।

डीएमके के 78वें स्थापना दिवस पर उद्धयनिधि स्टालिन बोले, आम लोगों के हाथ में पहुंचाई राजनीति

विश्व केसरी

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) के युवा विंग सचिव उद्धयनिधि स्टालिन ने गुरुवार को पार्टी के 78वें स्थापना दिवस पर कहा कि डीएमके ने राजनीति को विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे आम लोगों के हाथों तक पहुंचाया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उद्धयनिधि ने कहा कि डीएमके की स्थापना बारिश से भीगे एक दिन हुई थी, जब 40 वर्ष की उम्र में सी.एन. अन्नादुरई ने अपने युवा साथियों के साथ पार्टी की शुरुआत की थी। उन साथियों में 20 वर्ष की उम्र के एम. करुणानिधि भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने या विपक्ष में रहने, दोनों ही परिस्थितियों में डीएमके ने अपने 78 वर्षों के सफर में तमिल समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया है।

उद्धयनिधि ने कहा कि डीएमके की राजनीति हमेशा सामाजिक न्याय, राज्यों के अधिकार, महिला सशक्तिकरण और औद्योगिक विकास जैसे मूल सिद्धांतों पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने से लेकर राज्यों को अधिक अधिकार दिलाने की लगातार मांग तक, पार्टी ने तमिलनाडु के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है।

डीएमके की स्थापना 17 सितंबर 1949 को समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी के नेतृत्व वाले द्रविड़र कझगम से अलग होकर सी.एन. अन्नादुरई ने की थी। पार्टी की पहली बैठक चेन्नई के रोयापुरम स्थित रॉबिन्सन पार्क में भारी बारिश के बीच हुई थी और अन्नादुरई इसके पहले महासचिव बने थे।

द्रविड़र कझगम जहां मुख्य रूप से सामाजिक सुधार आंदोलन तक सीमित रहा और चुनावी राजनीति से दूर रहा, वहीं डीएमके ने चुनाव लड़ने और विधायी शक्ति के जरिए अपने उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाने के साथ जनता का अंधेरा भी दूर किया जाए : जीतू पटवारी

विश्व केसरी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर मध्य प्रदेश के उज्जैन में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजन को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि जनता के सवालों के अंधेरे को भी दूर करना जरूरी है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को संबोधित करते हुए लिखा कि आप प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाने आ रहे हैं। लेकिन जरा सोचिए, यह दीया कहीं उस ताली-थाली की याद तो नहीं दिलाएगा, जो कोरोना के संकट के बीच बजवाई गई थी? यह दीया क्या वैसा ही है, जब प्रधानमंत्री ने नोटबंदी की कतार में अपनी मां खड़ा करवा दिया? उन्होंने तंज भरे अंदाज में आगे लिखा कि क्या यह दृश्य उस दौर जैसा तो नहीं है, जब रोम जल रहा था और नीरो बांसुरी बजा रहा था? 12 साल में अगर जनता की जिंदगी में बेहतर शिक्षा मिली हो, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिली हों, सड़कें बेहतर हुई हों,युवाओं को रोजगार मिला हो, किसानों की आय बढ़ी हो, तो जरूर जलाइए दीया। जनता की समस्याओं का जिक्र करते हुए जीतू पटवारी ने आगे कहा कि अगर आम आदमी आज भी महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकारी अव्यवस्था से जूझ रहा है, तो सवाल यह है, यह विकास का दीया है या जनता की तकलीफों पर रोशनी डालने की सियासी नौटंकी? उन्होंने आगे कहा कि फिर भी इस तर्क के साथ प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं कि लोकतंत्र में दीया जलाने से पहले जनता के सवालों का अंधेरा दूर करना भी जरूरी है।

दरअसल, प्रधानमंत्री के जन्मदिवस से भारतीय जनता पार्टी सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत करने जा रही है।

पोस्ट-ऑपरेटिव सहायता नहीं मिलने पर ट्रांसजेंडर व्यक्ति की याचिका, हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

विश्व केसरी

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में ऑपरेशन के बाद मिलने वाली वित्तीय सहायता की पूरी राशि नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया गया है।

जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने सरकारी पक्ष को निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर के लिए निर्धारित की। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि वह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आता है और वर्तमान में बेरोजगार है।

उसने लिंग परिवर्तन सर्जरी कराई थी, जिसके लिए उसे पहले 62,563 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी।

सर्जरी के बाद उसने ऑपरेशन के बाद की देखभाल और उपचार के लिए वित्तीय सहायता की मांग करते हुए आवेदन किया। इसके लिए उसने 14 नवंबर 2018 को जारी राज्य सरकार के आदेश का हवाला दिया।

सरकारी आदेश के अनुसार, लिंग परिवर्तन सर्जरी करा चुके ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को 12 महीने तक हर महीने 3,000 रुपए की सहायता दी जाती है।

इस योजना के तहत कुल 36,000 रुपए की सहायता मिलनी है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसे केवल पांच महीने के लिए 15,000 रुपए मिले, जबकि बाकी सात महीनों की 21,000 रुपए की राशि अब तक नहीं दी गई। उसने कहा कि बकाया राशि के लिए उसने कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया, लेकिन उसे भुगतान नहीं मिला। इसके बाद उसने केरल हाईकोर्ट का रुख करते हुए अधिकारियों को शेष 21,000 रुपए जारी करने का निर्देश देने की मांग की है। याचिकाकर्ता का यह भी कहना है कि सहायता राशि नहीं देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत मिले उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

अपने पक्ष के समर्थन में उसने जेन कौशिक बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया है। याचिका में अदालत से अधिकारियों को शेष 21,000 रुपए जारी करने का आदेश देने की मांग की गई है। अंतरिम राहत के तौर पर उसने सामाजिक न्याय निदेशक के समक्ष दी गई अपनी अर्जी पर विचार करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया है।

कलबुर्गी में बिना अनुमति लगी सिद्दारमैया की प्रतिमा हटाई गई

विश्व केसरी

कलबुर्गी । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की नौ फुट ऊंची प्रतिमा को गुरुवार को कलबुर्गी नगर निगम ने कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच हटा दिया। इसे कलबुर्गी के हाई कोर्ट सर्किल पर रातोंरात बिना अनुमति के स्थापित किया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, सिद्दारमैया के समर्थकों के एक समूह ने जिला प्रशासन और नगर निगम से अनुमति लिए बिना इस प्रतिमा को स्थापित किया था। प्रतिमा लगाए जाने की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए इसे हटवा दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इसके लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी।

यह प्रतिमा उस मार्ग पर लगाई गई थी, जहां से मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को अपने कलबुर्गी दौरे के दौरान गुजरना था और वहां से उन्हें गाणगापुर मंदिर भी जाना था। इससे इस घटनाक्रम को राजनीतिक महत्व भी मिल गया।

सूत्रों के अनुसार, सिद्दारमैया के समुदाय कुरुबा समाज से जुड़े आठ से दस लोगों ने प्रतिमा स्थापित करने में भूमिका निभाई। यह समूह लंबे समय से हाई कोर्ट सर्किल का नाम सिद्दारमैया के नाम पर रखने की मांग कर रहा था। हालांकि प्रशासन ने इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी थी, फिर भी समूह ने प्रतिमा स्थापित कर दी।

बताया जा रहा है कि इसी समूह ने लगभग तीन साल पहले भी इसी स्थान पर सिद्दारमैया की प्रतिमा लगाई थी। उस समय भी प्रशासन ने उसे हटा दिया था।

यह ताजा घटना ऐसे समय हुई जब डीके शिवकुमार कलबुर्गी दौरे पर थे। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में प्रतिमा लगाए जाने के समय को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ लोगों का मानना था कि इस कदम के जरिए सरकार पर प्रतिमा को नियमित मान्यता देने या सर्किल का नाम बदलने का दबाव बनाया जा सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने यह कहते हुए प्रतिमा हटा दी कि इसे बिना अनुमति के लगाया गया था और नियमों का उल्लंघन किया गया है।

संपादकीय

'कोसागढ़ः रेशमी परिधान की अमूल्य धरोहर '

अपूर्वा नेरल, अपूर्वा चंद्रा

सिल्क, दुनिया के सबसे खास कपड़ों में से एक है। यह रेशम के कीड़ों की प्रजातियों और उनके पालन-पोषण के तरीकों के आधार पर कई तरह के हो सकते हैं- जैसे मलबरी सिल्क, टसर सिल्क, एरी सिल्क और मूंगा सिल्क। इनमें से कोसा, टसर सिल्क की श्रेणी में आता है। इसे अक्सर मुलायम मलबरी सिल्क के मुकाबले ज़्यादा ऑर्गेनिक और टेक्सचर वाला माना जाता है। कोसा को जो चीज़ खास बनाती है, वह है इसकी उत्पत्ति – यह मध्य भारत के जंगलों में पनपने वाले रेशम के कीड़ों से बनता है। यहाँ की प्राकृतिक परिस्थितियाँ कोसा को उसकी खास पहचान देती है: थोड़ी खुरदरी और टेक्सचर वाली बुनाई, हल्का लेकिन चमकदार सुनहरा-बेज रंग, और ज़बरदस्त मज़बूती। ज़्यादा प्रोसेस किए गए कृत्रिम रेशम की तुलना में, कोसा में एक तरह का कच्चापन होता है – एक ऐसी असलियत जो आज के दौर में असली ऐश्वर्य की पहचान है। यह सिर्फ़ एक कपड़ा नहीं, बल्कि प्रकृति, कारीगरी और विरासत की झलक है, जहाँ इसका हर धागा जंगल, करघे और शिल्पकारों की कहानी कहता है।

कुदरत की गोद में बुना गया कोसा सिल्क, अपने हर धागे में छत्तीसगढ़ की पुरानी आदिवासी विरासत की आत्मा को समेटे हुए है। कोसा सिल्क का हर टुकड़ा सब्र की कहानी कहता है, जहाँ इंसानी हाथ जंगल के कुदरती खजाने को शाही शान में बदल देते हैं। यह सिर्फ़ एक कपड़ा नहीं, बल्कि माहिर बुनकरों की पीढ़ियों से चली आ रही एक जीवित परंपरा है। अपनी शानदार बनावट और नैसर्गिक सुनहरी चमक के साथ, कोसा न सिर्फ़ रोशनी की एक किरण है... बल्कि पूरे माहौल पर छा जाने वाला माहताब है। इसकी खूबसूरती इसकी स्वाभाविक कमियों में है,

जो हर ड्रेप (पहनावे) को रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक खास नमूना बनाती है। सादगी भरी शान, सतह का विशेष स्पर्श और शाही चमक असली कोसा को बेजोड़ स्वरूप प्रदान करते हैं। छत्तीसगढ़ के वनों से लेकर सदाबहार फैशन की ऊंचाइयों तक, परंपरा से जुड़ा और आधुनिक खूबसूरती के साथ चमकता कोसा सिल्क भारत के सबसे कीमती वस्त्रों में से एक है। इसीलिए छत्तीसगढ़ को ' 'कोसागढ़'' कहा जाता है।

कोसा सिल्क भारत के सबसे प्रीमियम और असली जंगली रेशम में से एक है – इसे इसकी कुदरती उत्पत्ति, हाथ से बुने जाने और लंबे समय तक चलने की ख़ूबी के लिए पसंद किया जाता है। इसके प्रत्येक बुनाई में प्राकृतिक असमानताएँ होती हैं, जो इसके हर हिस्से को अनोखा रूप देती है। समय के साथ और भी ख़ूबसूरत होने की इसकी ख़ूबी इसे सिर्फ़ एक कपड़े से ऊपर उठाकर जीवन भर साथ रहने वाली एक कीमती धरोहर बनाती है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत में गहराई से रची-बसी कोसा सिल्क एक ऐसी लग्ज़री है जो अपरिस्कृत और प्राकृतिक होने के बावजूद प्रामाणिक और दीर्घकालिक है।

कोसा एक वाइल्ड सिल्क है जो छत्तीसगढ़ में *एन्थेरिया माइलिट्टा* नामक रेशम के कीड़े से बनाई जाती है। यह टसर सिल्क की ही एक क्षेत्रीय किस्म है। रेशम का यह कीड़ा इस इलाके के जंगलों में अर्जुन, साल और साजा जैसे पेड़ों पर पलता-बढ़ता है और ऐसा रेशा बनाता है, जिसमें कुदरती खुरदरापन, मैट चमक और विशेष टेक्सचर होता है, जो पहनने पर मुलायम हो जाता है। हर कोकून से 1 से 2 ग्राम कच्चा रेशम धागा मिलता है, जो लगभग 300 गज धागे के बराबर होता है। कीड़ों के निकलने के बाद कोकून इकट्ठा किए जाते हैं, जिन्हें 'कोसा-फल' कहा जाता है। कारीगर पारंपरिक चरखों पर रेशों से धागे बनाने के लिए रिलिंग करते हैं। कताई में हल्की असमानता से कुदरती खुरदरापन आता है, जो कोसा सिल्क को प्रोसेस्ड कमर्शियल सिल्क से अलग बनाता है। यह इस कपड़े की एक खासियत होती है, कोई कमी नहीं। धागों को कुदरती चीज़ों से रंगा जाता है: पीले रंग के लिए हल्दी, लाल रंग के लिए मजीठ, हरे रंग के लिए हरड़ और जंग जैसे रस्टी रंग के लिए लोहे और गुड़ के मिश्रण का इस्तेमाल होता है। रंगने के बाद, धागों को पिट लूम पर जाला, फेरा और खापा तकनीकों का इस्तेमाल करके बुना जाता है। डिज़ाइन की जटिलता के आधार पर एक साड़ी बुनने में 3 से 10 दिन लगते हैं।

जनता पर अधिभार : ये क्या कर रही सरकार?

गिरीश पंकज

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कर-प्रणाली केवल राजस्व जुटाने का साधन नहीं, बल्कि राज्य और नागरिक के बीच एक सामाजिक अनुबंध का प्रतीक माना जाता है। नागरिक अपनी गाढ़ी कमाई का एक हिस्सा राज्य को इस विश्वास के साथ सौंपता है कि बदले में उसे बुनियादी सुरक्षा, बेहतर सार्वजनिक सेवाएं, पारदर्शी शासन और सम्मानजनक जीवन का परिवेश मिलेगा। जब यह संतुलन बिगड़ने लगता है और नागरिकों को महसूस होने लगे कि राज्य केवल एक सख्त कर-संग्राहक की भूमिका में आ गया है, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। आम जनमानस में सरकार के इस फैसले को लेकर तीव्र आक्रोश देखा गया कि सरकार 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतानों पर आम उपभोक्ताओं से शुल्क वसूलने जा रही है। इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी बहस छिड़ी हुई है। इस विषय पर तथ्यों को स्पष्ट रूप से समझना भी जरूरी है।

वैसे नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के दिशानिर्देशों के अनुसार, सामान्य व्यक्ति-से-व्यक्ति या व्यक्ति-से-व्यापारी बैंक खातों के बीच होने वाले सीधे यूपीआई लेन-देन पर हम नागरिक के लिए कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। सच्चाई यह है कि 2,000 रुपये से अधिक के लेन-देन पर 1.1% तक का इंटरचेंज शुल्क केवल प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंटों जैसे डिजिटल वॉलेट्स पेटीएम वॉलेट, फोनपे वॉलेट आदि के जरिए व्यापारियों को किए जाने वाले वाणिज्यिक भुगतानों पर लागू किया गया है। इसका वहन व्यापारी और वॉलेट प्रदाता के बीच होता है, सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते से पैसे नहीं कटते।

तथ्य भले ही तकनीकी हों, लेकिन जनमानस में यह शंका क्यों उपजी इसका मुख्य कारण यह है कि पिछले कुछ वर्षों में आम नागरिक ने कई अप्रत्यक्ष शुल्कों, सरचार्ज और सेस का जो बोझ झेला है, उसने स्वाभाविक अविश्वास का माहौल तैयार कर दिया है।

भारत की कराधान व्यवस्था में सबसे बड़ी विसंगति यह रही है कि यहाँ राजस्व का बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष करों, जैसे आयकर या कॉर्पोरेट कर के बजाय अप्रत्यक्ष करों जैसे जीएसटी, पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क आदि से आता है। अप्रत्यक्ष कर सबको देने पड़ते हैं, एक पैकेट दूध, साबुन या पेट्रोल पर एक दिहाड़ी मजदूर भी उतना ही कर चुकाता है जितना एक करोड़पति। 2017 में लागू 'एक देश, एक कर' की अवधारणा समय के साथ कई टैक्स स्लैबबों में उलझ गई। स्टेशनरी, पैकेज्ड आटा, दही और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में 18% जीएसटी जैसी अनिवार्य वस्तुओं पर कर का भार सीधे मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग की जेब काटता है। संविधान के अनुसार केंद्र सरकार को विशिष्ट उद्देश्यों जैसे शिक्षा, कृषि, स्वच्छ भारत आदि के लिए सेस लगाने का अधिकार है। व्यावहारिक रूप से यह देखा गया है कि सेस की राशि केंद्र के पास केंद्रित रहती है और इसे राज्यों के साथ साझा नहीं करना पड़ता। जब मूल कर के ऊपर सेस और सरचार्ज स्थायी रूप से जुड़ जाते हैं, तो यह सीधे तौर पर आम नागरिक पर 'अदृश्य अधिभार' बन जाता है। कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के बजाय अक्सर विशेष उत्पाद शुल्क या अतिरिक्त उपकर बढ़ाकर राजस्व की भरपाई की गई, जिससे परिवहन लागत बढ़ी और आवश्यक वस्तुओं की महंगाई आसमान छूने लगी।

एक समय था जब बचत खाते को आम आदमी अपनी छोटी-छोटी बचतों को सुरक्षित रखने का

पवित्र स्थान मानता था। लेकिन पिछले दशक में सार्वजनिक और निजी दोनों बैंकों ने शुल्क-आधारित आय पर अत्यधिक निर्भरता दिखाई है । खाताधारकों पर न्यूनतम औसत शेष न रखने पर लगाए जाने वाले भारी जुर्माने ने सबसे गरीब तबके को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। यह बेहद तकलीफ देह निर्णय है । महीने में चार या पांच बार से अधिक एटीएम से पैसे निकालने पर शुल्क देना पड़ता है। बुनियादी सूचनाओं के एसएमएस अलर्ट और डेबिट कार्ड के वार्षिक रख-रखाव के नाम पर लगातार कटती छोटी-छोटी राशियां कटती रहती हैं । जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बड़े औद्योगिक घरानों के लाखों करोड़ रुपये के गैर-निष्पादित ऋण बट्टे खाते में डालते हैं और उसी दौरान आम नागरिकों के खातों से पेनल्टी के जरिए हजारों करोड़ रुपये जुटाते हैं, तो यह धारणा गहरी होती है कि कमजोर से वसूलकर मजबूत को राहत दी जा रही है।

बेशक कर चुकाना किसी भी नागरिक का वैधानिक कर्तव्य है, परंतु बदले में मिलने वाली सेवाओं का क्या इस पर भी तो विचार हो! विकसित देशों में उच्च कर दरों के बदले राज्य उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त व गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा, मजबूत सार्वजनिक परिवहन और सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करता है। भारत में आम मध्यम वर्ग तिहरी मार झेलता है । सरकारी अस्पतालों की दयनीय स्थिति या भारी भीड़ के कारण एक सामान्य परिवार को निजी नर्सिंग होम और बीमा कंपनियों की शरण में जाना पड़ता है। सरकारी स्कूलों में गिरते स्तर के चलते आम नागरिक अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा निजी स्कूलों की अत्यधिक फीस और ट्यूशन पर खर्च करने को विवश है। वाहन खरीदते समय भारी रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क चुकाने के बाद भी राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर जगह-जगह टोल टैक्स देना पड़ता है। फिर भी सड़कों पर गड्ढे और जलजमाव एक आम समस्या बने रहते हैं। डाक या पत्र पत्रिका और पुस्तकें भेजना भी अब महंगा सौदा हो चुका है ।

प्रशासनिक और नीतिगत दृष्टि से सरकार के अपने तर्क और प्रयास भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता ।

भारत में प्रत्यक्ष करदाताओं की संख्या ऐतिहासिक रूप से बहुत कम रही है। सरकार ने डिजिटलीकरण, पैन-आधार लिंकिंग और वित्तीय निगरानी के जरिए कर चोरी रोकने और फॉर्मल इकॉनमी का दायरा बढ़ाने का प्रयास किया है। हाल के वर्षों में व्यक्तिगत आयकर स्लैब को युक्तिसंगत बनाकर सात लाख रुपये तक की शुद्ध आय वाले वेतनभोगी वर्ग को टैक्स छूट का दायरा देकर राहत देने की कोशिश की गई है । वैसे यूपीआई, डिजीलॉकर और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए बिचौलियों को खत्म कर सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुँचाने में कुछ सफलता ज़रूर मिली है। सरकार का पक्ष है कि जुटाए गए राजस्व का बड़ा हिस्सा रेलवे के आधुनिकीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों, हवाई अड्डों और ऊर्जा सुरक्षा जैसे दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे में लगाया जा रहा है, जिससे रोजगार और आर्थिक विकास को गति मिले। राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने और जनकल्याणकारी राज्य की गरिमा की रक्षा के बीच संतुलन साधना ही सुशासन की पहचान है। इसके लिए निम्नलिखित कदम अनिवार्य हैं । स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पर 18% जीएसटी का प्रावधान तत्काल समाप्त या न्यूनतम शून्य से 5%किया जाना चाहिए, ताकि लोग अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें। किसी भी उपकर को अनंत काल तक जारी रखने के बजाय उसके लक्ष्यों की पूर्ति होते ही समाप्त किया जाए। बुनियादी बचत खातों और ग्रामीण ग्राहकों को दंडात्मक शुल्कों से पूर्ण सुरक्षा मिले। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय तंत्र को पूरी तरह से उपभोक्ता-हितैषी बनाए रखा जाए।

केवल राजस्व संग्रह बढ़ाना ही सफलता का पैमाना नहीं हो सकता। सरकारी धन के अपव्यय को रोकना, परियोजनाओं में भ्रष्टाचार को शून्य करना और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना राज्य का प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। नागरिक राष्ट्र का उपभोक्ता नहीं, उसका स्वामी और भागीदार है। जब तक नीति-निर्माता कर संग्रह को 'प्रजा से राजस्व की वसूली' के बजाय 'राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का अंशदान' मानकर काम नहीं करेंगे, तब तक आम जनमानस में असंतोष की यह भावना सुलगती रहेगी। राज्य का कर्तव्य केवल खजाना भरना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उस खजाने की कीमत पर किसी आम नागरिक की कमर न टूटे। लोकतंत्र लोकतंत्र ही रहे, यह लूटतंत्र में तब्दील होता न दिखे ।

कुल मिलाकर कटना खरबूजे को ही है

आचार्य ललित मुनि

यूपीआई पेमेंट को लेकर कुछ चार्ज वसूलने की बात फ़िज़ाओं में तैर रही थी, अभी भारतीय भुगतान निगम की गाइड लाइन देखने मिली, जिसमें कहा गया है कि अब दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर दुकानदार से कुछ पैसा लिया जाएगा। आम आदमी को समझाया जा रहा है कि चिंता मत कीजिए, आपकी जेब से कोई पैसा नहीं कटेगा। जो पैसा लगेगा, वो पैसा दुकानदार देगा।

बात सुनने में बड़ी अच्छी लगती है। ग्राहक बेफिक्र, दुकानदार जिम्मेदार और व्यवस्था भी खुश। लेकिन जरा ठहरकर सोचिए, दुकानदार पैसा देगा कहाँ से ?दुकानदार कोई दानपेटी लेकर तो बैठा नहीं है। वह सामान बेचता है, लागत निकालता है और उसमें अपना थोड़ा लाभ जोड़कर घर चलाता है। अब यदि हर बड़े भुगतान पर उसकी कमाई में से पैसा काटा जाएगा तो वह उसे हमेशा अपनी जेब से क्यों भरेगा?

मान लीजिए आपने दस हजार रुपये का सामान खरीदा। दुकानदार को चालिस रुपये का भार पड़ा। आपसे अलग से चालिस रुपये नहीं मांगे जाएंगे। ऐसे में आपकी जेब से चालिस रुपये नहीं कटे। लेकिन दुकानदार ने जो चालिस रुपये दिए, वह उसकी लागत में जुड़ गए। अब वह अपनी दुकान के दूसरे खर्चों के साथ इस रकम को भी जोड़ेगा। फिर क्या होगा? वह किसी न किसी दिन किसी सामान की कीमत में इसे समायोजित करेगा।

यही तो बाजार की सीधी-सी समझ है। व्यापारी कोई घाटे में कारोबार करने के लिए नहीं बैठा है। उसने धर्मखाता नहीं खोल रखा। सरकार कह रही है कि ग्राहक से पैसा नहीं लिया जाएगा। ठीक है। लेकिन चालबाजी यह है कि ग्राहक से सीधे न लेकर उसकी जेब का पैसा दूसरे रास्ते से निकाल लिया जाए। आज दस हजार का सामान दस हजार में मिलता है। कल उसकी कीमत दस हजार चालिस रुपये हो गई तो ग्राहक क्या करेगा? उसे वही बढ़ी हुई कीमत देनी होगी। दुकान वाला अलग से यह नहीं बताएगा कि इसमें इतने रुपये भुगतान की लागत के हैं। ग्राहक सामान खरीदेगा और बढ़ी हुई कीमत चुका देगा। यानी पैसा कटेगा तो सही, बस पर्ची पर आपका नाम नहीं लिखा होगा, देना आपको ही होगा। यही बात समझने की है। भुगतान पर लिया जाने वाला पैसा व्यापारी से लिया जाए या ग्राहक से, अंततः व्यापारी की लागत का बोझ बाजार में घूमते-घूमते ग्राहक सिर पर ही पड़ता है। कोई व्यापारी अपना मुनाफ़ा कम नहीं करता। मुनाफा कम हुआ तो कीमत बढ़ेगी, कीमत बढ़ी तो ग्राहक की जेब ढीली होगी। हाँ, छोटे दुकानदारों के लिए अलग छूट की व्यवस्था बताई गई है। दो हजार रुपये तक के भुगतान पर भी कोई भार नहीं बताया गया है। छोटे दुकानदारों की एक अलग श्रेणी को भी राहत दी गई है। लेकिन बाजार में बड़ी खरीदारी करने वाले ग्राहक के लिए सवाल बना रहेगा। छोटा दुकानदार भी बड़े दुकानदार का खरीददार है, वह सामान खरीदकर लाएगा और यूपीआई पेमेंट के लिए अतिरिक्त उसकी भी जेब से कटेगा। आखिर मुल्य वृद्धि तो होनी ही है।

इसलिए यह कहना कि 'ग्राहक से पैसा नहीं लिया जाएगा' आधी सच्चाई है। ग्राहक के खाते से भुगतान के समय पैसा भले न काटा जाए, लेकिन वस्तु की कीमत में बढ़ी हुई लागत उसे चुकानी पड़ सकती है। आखिर व्यापारी भी उसी समाज का आदमी है। उसके खर्च हैं, परिवार है, दुकान है। उसकी लागत बढ़ेगी तो उसका असर बाजार पर आएगा ही।

मैंने एक मोटा मोटा हिसाब लगाया कि 50000 हजार कमाने वाला। राशन, पैट्रोल, कपड़े लत्ते, फ़ीस, बिजली बिल, मोबाईल रिचार्ज, रेस्टोरेंट आदि सभी खर्चों पर महीने में लगभग 3 हजार से साढे चार हजार तक अप्रत्यक्ष टैक्स भरता है।

बोध कथा

सफलता का श्रेय

सफलता का श्रेय किसे इस प्रश्न पर एक दिन विवाद उठ खड़ा हुआ। 'संकल्प' ने अपने को,'बल' ने अपने को और 'बुद्धि' ने अपने को अधिक महत्त्वपूर्ण बताया। तीनों अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे। अंत में तय हुआ कि 'विवेक' को पंच बना इस झगड़े का फैसला कराया जाए।तीनों को साथ लेकर विवेक चल पड़ा। उसने एक हाथ में लोहे की टेढ़ी कील ली और दूसरे में हथौड़ा। चलते-चलते वे लोग ऐसे स्थान पर पहुँचे जहाँ एक सुंदर बालक खेल रहा था। विवेक ने बालक से कहा-बेटा इस टेढ़ी कील को अगर तुम हथौड़ा से ठोक कर सीधी कर दो तो मैं तुमको भरपेट मिठाई और खिलौने से भरी एक पिटारी भी दूँ।'' बालक की आँखें चमक उठीं। वह बड़ी आशा और उत्साह से प्रयत्न करने लगा। पर कील को सीधा कर सकना दूर उससे हथौड़ा उठा तक नहीं। भारी औजार उठाने के लायक उसके हाथों में बल नहीं था।

बहुत प्रयत्न करने पर सफलता न मिली तो बालक खिन्न होकर चला गया। इससे उन लोगों ने निष्कर्ष निकाला कि सफलता प्राप्त करने को अकेला 'संकल्प' अपर्याप्त है।चारों आगे बढ़े तो थोड़ी दूर जाने पर एक श्रमिक दिखाई दिया। वह खर्राटे लेता हुआ सो रहा था। विवेक ने उसे झकझोर कर जगाया और कहा- इस कील को हथौड़ी मारकर सीधा कर दो मैं तुम्हें दस रुपया दूँगा।'' उनींदी आँखों से श्रमिक ने कुछ प्रयत्न भी किया,पर वह नींद की खुमारी में बना रहा। उसने हथौड़ा एक ओर रख दिया और वहीं लेट फिर खर्राटे भरने लगा। निष्कर्ष निकला कि अकेला 'बल' भी काफी नहीं है। सामर्थ्य रखते हुए भी संकल्प न होने से श्रमिक जब कील को सीधा न कर सका तो इसके सिवाय और क्या कहा जा सकता था। विवेक ने कहा कि हमें लौट चलना चाहिए,क्योंकि जिस बात को हम जानना चाहते थे वह मालूम पड़ गई। संकल्प,बल और बुद्धि का सम्मिलित रूप ही सफलता का श्रेय प्राप्त कर सकता है।

कविता

नया भारत बनाएँ

शशि दुबे

आओ हम एक नया लाल
सूरज उगाएँ.
श्रम के पसीने से सजा नया
भारत बनाएँ.

मेहनत जहाँ पर बिकी न हो
छल, कपट पर टिकी न हो
एक समान अवसर सबको दिलवाएँ.

नौजवानों की ताकत देश की ताकत बने
हकदार को वाजिब उसका हक मिले
ईमान के फूलों की बगिया सजाएँ.

एक के नहीं सबके भविष्य का ख्याल हो
सबका हिस्सा हो बराबर न बंदरबांट हो
सबके अरमानों को पँख लगाएँ.

भरोसा युवाओं का कभी न टूटने पाये
अंदर ही अंदर न देश फूटने पाये
युवा शक्ति कोअपनी ताकत बनाएँ.

न ऊंच-नीच हो न भेदभाव हो कोई
दूजे की रोटी छीन पाये नहीं कोई
जात धर्म से उठ नया इंसान बनाएँ.

मजबूर होकर करे न ख़ुदकुशी कोई
अन्याय के हाथों बिक न जाये खुशी
कोई
अपराधी नहीं छुटे कानून ऐसा बनाएँ.

सुख हो,शांति हो,प्रेम हो, ईमानदारी हो
दूसरों का दर्द समझे वो समझदारी हो
मिल-जुल सभी प्रगति में हाथ बटाएँ.

व्यंग्य केसरी

बूढ़े होने की निशानी— भूलों का उत्सव

अशोक मतवाला

सुबह की सैर पर निकला तो देखा — एक पैर में खुला जूता, दूसरे में बंद!

न कोई झिझक, न कोई शर्म।

गली में कोई मोची नहीं जो आते-जाते सबके जूते देखे, और जूते भी इतने समझदार कि उन्होंने कोई शिकायत नहीं की।अब पाँव तो तंदरुस्त हैं, पर न्यूरोलाजी की क्षमता कम हो चली है।

नंगे पाँव चलना मना है — कोई तेज चीज घुस जाए तो पता ही न चले। ठंडे फर्श पर चलने से लगता है जैसे गीले फर्श पर चल रहा हूँ। डॉक्टर मेरे नाखून काटता है ताकि मैं कुछ और न काट लूँ! दो दिन पहले उल्टी टी-शर्ट डालकर जिम चला गया था। शरीर ने खुद बताया — 'कुछ गड़बड़ है भाई!'

रेटिनोपैथी की वजह से आँखें धुंधली थीं, पर आत्म-सुधार की दृष्टि साफ थी।

बाथरूम में गया, टी-शर्ट सीधी की, और खुद पर हँस पड़ा।अब भूल-चूक का सिलसिला जारी है — अपना चश्मा ढूँढने के लिए अब दूसरा चश्मा चाहिए होता है!

कभी ऊँचा सुनने के कारण बीवी के आदेश का नया अर्थ निकल आता है:

जब से ऊँचा सुनना शुरू हुआ है!

घर में पत्नी से क्लेश कम हुआ है।

बीवी कहे — 'ब्रश करके नाश्ता कर लो!'

और मैं जवाब दूँ — 'अच्छा, आज बाजार से बैंगन जरूर लाऊँगा!'

कभी-कभी गलत सुनना ही सच्ची शांति का रास्ता होता है। उम्र बढ़ने के साथ भूलें बढ़ती हैं, पर मज़ा भी बढ़ता है।

अब हर गलती एक कहानी बन जाती है —

हर भूल में एक हँसी छिपी होती है।

कभी जूते उलटे, कभी टी-शर्ट उलटी, कभी बात उलटी — पर दिल सीधा रहता है। बूढ़ा होना कोई बीमारी नहीं, यह तो जीवन का सबसे ईमानदार रूप है।

जहाँ दिखावा खत्म, और सच्चाई खुलकर हँसती है। अब याददाश्त कमजोर है, पर अनुभव मजबूत। अब सुनने की शक्ति कम है, पर समझने की क्षमता ज़्यादा। अब आँखें धुंधली हैं, पर दृष्टि साफ। जीवन की इन छोटी-छोटी भूलों में ही असली मिठास है —

थोड़ी भूल, थोड़ी हँसी, और बहुत सारा अपनापन, क्योंकि जब हम खुद पर हँसना सीख लेते हैं, तब उम्र नहीं बढ़ती — जीवन बढ़ता है।

अमेरिका

इतिहास

18 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है, जिनमें उरी आतंकी हमला और प्रमुख हस्तियों का जन्म शामिल है। अधिक जानकारी के लिए आप YourStory हिंदी पर आज के दिन की मुख्य घटनाएँ देख सकते हैं।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ1615: ब्रिटिश सम्राट जेम्स प्रथम के राजदूत के रूप में सर टॉमस रो मुगल बादशाह जहांगीर से मिलने सूरत पहुँचे।

1810: चिली ने स्पेन से खुद को स्वतंत्र घोषित किया।

1812: रूस की राजधानी मॉस्को में लगी भीषण आग से शहर का बड़ा हिस्सा तबाह हुआ।

1947: अमेरिका में वायु सेना की एक अलग शाखा के रूप में स्थापना हुई।

2016: जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में सेना के स्थानीय मुख्यालय पर बड़ा आतंकवादी हमला हुआ।

दो दिन तक पानी के लिए तरसे सौ घर; पंप खराब नहीं, केबल जली थी

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। वार्ड 61 के कालीबाड़ी क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। पंप खराब होने की शिकायत के बाद समय पर तकनीकी जांच नहीं होने से करीब 100 घरों को दो दिन तक पानी की समस्या से जूझना पड़ा। हालात संभालने के लिए पार्षद को टैंकर के जरिए प्रभावित परिवारों तक पानी पहुंचाना पड़ा। दो दिन बाद पंप की जांच हुई तो सामने आया कि पंप खराब नहीं था, बल्कि उसकी केबल जली हुई थी। केबल बदलने के करीब एक घंटे के भीतर पानी की सप्लाई बहाल कर दी गई।

शिकायत के बाद तत्काल जांच होती तो टल सकती थी परेशानी, टैंकर से करनी पड़ी पानी की व्यवस्था

कालीबाड़ी क्षेत्र में पंप से पानी की सप्लाई बंद होने पर रहवासियों ने नगर निगम को इसकी सूचना दी थी। शिकायत में पंप खराब होने की आशंका जताई गई थी। इसके बावजूद तत्काल तकनीकी जांच नहीं होने के कारण समस्या का समाधान नहीं हो सका। लगातार दो दिन तक करीब 100 घरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रही। लोगों की दैनिक जरूरत पूरी करने के लिए टैंकर से पानी उपलब्ध कराना पड़ा।दो दिन बाद निगम की तकनीकी टीम ने पंप खोलकर जांच की तो पता चला कि मोटर पंप में खराबी नहीं थी। पंप की केबल जल जाने के कारण सप्लाई बंद हुई थी। निगम कर्मचारियों ने जली हुई केबल को बदलने का काम किया और लगभग एक घंटे में पानी की सप्लाई सामान्य हो गई। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि यदि शिकायत मिलते ही मौके पर तकनीकी जांच कर ली जाती और केबल की खराबी समय रहते पकड़ में आ जाती, तो करीब 100 परिवारों को दो दिन तक पानी की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

दो दिन टैंकर के भरोसे रहे रहवासी

जोन-8 के अध्यक्ष राजेश दुसेजा ने बताया कि पंप जलने की आशंका के चलते निगम में शिकायत की गई थी। बाद में पंप खोलकर जांच की गई तो उसमें खराबी नहीं मिली, बल्कि केबल जली हुई थी। केबल बदलने के बाद पानी की सप्लाई बहाल कर दी गई। उन्होंने बताया कि समस्या के दौरान दो दिनों तक प्रभावित क्षेत्र में टैंकर से पानी पहुंचाया गया।

10 लाख खर्च, फिर भी बैकअप पंप नहीं

गर्मियों के दौरान जोन-8 में मोटर पंप, पाइपलाइन और नल-जल व्यवस्था से जुड़े स्पेयर पार्ट्स के लिए नगर निगम की ओर से करीब 10 लाख रुपए उपलब्ध कराए गए थे। निगम के अनुसार यह राशि खर्च हो चुकी है। इसके बावजूद जोन में अतिरिक्त स्पेयर पंप उपलब्ध नहीं होने से किसी पंप में खराबी आने पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करना मुश्किल हो जाता है। इंजीनियरों के अनुसार जोन क्षेत्र में लगे कई पंप पुराने हो चुके हैं और उन्हें बदलने की जरूरत है। ऐसे में सवाल यह है कि जब पेयजल जैसी आवश्यक सेवा के लिए बड़ी राशि खर्च की जा चुकी है, तो आपात स्थिति से निपटने के लिए बैकअप पंप और जरूरी स्पेयर उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं की गई? कालीबाड़ी की घटना ने निगम की शिकायत निवारण व्यवस्था, तकनीकी जांच में देरी और पेयजल व्यवस्था के बैकअप इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाली के गरुड़ विष्णु कंचना की तर्ज पर सजा 80 फीट ऊंचा गणेश पंडाल

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सिद्धिविनायक समिति चांपा द्वारा परशुराम चौक में इस वर्ष भव्य गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति ने इंडोनेशिया के बाली द्वीप स्थित प्रसिद्ध गरुड़ विष्णु कंचना स्मारक की तर्ज पर करीब 80 फीट ऊंचा आकर्षक पंडाल तैयार कराया है। पंडाल के मध्य 20 फीट ऊंची भगवान श्री गणेश की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है।

भगवान गणेश की विशेष प्रतिमा का निर्माण कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा किया गया है। प्रतिमा के साथ पंडाल की भव्य सजावट श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। पंडाल में बाली शैली की नक्काशी, गरुड़ आकृति, पारंपरिक इंडोनेशियाई डिजाइन, रंग-बिरंगी एलईडी लाइटें, फूलों की सजावट और आकर्षक तोरण लगाए गए हैं।

लेजर लाइट शो और भव्य सजावट ने बढ़ाई रौनक

पंडाल की विशेष सजावट में लेजर लाइटों का भी प्रयोग किया गया है। अलग-अलग आकर्षक डिजाइन और रोशनी से सजा पंडाल शाम होते ही मनमोहक नजर आता है। भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के दर्शन एवं भव्य पंडाल को देखने के लिए शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पंडाल में प्रतिदिन सुबह-शाम विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती, भजन और कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु परिवार सहित पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं और उत्सव का आनंद उठा रहे हैं।

मेले में बच्चों से लेकर बड़ों तक उत्साह

गणेश पंडाल परिसर के आसपास प्रतिदिन शाम को मेले का माहौल भी देखने को मिल रहा है। विभिन्न प्रकार की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बच्चों में खिलौनों और आकर्षक वस्तुओं की खरीदारी को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा वाहन पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में भव्य दीपोत्सव

शारदा चौक में 1 लाख 51 हजार दीपों का प्रज्ज्वलन

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सेवा, श्रद्धा और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। जगन्नाथ मंदिर, गायत्री नगर से 501 दीपों के प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ प्रकाश पर्व शारदा चौक पहुंचकर 1 लाख 51 हजार दीपों की अद्भुत रोशनी में परिवर्तित हो गया। हजारों दीपों की लौ से पूरा शारदा चौक आलोकित हो उठा और राजधानी रायपुर में भक्ति, सेवा एवं राष्ट्रभावना का मनमोहक दृश्य देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा स्थल के आसपास स्वच्छता अभियान से हुई। स्वच्छता एवं सेवा के संकल्प के पश्चात रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा जी के नेतृत्व में शारदा चौक में विशाल दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय विष्णुदेव साय की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं विधायक पुरन्दर मिश्रा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दीप प्रज्वलित कर प्रकाश पर्व का शुभारंभ किया। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर केक काटकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

शारदा चौक में एक साथ प्रज्वलित 1 लाख 51 हजार दीपकों ने पूरे क्षेत्र को रोशनी से नहला दिया। दीपों की कतारों और उनकी जगमगाती लौ ने वातावरण को आध्यात्मिक एवं उत्सवी आभा से भर दिया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी के बीच पूरा शारदा चौक उत्साह एवं उल्लास से सराबोर नजर आया। विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। 501 दीपों से प्रारंभ होकर 1 लाख 51 हजार दीपों तक पहुंचा यह दीपोत्सव केवल प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि समाज में आशा, सकारात्मकता, सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का संदेश है।

शिवरीनारायण की बदहाल सड़कों को लेकर व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शिवरीनारायण नगर की बदहाल सड़कों और जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों को लेकर नगरवासियों एवं व्यापारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों एवं अन्य प्रमुख सड़कों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। सड़क से उड़ने वाली धूल से दुकानदारों एवं राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़कों की समस्या को लेकर नगर के व्यवसायियों ने 15 सितंबर को कैफेटेरिया में सार्वजनिक बैठक आयोजित की थी। बैठक में बड़ी संख्या में नगरवासी एवं व्यापारी शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि सड़क की समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही उचित कार्रवाई एवं ठोस आश्वासन नहीं मिलने पर नगर बंद कर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

190 व्यापारियों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 16 सितंबर को नगरवासियों एवं व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से मुलाकात कर लगभग 190 व्यापारियों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने नगर की सड़कों की बदहाल स्थिति, जगह-जगह बने गड्ढों तथा धूल की समस्या से प्रशासन को अवगत कराया। उन्होंने सड़कों का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से कहा कि सड़क की समस्या के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में समस्या का शीघ्र स्थायी समाधान किया जाना आवश्यक है।

25 सितंबर को नगर बंद की चेतावनी

ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया गया कि यदि सड़क समस्या के निराकरण के लिए उचित कार्रवाई और ठोस आश्वासन नहीं मिलता है, तो 25 सितंबर 2026 को शिवरीनारायण नगर बंद कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर अनुराग केशरवानी, नितेश केशरवानी, पंकज अग्रवाल, कुणाल शर्मा, रुपेश केशरवानी, पार्थ केशरवानी, मोनू केशरवानी, संजय यादव, रितेश केशरवानी, विनोद मोदी, बबलू सोनी सहित बड़ी संख्या में नगरवासी एवं व्यापारी उपस्थित रहे। नगरवासियों एवं व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि आम जनता की परेशानी को देखते हुए सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि नगर में आवागमन सुचारु हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

आकांक्षा साहू का एमबीबीएस में चयन

विश्व केसरी■

पामगढ़। पामगढ़ के ग्राम रसौटा की होनहार छात्रा आकांक्षा साहू का चयन छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस (सिम्स) बिलासपुर में एम बी बी एस पाठ्य क्रम के लिए हुआ हैं। आकांक्षा साहू शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। और पढ़ाई के प्रति उनकी लगन ने उन्हें प्रथम प्रयास में ही चिकित्सा के क्षेत्र में प्रवेश दिलाया।

आकांक्षा साहू के पिता ओमनाथ साहू, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बारगांव में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। माता संतोषी साहू गृहिणी हैं। आकांक्षा साहू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, गुरुजनों के मार्गदर्शन, कठिन परिश्रम और अनुशासन को दिया। एम बी बी एस में चयन के बाद आकांक्षा साहू ने डाक्टर बनकर समाज और जरूरत मंद लोगों की सेवा करने का निश्चय लिया।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर गुढ़ियारी में भव्य आयोजन, बसंत अग्रवाल बोले- सेवा और जनभागीदारी से बनेगा सशक्त समाज

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन एवं सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर को रायपुर के गुढ़ियारी स्थित शीतला माता मंदिर के पास 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके साथ ही बसंत अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को जन्मदिन की बधाई देते हुए स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। भाजपा नेता बसंत अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों मिट्टी के दीये प्रज्वलित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान शीतला माता मंदिर के आसपास का क्षेत्र हजारों दीयों की रोशनी से जगमगा उठा। आयोजन के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने दीये प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सेवा एवं सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता की। भाजपा नेता बसंत अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में सेवा और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुढ़ियारी में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में दीपक प्रकाश और सकारात्मकता का प्रतीक है। हजारों दीयों का प्रज्वलन सेवा, समर्पण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक देश और समाज की सेवा को प्राथमिकता दी है। उनके जन्मदिन के अवसर पर हम सभी को भी समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने का संकल्प लेना चाहिए।

गौरा चौरा गणेश उत्सव समिति हसौद द्वारा विधि-विधान से की गजानंद की भव्य प्रतिमा स्थापित

विश्व केसरी■

हसौद (ईश्वर लोधी)। हसौद। नगर में गणेशोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है। गौरा चौरा गणेश उत्सव समिति हसौद द्वारा विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की भव्य प्रतिमा विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ विराजमान की गई। प्रतिमा स्थापना के दौरान समिति के सदस्यों सहित शारदा चौक के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। गणेश प्रतिमा विराजमान होने के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। आयोजन को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है तथा आगामी दिनों में गणेशोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारी है।

आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष शिवम जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, सचिव ओपेन्द्र साहू सहित छोटू केवट, वीरेंद्र चौहान, अजय साहू, अमन साहू, शंकर साहू, पूरन साहू, अशोक साहू, शिव साहू, लीलाधर साहू, यादराम साहू, चिकन यादव, मिथिलेश राय, नीलांबर साहू एवं शारदा चौक के समस्त नागरिकों का सहयोग रहा।

बीरगांव में उमड़ा जनसैलाब: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने फूंका चुनावी शंखनाद

76 श्रमवीरों और समाजसेवियों का किया ऐतिहासिक सम्मानआगामी नगर निगम चुनाव से पहले भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

विश्व केसरी■

रायपुर/बीरगांव (संवाददाता)। आगामी दिसंबर में होने वाले बीरगांव नगर निगम चुनाव से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मां बंजारी मंडल बीरगांव के तत्वावधान में आज बुधवारी बाजार प्रांगण में एक ऐसा ऐतिहासिक जनसैलाब उमड़ा जिसने क्षेत्र की राजनीतिक दिशा तय कर दी है।

भगवान विश्वकर्मा जयंती और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित विशाल किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बीरगांव पहुंचने पर हजारों की संख्या में उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों, मेहनतकश किसानों, श्रमवीरों और ऊर्जावान भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का अभूतपूर्व और गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मां परमेश्वरी मंदिर परिसर पहुंचकर माता के दर्शन किए और बीरगांव की जनता की खुशहाली व समृद्धि का आशीर्वाद लिया।

पीएम मोदी के संकल्पों को घर-घर पहुंचा रही है साय सरकार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस को विकास उत्सव के रूप में मनाते हुए मुख्यमंत्री और स्थानीय वरिष्ठ नेताओं ने 76 दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर बीरगांव की जनता का उत्साह और एकजुटता साफ तौर पर आगामी नगर निगम चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का संकेत दे रही थी। मुख्य अतिथियों के आगमन से पूर्व, छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध कलाकार आरू साहू, कविता वासनिक, चम्पा निषाद, डॉ. लीलाधर साहू, हिमानी वासनिक और सुनील सिहोरे की सुपरस्टार मंडलियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरे बीरगांव को छत्तीसगढ़ी रंग और राष्ट्रवाद के जोश से सराबोर कर दिया।जन-जन का सम्मान, बीरगांव के विकास का संकल्प:चुनाव के मद्देनजर इस भव्य मंच से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीरगांव क्षेत्र के 76 विशिष्ट समाजसेवियों, प्रगतिशील अन्नदाताओं और हर वर्ग के श्रमवीरों को 'सम्मान पत्र' सौंपकर उनका गौरव बढ़ाया। सम्मान पाने वालों में औद्योगिक क्षेत्र के बीच आज भी जैविक खेती को जीवित रखने वाले किसान, दिन-रात पसीना बहाने वाले मजदूर, प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा की देखभाल करने वालीं पारंपरिक 'दाई', क्षेत्र के प्रसिद्ध मूर्तिकार, मड़ई मेला के आयोजक और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को जीवित रखने वाले कुम्हार शामिल रहे। इसके साथ ही क्षेत्र के स्वास्थ्य और शिक्षा स्तर को सुधारने में जुटे डॉक्टर, नर्स, मितानिनें, आशा दीदियां, शिक्षक-शिक्षिकाएं, सफाई कर्मचारी, गौ-सेवक और सामाजिक संस्कारों को संपन्न कराने वाले नाई समाज के विशिष्ट जनों को भी सम्मानित किया गया।

खेल प्रतिभाओं को अवसर देने वाले कबड्डी, क्रिकेट, खो-खो, फुगड़ी के आयोजक, सुआ नाच की बाल कलाकृतियों समेत उत्कृष्ट झांकी सजाने वाली श्रीगणेश एवं मां दुर्गा स्थापना समितियों को भी मुख्यमंत्री के कर-कमलों से मंच पर उचित सम्मान मिला।

दिग्गज नेताओं की उपस्थिति और कार्यकर्ताओं की एकजुटता: इस विशाल जनसभा में छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग मंत्री लखन देवांगन, कैबिनेट मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, क्षेत्रीय विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर, बुनकर संघ के अध्यक्ष भोजराज देवांगन, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर, नंदे साहू, रामप्रताप सिंह, भाजपा प्रदेश मंत्री अमित साहू और भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नए चुनाव के लिए भारी जोश भर दिया।चुनावी रण के लिए बीरगांव भाजपा टीम पूरी तरह तैयार:इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के सफल आयोजन ने यह साबित कर दिया है कि बीरगांव नगर निगम के आगामी चुनाव के लिए भाजपा की पूरी टीम जमीनी स्तर पर पूरी तरह मजबूत और एकजुट है।

मुख्य आयोजक व किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. ओमप्रकाश देवांगन, जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद वेदराम साहू, मंडल अध्यक्ष भागीरथी यादव, नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष योगेश साहू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष भीखम देवांगन, युवा मोर्चा अध्यक्ष नागेश साहू, महामंत्री डेविड साहू तथा डोमेश देवांगन के नेतृत्व में इस आयोजन ने विरोधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। क्षेत्र के सक्रिय पार्षदों एवं प्रमुख पदाधिकारियों में पतिराम साहू (पार्क), शकुन साहू, अश्वनी चंद्र, धनेश जोगी, राजेश रिछारिया, पवन तिवारी, नानक चंद साहू, भागवत साहू, संजू वर्मा, राधिका साहू, शीतला साहू, डॉ. वेद प्रकाश देवांगन, लक्ष्मी नारायण देवांगन, विवेक टंडन, भूपेन साहू, ध्रुव राजपूत, उमेश धीवर, ओमप्रकाश साहू (शहीद नगर), जितेंद्र यादव, विकास दुबे, विपिन चौबे, फुल मनी सोनवानी, सुनीता वर्मा, कविता वर्मा, हेमलता देवांगन, विजय सरकार, अश्वनी जंघेल, तारकेश्वर साहू, खिलावन बंजारे, पंचू बंजारे, नोहर घृतलहरे, पंचवटी साहू, लोकनाथ साहू, जीवन साहू, धन्नू साहू, शेखू साहू, आकाश साहू, मोनू मानिकपुरी (अध्यक्ष), जय देवांगन, नवीन जैन, भूपेंद्र गायकवाड़, रोशन ध्रुव, कैलाश उईके, नन्हू दीवान, जीवधान देवांगन, दीपू यादव, बुगलू धीवर, मिलन घृतलहरे, प्रियतम देवांगन, राम कुमार देवांगन, डॉ. ज्वाला प्रसाद, भारतीय यादव, राजू साहू (कलाकार), रामपाल साहू एवं पीतांबर साहू (बीरगांव) सहित हजारों की संख्या में उपस्थित मतदाताओं ने हाथ उठाकर आने वाले समय में कमल खिलाने और बीरगांव में विकास की नई सरकार बनाने का संकल्प लिया।

शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद, सेंसेक्स 22 अंक टूटा

विश्व केसरी

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के परिणामों का आकलन करने के कारण भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के सत्र में मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स सपाट बंद हुआ, जबकि निफ्टी में मामूली बढ़त दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स 21.86 अंक यानी 0.03 प्रतिशत गिरकर 74,314.59 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी50 53 अंक यानी 0.23 प्रतिशत बढ़कर 23,270.60 पर पहुंच गया।

कारोबारी सत्र के दौरान, 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,336.45 से 153.83 अंक यानी 0.20 प्रतिशत गिरकर 74,182.62 पर खुला, लेकिन एक समय यह 341.11 अंकों यानी 0.45 प्रतिशत की उछाल के साथ 74,677.56 दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो दिन के निम्नतम स्तर 74,163.95 से 513.61 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,217.60 से 22.34 अंक गिरकर 23,195.25 पर खुला, और सत्र में एक समय इसने 145.95 अंकों यानी 0.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,363.55 का इंट्रा-डे हाई बनाया, जबकि 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,193.65 का लो बनाया।

इस दौरान, व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में क्रमशः 0.92 प्रतिशत और 0.76 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी बैंक, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.05 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। इसके साथ ही टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), एसबीआई लाइफ, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज, बीईएल, इंडिगो और टाटा स्टील के शेयर टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे। जबकि इसके विपरीत ओएनजीसी, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, कोल इंडिया और नेस्ले इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

केंद्र ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स घटाया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर शुल्क की समीक्षा के तहत पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स और निर्यात शुल्क में कटौती की है।

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क घटाकर 0.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। इसमें 0.5 रुपए प्रति लीटर की स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) शामिल है, जबकि रेवेन्यू इंटीग्रेशन चार्ज (आरआईसी) शून्य पर बना हुआ है।

डीजल के लिए शुल्क घटाकर 20 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। इसमें 20 रुपए प्रति लीटर का एसएईडी शामिल है और आरआईसी नहीं है। इसके अलावा, एटीएफ के निर्यात पर शुल्क एसएईडी के माध्यम से घटाकर 15 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि घरेलू खपत के लिए जारी किए जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा एक्साइज ड्यूटी दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क की समीक्षा हर पखवाड़े करती है। यह समीक्षा वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और रिफाइनरी मार्जिन में होने वाले बदलावों के आधार पर की जाती है। यह ताजा संशोधन पिछले कुछ महीनों में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में किए गए कई बदलावों के बाद आया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव देखने को मिला है। 1 सितंबर से प्रभावी पिछली समीक्षा में सरकार ने डीजल पर निर्यात शुल्क 3 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 1 रुपए प्रति लीटर कर दिया था और डीजल निर्यात पर विंडफॉल टैक्स 24 रुपए से घटाकर 19 रुपये प्रति लीटर कर दिया था। अगस्त में सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क 2.5 रुपए से बढ़ाकर 3.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया था। डीजल पर कुल शुल्क को 15.5 रुपए से बढ़ाकर 25.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया था, जबकि एटीएफ के निर्यात पर शुल्क को 14.5 रुपए से बढ़ाकर 22 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया था।

कोयला मंत्रालय की यूपी को सलाह, बिजली संकट से बचने के लिए जल्द विकसित करें कैप्टिव कोयला ब्लॉक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश को सलाह दी कि वह अपने थर्मल पावर प्लांट के लिए लंबे समय तक ईंधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कोयले के बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए अपने कैप्टिव कोयला ब्लॉक के जल्द विकास को प्राथमिकता दे।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हाल की मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि कोयला आपूर्ति में रुकावट के कारण उत्तर प्रदेश राज्य को बिजली की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

बयान में आगे कहा गया, 'कोयला मंत्रालय वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करने और राज्य को अपने कैप्टिव कोयला ब्लॉक के विकास में तेजी लाने की सलाह दोहराने के लिए निम्नलिखित तथ्य सामने रख रहा है, जबकि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) राज्य की कोयले की जरूरत को पूरी तरह से पूरा कर रहा है।'

कोयला मंत्रालय ने कहा कि 15 सितंबर तक उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) का कोई भी थर्मल पावर प्लांट 'क्रिटिकल-स्टॉक' (कोयले की भारी कमी) श्रेणी में नहीं है। इसलिए मौजूदा स्टॉक की स्थिति से प्लांट के स्तर पर कोयले की उपलब्धता में किसी गंभीर कमी का संकेत नहीं मिलता है।' मंत्रालय के अनुसार, झारखंड के दुमका जिले में स्थित सहारपुर जमरपानी कोयला ब्लॉक, जिसमें 973 मिलियन टन से ज्यादा का भंडार है, को कोयला मंत्रालय ने 2015 में 'कोयला खदान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015' के तहत यूपीआरवीयूएनएल को आवंटित किया था। इसका मकसद खास तौर पर इसके थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स के लिए कोयले की जरूरत को पूरा करना था।

आवंटन के 10 साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी यूपीआरवीयूएनएल की ओर से जरूरी पहल न किए जाने के कारण इस ब्लॉक को चालू करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। मंत्रालय ने आगे कहा कि नतीजतन, उत्तर प्रदेश के पावर प्लांट की कोयले की पूरी जरूरत अभी भी सीआईएल द्वारा ही पूरी की जा रही है।

इस बीच, सहारपुर जमरपानी के आवंटन की तारीख या उसके बाद बिजली क्षेत्र में कैप्टिव इस्तेमाल के लिए आवंटित 14 अन्य कोयला ब्लॉक पहले ही चालू हो चुके हैं और उन्होंने अपने संबंधित प्लांट के लिए कोयले का उत्पादन शुरू कर दिया है। यूपीआरवीयूएनएल के थर्मल पावर प्लांट में कोयले के स्टॉक की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। 1 सितंबर को स्टॉक 7.25 लाख टन (एलटी) था और 15 सितंबर तक यह बढ़कर 8.41 एलटी हो गया। पिछले सात दिनों में, रोजाना औसतन लगभग 0.90 एलटी कोयला मिलने की मात्रा, रोजाना औसतन लगभग 0.83 एलटी की खपत से ज्यादा रही है, जिससे पता चलता है कि स्टॉक लगातार बढ़ रहा है।

टाटा मोटर्स का बड़ा ऐलान, 1 अक्टूबर से कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की करेगी बढ़ोतरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने गुरुवार को कहा कि वह 1 अक्टूबर 2026 से अपने पूरे कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कहा कि कीमतों में यह संशोधन मॉडल और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगा। बढ़ती कमोडिटी कीमतों और अन्य इनपुट लागतों के प्रभाव को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

इस वर्ष कमर्शियल वाहन श्रेणी में टाटा मोटर्स द्वारा की जा रही यह दूसरी मूल्य वृद्धि है। इससे पहले कंपनी ने 1 अप्रैल 2026 से कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। उस समय भी कंपनी ने बढ़ती कमोडिटी और इनपुट लागतों को इसका कारण बताया था।

ताजा फैसला टाटा मोटर्स के विभिन्न कारोबारों में कीमतों में हो रही बढ़ोतरी की व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने भी 1 जुलाई से अपने यात्री वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। इसमें आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले मॉडल और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों शामिल थे।

यह पैसेंजर वाहन कारोबार में वर्ष 2026 की दूसरी मूल्य वृद्धि थी। इससे पहले 1 अप्रैल से कंपनी ने अपने आईसीई पोर्टफोलियो की कीमतों में 0.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी।

अप्रैल में किए गए संशोधन के तहत कुछ वेरिएंट्स की कीमतों में 1.09 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई थी, जबकि टाटा अल्ट्रोज के कुछ वेरिएंट्स की कीमतों में मामूली कमी की गई थी। पूरे ऑटोमोबाइल उद्योग में वाहन निर्माता बढ़ती कमोडिटी कीमतों, लॉजिस्टिक्स खर्च, सप्लाई चेन लागत और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण कीमतों में बदलाव कर रहे हैं। मारुति सुजुकी ने जून 2026 से अपने वाहनों की कीमतों में 30,000 रुपए तक की बढ़ोतरी की थी, जबकि ह्युंडई मोटर इंडिया ने 1 जून से कीमतों में 12,800 रुपए तक की बढ़ोतरी की थी।

इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, बीएमडब्ल्यू इंडिया, मर्सिडीज-बेंज इंडिया, ऑडी इंडिया और होंडा कार्स इंडिया जैसी कंपनियों ने भी इसी अवधि के आसपास वाहन कीमतों में वृद्धि की घोषणा की थी।

180 अरब डॉलर के टाटा समूह का हिस्सा टाटा मोटर्स भारत की प्रमुख कमर्शियल और पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनियों में शामिल है। कंपनी का परिचालन भारत और दक्षिण कोरिया में है तथा अफ्रीका, मध्य पूर्व, लैटिन अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और सार्क देशों के बाजारों में भी उसकी मौजूदगी है।

भारत तेजी से बन रहा वैश्विक सेमीकंडक्टर हब वैश्विक कंपनियों का बढ़ा भरोसा: इंडस्ट्री लीडर्स

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के दौरान उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और वैश्विक तकनीकी कंपनियों के अधिकारियों ने भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे दुनिया की बड़ी कंपनियों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

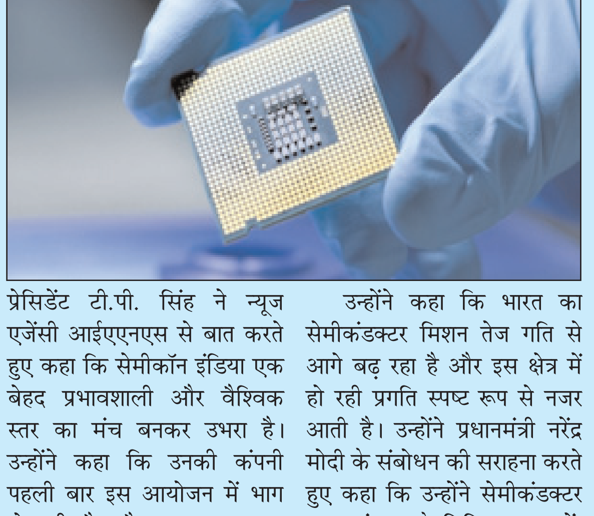

इस दौरान, एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संदीप कुमार ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन स्पष्ट और भविष्य की दिशा बताने वाला था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिस तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर्स, ऊर्जा और तकनीकी विकास को एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ जोड़ा, वह उनकी दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जटिल तकनीकी विषयों को सरल और स्पष्ट तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता रखते हैं और उद्योग जगत को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, टेलीडाइन एफएलआईआर के में एशिया-पैसिफिक (एपैक) इंस्ट्रूमेंटेशन डिवीज के सेल्स वाइस प्रेसिडेंट टी.पी. सिंह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि सेमीकॉन इंडिया एक बेहद प्रभावशाली और वैश्विक स्तर का मंच बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी पहली बार इस आयोजन में भाग ले रही है और उनका अनुभव काफी सकारात्मक रहा है।

उन्होंने आईएएनएस से कहा, 'आज सेमीकंडक्टर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय है और यह देखकर खुशी होती है कि भारत इस क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिखाई दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आयोजन स्थल पर दुनिया की बड़ी सेमीकंडक्टर और तकनीकी कंपनियों की मजबूत मौजूदगी इस बात का संकेत है कि भारत वैश्विक उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है।

इस बीच, इन्फोसिस के वीपी और डिलीवरी हेड येग्नास्वामी येग्ना नारायणन ने आईएएनएस से कहा कि यह उनका दूसरा सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन है और पिछले आयोजन की तुलना में इस बार काफी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन तेज गति से आगे बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में हो रही प्रगति स्पष्ट रूप से नजर आती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला के विभिन्न पहलुओं, डिजाइन से लेकर टेप-आउट और अगली पीढ़ी की तकनीकों तक, जिस गहराई से चर्चा की, वह बेहद प्रेरणादायक थी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि भारत केवल वर्तमान अवसरों पर नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकी जरूरतों और नवाचारों पर भी समान रूप से ध्यान दे रहा है।

इसके अलावा, पार्क सिस्टम्स इंडिया के सेल्स डायरेक्टर श्रीनिवासन रविप्रसाद ने आईएएनएस से कहा कि पिछले 5 वर्षों में भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग तेजी से विकसित हुआ है। उन्होंने बताया कि वह 2023 से सेमीकॉन इंडिया में भाग ले रहे हैं और हर वर्ष भागीदारी तथा उद्योग की रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

टाटा संस के बोर्ड ने एन.चंद्रशेखरन के अगले 5 साल के कार्यकाल का समर्थन किया, लिस्टिंग को भी दी मंजूरी

विश्व केसरी

मुंबई। टाटा संस के बोर्ड ने गुरुवार को चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन के अगले पांच साल के कार्यकाल का समर्थन किया। साथ ही, कंपनी की लिस्टिंग को भी मंजूरी दे दी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के अगले पांच साल के कार्यकाल का विरोध किया, जबकि अन्य बोर्ड सदस्यों ने इसका समर्थन दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, 'सूत्रों से पता चला है कि नोएल टाटा, जिनके पास टाटा ट्रस्ट्स की ओर से बोर्ड में वीटो का अधिकार है, दोनों प्रस्तावों से सहमत नहीं थे और उन्होंने प्रस्तावों को रोकने के लिए अपने वीटो अधिकार का इस्तेमाल किया है।' यह फैसला रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा टाटा संस को लिस्टिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिए जाने के कुछ हफ्ते बाद आया है।

इसके अलावा, आरबीआई ने टाटा संस को 'अपर-लेयर नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी' के तौर पर वर्गीकृत किया था, जिसके तहत उसे 2022 में तीन साल के भीतर लिस्ट होना जरूरी था। बोर्ड के इस फैसले से कंपनी की लीडरशिप को लेकर महीनों से चली आ रही अनिश्चितता भी खत्म हो गई है।

चंद्रशेखरन फरवरी 2017 से टाटा संस की कमान संभाले हुए हैं और 2022 में दूसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया गया था, जो 20 फरवरी, 2027 को खत्म होने वाला है।

हालांकि टाटा ट्रस्ट्स ने 2025 में तीसरे कार्यकाल का समर्थन किया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में एयर इंडिया और टाटा डिजिटल जैसे व्यवसायों के प्रदर्शन और पूंजी आवंटन को लेकर नोएल टाटा की चिंताओं के कारण बातचीत रुक गई थी। इससे पहले अगस्त में, चंद्रशेखरन ने संकेत दिया था कि वह अगला कार्यकाल नहीं चाहते हैं और बोर्ड को अपने फैसले के बारे में बता दिया था। इससे पहले एक बयान में चंद्रशेखरन ने कहा है कि मैंने टाटा समूह में अपने पेशेवर जीवन के 40 साल पूरे कर लिए हैं।

यूपीआई एमडीआर को लेकर ब्रोकर्स की चिंताओं की जांच करेगा सेबी: चेयरमैन तुहिन कांत पांडे

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने गुरुवार को कहा कि नियामक नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) फ्रेमवर्क को लेकर स्टॉकब्रोकरों द्वारा उठाई गई चिंताओं की जांच करेगा।

नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2026 के इतर पत्रकारों से बातचीत में सेबी प्रमुख ने कहा कि इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए हैं और नियामक इन चिंताओं पर विचार करेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ब्रोकर्स और ब्रोकिंग कंपनियों ने यूपीआई पर लागू नए एमडीआर ढांचे से उद्योग पर पड़ने वाली अतिरिक्त लागत को लेकर चिंता जताई थी।

इससे पहले, बुधवार को जेरोधा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कामथ ने व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) यूपीआई भुगतान पर लागू नए ढांचे का समर्थन करते हुए कहा था कि यूपीआई के व्यापक स्तर पर अपनाए जाने के बाद यह कदम उठाया जाना आवश्यक हो गया था।

हालांकि, कामथ ने यह भी कहा था कि निवेश और ब्रोकिंग जैसे कुछ उपयोग मामलों में

प्रस्तावित एमडीआर संरचना व्यावहारिक नहीं लगती। उन्होंने कहा कि कई बार ग्राहक अपने ब्रोकिंग खाते में यूपीआई के जरिए धनराशि जमा करते हैं, लेकिन बाद में कोई ट्रेड नहीं करते। ऐसी स्थिति में ब्रोकर्स को शुल्क का बोझ उठाना पड़ सकता है, जबकि उन्हें कोई राजस्व प्राप्त नहीं होता।

उन्होंने सुझाव दिया था कि ब्रोकिंग से जुड़े यूपीआई भुगतानों के लिए कम ट्रांजैक्शन लिमिट पर विचार किया जाना चाहिए।

नितिन कामथ के अनुसार, ब्रोकर्स यह सुनिश्चित नहीं कर सकते कि यूपीआई के माध्यम से उनके खाते में भेजी गई राशि अंततः किसी ट्रेड में उपयोग होगी। चूंकि वे ग्राहकों को ट्रेड करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते, इसलिए यदि एमडीआर का शुल्क ग्राहकों पर नहीं डाला जा सकता तो ब्रोकर्स को बिना किसी आय के अतिरिक्त लागत उठानी पड़ सकती है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा था कि यदि 10,000 ग्राहक एक महीने में 2 लाख रुपए के 50-50 यूपीआई ट्रांसफर करें और बाद में कोई ट्रेड निष्पादित न करें, तो प्रस्तावित एमडीआर ढांचे के तहत किसी ब्रोकर पर लगभग 2 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आ सकता है।

इसके अलावा, कामथ ने त्रैमासिक निपटान (क्वाटर्ली सेटलमेंट - क्यूएस) नियमों का भी उल्लेख किया। सेबी के इस नियम के तहत ब्रोकर्स को ग्राहकों की अप्रयुक्त धनराशि हर महीने या तिमाही में वापस करनी होती है।

स्टोर करें और हफ्तों तक इस्तेमाल करें, जानें अदरक-लहसुन पेस्ट बनाने का सही तरीका

घर पर अदरक-लहसुन पेस्ट बनाने की जानिये आसान विधि, अदरक और लहसुन को धोकर छीलें, फिर नमक व तेल के साथ पीसें. इसे फ्रिज या फ्रीजर में स्टोर कर सकते हैं.

भारतीय रसोई में अदरक-लहसुन पेस्ट का इस्तेमाल लगभग हर सब्जी, दाल, ग्रेवी और नॉनवेज डिश में किया जाता है. यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि उसकी खुशबू भी बेहतर बनाता है. बाजार में आसानी से अदरक-लहसुन पेस्ट मिल जाता है, लेकिन घर पर तैयार किया गया पेस्ट अधिक ताजा, शुद्ध और हेल्दी होता है. इसमें किसी प्रकार के प्रिजर्वेटिव या कृत्रिम रंग का इस्तेमाल नहीं किया जाता. यदि आप भी घर पर अदरक-लहसुन पेस्ट बनाना चाहते हैं, तो यह आसान रेसिपी आपके लिए है.

आवश्यक सामग्री

अदरक - 250 ग्राम

लहसुन - 250 ग्राम

नमक - 1 छोटा चम्मच

तेल - 2 बड़े चम्मच (सरसों या रिफाइंड)

थोड़ा सा पानी (जरूरत अनुसार)

पेस्ट बनाने की विधि

सबसे पहले अदरक को अच्छी तरह धोकर उसका छिलका उतार लें. इसके बाद लहसुन की सभी कलियों को छीलकर अलग कर लें. अदरक को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें ताकि उसे पीसने में आसानी हो.

अब मिक्सर जार में अदरक और लहसुन डालें. इसमें नमक और तेल भी मिला दें. तेल डालने से पेस्ट लंबे समय तक खराब नहीं होता और उसकी ताजगी बनी रहती है.

अब सामग्री को बिना पानी डाले पीसने की कोशिश करें. यदि जरूरत महसूस हो तो एक-दो चम्मच पानी डाल सकते हैं.

मिक्सर को चलाकर एकदम स्मूद और गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें. ध्यान रखें कि पेस्ट में बड़े टुकड़े न रह जाएं. तैयार पेस्ट को साफ और सूखे कांच के एयरटाइट जार में भर लें.

लंबे समय तक स्टोर करने का तरीका

यदि आप पेस्ट को 15 से 20 दिनों तक इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो इसे फ्रिज में रखें. वहीं एक से दो महीने तक स्टोर करने के लिए छोटे-छोटे हिस्सों में आइस ट्रे में भरकर फ्रीजर में जमा सकते हैं. जरूरत पड़ने पर एक-एक क्यूब निकालकर इस्तेमाल करें.

अदरक-लहसुन पेस्ट के फायदे

अदरक और लहसुन दोनों ही औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं. अदरक पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है, जबकि लहसुन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक माना जाता है. इसके अलावा यह पेस्ट खाना बनाने का समय भी बचाता है, क्योंकि हर बार अलग से अदरक और लहसुन तैयार करने की आवश्यकता नहीं पड़ती.

ध्यान रखने योग्य बातें

पेस्ट निकालने के लिए हमेशा सूखे चम्मच का उपयोग करें.

जार में पानी न जाने दें.

यदि रंग या गंध में बदलाव दिखाई दे तो पेस्ट का उपयोग न करें।

तुलसी का सेवन कब और कैसे करें? वैद्य ने बताए पारंपरिक इस्तेमाल और सावधानियां

तुलसी का इस्तेमाल भारतीय घरों में धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ कई घरेलू नुस्खों में भी लंबे समय से किया जाता रहा है. वैद्य सलीम के अनुसार राम तुलसी और श्याम तुलसी प्रमुख प्रजातियों में शामिल हैं. तुलसी की पत्तियों का इस्तेमाल सर्दी-जुकाम, गले की खराश और पाचन से जुड़ी सामान्य परेशानियों में पारंपरिक रूप से किया जाता है. हालांकि, किसी बीमारी के इलाज के लिए केवल तुलसी पर निर्भर रहना उचित नहीं है और लगातार या गंभीर समस्या होने पर डॉक्टर की सलाह जरूरी है.

तुलसी का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से सर्दी, जुकाम और खांसी जैसी सामान्य समस्याओं में किया जाता है. कई लोग तुलसी की पत्तियों को चाय या काढ़े में डालकर लेते हैं. माना जाता है कि इससे गले को आराम मिल सकता है और मौसम बदलने पर होने वाली सामान्य परेशानी में राहत महसूस हो सकती है.

धार्मिक महत्व के साथ-साथ इसे पारंपरिक चिकित्सा में भी महत्वपूर्ण पौधा माना जाता है. तुलसी की पत्तियों, बीज और अन्य हिस्सों का इस्तेमाल लंबे समय से घरेलू नुस्खों और आयुर्वेदिक परंपराओं में किया जाता रहा है.

लोकल 18 से बातचीत के दौरान वैद्य सलीम ने तुलसी के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की है इन्होंने बताया है, यह कई प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें राम तुलसी और श्याम तलसी प्रमूख हैं. इसकी पत्तियों में कई प्राकृतिक यौगिक पाए जाते हैं, जिनकी वजह 'से पारंपरिक चिकित्सा में इसका अलग महत्व बताया गया है. हालांकि, किसी बीमारी के इलाज के लिए केवल तुलसी पर निर्भर रहना उचित नहीं है.

गले में खराश या हल्की जलन होने पर भी तलसी का पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है. तुलसी की पत्तियंको गर्म पानी या चाय में डालकर सेवन करने की परंपरा है. हालांकि, अगर गले की समस्या लंबे समय तक बनी रहेया तेज दर्द हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए भी चर्चा, तुलसी में कई प्राकृतिक पौधीय यौगिक पाए जाते हैं. इसी वजह से इसे शरीर की सामान्य प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने के लिए उपयोगी माना जाता है. हालांकि, केवल तूलसी का सेवन करने से किसी बीमारी से बचाव की गारंटी नहीं मिलती. स्वस्थ खानपान, पयाप्त नींद और साफ-सफाई भी जरूरी है।

दाल हो गई है ज्यादा पतली? अपनाएं ये 7 आसान तरीके और पाएं एकदम परफेक्ट गाढ़ापन

पतली दाल को गाढ़ा करने के कई आसान तरीके हैं. इसे और ज्यादा देर तक पकाएं, अच्छे से मैश करें, बेसन, उबला आलू, दाल का पेस्ट, चावल का आटा या गाढ़ा तड़का मिलाकर दाल को स्वादिष्ट और गाढ़ा बना सकते हैं.

दाल भारतीय भोजन का रोज का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती है. हालांकि कई बार दाल बनाते समय उसमें पानी अधिक हो जाता है, जिससे वह जरूरत से ज्यादा पतली हो जाती है. ऐसी स्थिति में दाल का स्वाद और टेक्सचर दोनों प्रभावित हो सकते हैं. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान उपाय अपनाकर पतली दाल को आसानी से गाढ़ा किया जा सकता है. आइए जानते हैं इन आसान तरीकों के बारे में.

1. दाल को थोड़ा और पकाएं

यदि दाल बहुत पतली हो गई है, तो सबसे आसान तरीका है उसे कुछ देर और धीमी आंच पर पकाना. खुली कड़ाही या पतीले में दाल को उबालने से अतिरिक्त पानी धीरे-धीरे उड़ जाता है और दाल अपने आप गाढ़ी होने लगती है. बीच-बीच में चलाते रहें ताकि दाल तले में न लगे.

2. दाल को मैश करें

दाल के कुछ हिस्से को करछी या मैशर की मदद से अच्छी तरह मसल दें. जब दाल के दाने टूटकर उसमें मिल जाते हैं तो उसका टेक्सचर गाढ़ा हो जाता है. अरहर, मूंग और मसूर की दाल में यह तरीका काफी प्रभावी होता है।

घर संभालना एक की जिम्मेदारी नहीं... सुधा मूर्ति की ये 5 बातें दिमाग में बैठा लो, कभी बोझ नहीं बनेगी शादी

शादी को चलाने के लिए सिर्फ एक दिन का एफर्ट नहीं लगता है, और न ही दो लोगों का ये रिश्ता किसी एक व्यक्ति की समझदारी से चल सकता है. यदि आपको भी शादी के ख्याल से डर लगता है या शादी बोझ लगने लगा है, तो सुधा मुर्ति के इन 5 बातों को दिमाग में बैठा लें.

शादीशुदा जीवन में प्यार और साथ जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है एक-दूसरे को समझना और रिश्ते को बराबरी के साथ निभाना. लेकिन कई लोग ये समझने में गलती कर बैठते हैं कि सफल शादी का मतलब पति और पत्नी में कभी लड़ाई या बहस नहीं होती. यही सोच कई बार शादी को और भी ज्यादा मुश्किल में डाल देती है. लोग अपनी शादी से ज्यादा दूसरे कपल्स पर ध्यान देने लगते हैं, उनकी चीजों को उदाहरण के तौर पर अपने पार्टनर से कंप्रेयर लग जाते हैं. जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग होती है. परफेक्ट लगने वाले कपल अपने झगड़ों को अच्छी तरह से निपटाते हैं.

फोसिस के सह-संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति की पत्नी और लेखिका, समाजसेविका सुधा मूर्ति अक्सर शादी को लेकर युवाओं को बड़े-बड़े मंचों शिक्षित करती रहती हैं. यहां आप सुधा मुर्ति द्वारा बताए गए ऐसे 5 बातों के बारे में जानेंगे जो किसी भी शादी के लिए संजीवनी और मार्गदर्शक साबित हो सकती है.

सुधा मूर्ति का मानना है कि शादी को सफल बनाने के लिए परफेक्ट होना जरूरी नहीं है, बल्कि एक-दूसरे की कमियों को स्वीकार करना और जिम्मेदारियों को मिलकर निभाना ज्यादा महत्वपूर्ण है. ऐसे में यदि आप किसी परफेक्ट व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं, या अपने पार्टनर को परफेक्ट बनाने में लगे हैं, तो आपके शादी के लिए हानिकारक साबित हो सकता है.

2- सुधा मूर्ति का मानना है कि पति-पत्नी के बीच कभी-कभी बहस होना बिल्कुल सामान्य बात है. उन्होंने कहा कि अगर कोई दंपति यह दावा करे कि उनके बीच कभी झगड़ा नहीं हुआ, तो यह असामान्य लग सकता है. उनके अनुसार, असली बात झगड़ा होने या न होने की नहीं, बल्कि उसे संभालने के तरीके की है.

3- उन्होंने एक महत्वपूर्ण सलाह देते हुए कहा कि पति-पत्नी को एक साथ गुस्सा नहीं होना चाहिए. अगर एक व्यक्ति नाराज है, तो दूसरे को शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए. उन्होंने अपने वैवाहिक जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि जब नारायण मूर्ति नाराज होते हैं, तो वह शांत रहती हैं और जब वह गुस्सा होती हैं, तो उनके पति धैर्य बनाए रखते हैं. इससे छोटी बात बड़े विवाद में नहीं बदलती.

4- कामकाजी दंपतियों के बारे में बात करते हुए सुधा मूर्ति ने कहा कि अगर पति और पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो घर की जिम्मेदारियां भी दोनों को मिलकर निभानी चाहिए. खाना बनाना, बच्चों की देखभाल और घर के अन्य काम केवल महिला की जिम्मेदारी नहीं होने चाहिए.

5- सुधा मूर्ति के अनुसार, सम्मान, सहयोग और समझदारी ही एक मजबूत और खुशहाल वैवाहिक जीवन की असली नींव है. ऐसे में पत्नी की तुलना अपनी मां से करना सही नहीं है।

जहानाबाद की फेमस मिठाई, 35 साल पुरानी है दुकान, रोज 800 पीस की बिक्री

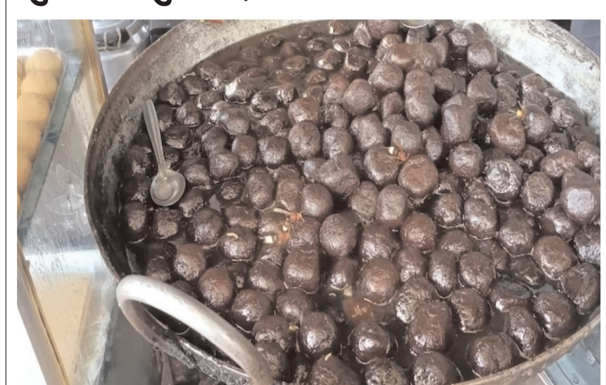

हर बाजार में खान-पान की कोई न कोई ऐसी दुकान होती है, जो खास आइटम के लिए मशहूर होती है. वहां ग्राहकों की भीड़ भी खूब लगती है. दूर दराज से हर दिन लोग खाना का आनंद लेने को पहुंचते हैं. ऐसी ही एक दुकान है, बिहार के जहानाबाद जिले की. यह मिठाई दुकान 35 साल पुरानी है. जिस तरह दुकान पुरानी है, उस तरह यहां का स्वाद भी बहुत शानदार है. जिले के घोसी बाज़ार में बस स्टैंड के पास कारू मिठाई दुकान है. यहां पर 20 रुपए वाला प्लेट काफी मशहूर है. इस प्लेट में नमकीन सेव और 2 पीस काला जामुन का स्वाद मिलता है.

20 रुपए प्लेट वाला नाश्ता का शौकीन न सिर्फ आजकल के युवा वर्ग हैं, बल्कि बुजुर्गों का भी यह पसंदीदा नाश्ता है. यही कारण है कि हर दिन शाम में युवा से लेकर बुजुर्गों तक की भीड़ जुटती है. कई ग्राहक ऐसे भी हैं, जो सालों साल से नाश्ता का आनंद उठाते आ रहे हैं.

कुछ समय पहले तक 15 रुपए में ही 2 पीस मिठाई और नमकीन सेव का नाश्ता मिल जाता था, लेकिन बढ़ती महंगाई के चलते ही आज यहां भी नाश्ता का रेट बढ़ गया है. हालांकि, जिस प्रकार से 2 काला जामुन महज 12 रुपए में हो जाता है. यह भी आज के हिसाब से बहुत सस्ता है.

दुकानदार धनंजय कुमार बताते हैं कि हमारी दुकान 35 साल पुरानी है. यह बस स्टैंड के पास है. यहां का पसंदीदा आइटम काला जामुन और नमकीन सेव है, जिसका लुत्फ न सिर्फ युवा, बल्कि बुजुर्ग भी उठाते हैं. कई ग्राहक ऐसे भी हैं, जो 20 साल से हमारी दुकान में आते हैं और वो नाश्ता का आनंद उठाते हैं. हर दिन यहां पर 700 से 800 पीस काला जामुन निकल जाता है।

वीकेंड पर यहां जरूर जाएं, 4 एकड़ में बसी तितलियों की रंगीन दुनिया देख खुश हो जाएगा मन, बच्चों के लिए परफेक्ट

सहारनपुर के कंपनी गार्डन में बना बटरफ्लाई पार्क लोगों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है. करीब 4 एकड़ में फैले इस पार्क में तितलियों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है. सहारनपुर में एक ऐसी जगह भी है, जहां पहुंचते ही लोगों का ध्यान रंग-बिरंगी तितलियों की ओर चला जाता है. शहर के बीचों-बीच बने कंपनी गार्डन में मौजूद यह तितली पार्क लोगों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है. सुबह और शाम यहां घूमने आने वाले लोग कुछ समय इस पार्क में बिताते हैं और तितलियों को निहारने के साथ प्रकृति के बीच समय गुजारते हैं.

तितलियों की घटती संख्या और कई प्रजातियों के विलुप्त होने के खतरे को देखते हुए इस पार्क को उनके संरक्षण के उद्देश्य से तैयार किया गया है. नेताजी सुभाषचंद्र बोस उद्यान यानी कंपनी बाग में तितली पार्क की शुरुआत 26 जनवरी 2020 को हुई थी. उस समय सहारनपुर के तत्कालीन कमिश्नर संजय कुमार ने इसका लोकार्पण किया था. पार्क बनाने का उद्देश्य तितलियों की अलग-अलग प्रजातियों को बढ़ावा देना और उनका संरक्षण करना था.

तितली पार्क उद्यान विभाग के करीब चार एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है. इसे सहारनपुर विकास प्राधिकरण और उद्यान विकास समिति के सहयोग से विकसित किया गया है. पार्क को इस तरह तैयार किया गया है कि यहां तितलियों के रहने और पनपने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके.

पार्क में करीब 40 प्रजातियों की तितलियों के विकास के लिए उनके जीवनचक्र के अनुसार पौधे लगाए गए हैं. यहां 86 प्रकार के कुल 15,590 होस्ट और नेक्टर पौधों का रोपण कराया गया है. ये पौधे तितलियों के भोजन और उनके जीवनचक्र को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं.

पार्क में आने वाले लोगों को घूमने के साथ तितलियों के जीवनचक्र और उनके संरक्षण के बारे में भी जानकारी मिलती है. यह पार्क लोगों को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ जुड़ने का संदेश भी देता है.

तितलियों को पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है. हालांकि, पिछले करीब 40 वर्षों में तितलियों की प्रजातियों में करीब 40 फीसदी तक गिरावट बताई जाती है. प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़, प्रदूषण और फसलों में होने वाले दवाओं के छिड़काव का असर भी तितलियों पर पड़ रहा है. तितलियों के संरक्षण के साथ यह पार्क अब लोगों के लिए घूमने की पसंदीदा जगह भी बन रहा है. सुबह और शाम बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं और रंग-बिरंगी तितलियों को देखने के साथ प्रकृति के बीच समय बिताते हैं।

रसिका ने याद किया स्ट्रगल का दौर

कहा- 2016 के बाद बदली किस्मत, ओटीटी ने दिलाई पहचान

मुंबई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में गई थीं। इस शो में उन्होंने करियर, स्ट्रगल, शादी और कॉलेज के दिनों के बारे में बात की।

10 साल बाद मिली असली पहचान

बातचीत में रसिका दुग्गल ने उस पल के बारे में भी बताया जब उन्हें लगा कि इंडस्ट्री में अब उनकी जगह बन गई है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें सच में कब लगा कि वह इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, तो रसिका ने उस दौर को याद किया जब उनके काम में निरंतरता आने लगी थी।

रसिका ने कहा, "जब से मेरे काम में निरंतरता आई, वह 2016-17 के बीच का समय था। मैं 2006 में एफटीआईआई से निकली थी, तो इसके पूरे 10 साल बाद ऐसा हुआ। बीच में भी ऐसे काम मिलते रहे, जिन्होंने मुझे हिम्मत दी और बनाए रखा लेकिन वे 2016 के बाद किए गए काम जितने चर्चित नहीं थे।"

किस फिल्मों ने दिया हिम्मत और पहचान

रसिका ने इस निरंतर दौर से पहले की कुछ फिल्मों को भी याद किया, जिनमें 'किस्सा' और 'क्षय' जैसी फिल्में शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री के बेहतरीन टैलेंट के साथ काम करने का मौका दिया।

हालांकि, उन्होंने बताया कि 2016 के बाद के समय में बड़ा बदलाव आया, जब उन्हें लगातार कई प्रोजेक्ट मिलने लगे।

> "2016 के बाद ही 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे काम लगातार मिलने लगे और इसकी बड़ी वजह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का आना था।"
> – रसिका दुग्गल

ओटीटी बना टर्निंग पॉइंट

उन्होंने कहा, "तब मुझे लगा कि यह किसी आंदोलन जैसा था।" रसिका की लेटेस्ट रिलीज 'मिर्जापुर: द मूवी' है। भारतीय एक्शन क्राइम थ्रिलर फिल्म में रसिका दुग्गल बीना त्रिपाठी (कालीन भैया की पत्नी और मुन्ना की सौतेली मां) का किरदार निभा रही हैं।

मिर्जापुरः द मूवी

यह फिल्म 'मिर्जापुर' वेब सीरीज का कोई अगला सीजन नहीं है, बल्कि मिर्जापुर की दुनिया को बड़े पर्दे पर एक नए और बड़े कैनवस पर पेश किया गया है। इसमें एक बिल्कुल नई कहानी और कुछ नए किरदार देखने को मिलेंगे, जो वेब सीरीज में नहीं दिखाए गए थे।

स्टार कास्ट और टीम

फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल और दिव्येंदु शर्मा अपने पुराने किरदारों में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जितेंद्र कुमार, सोनल चौहान और रवि किशन भी अहम भूमिका में दिखेंगे।

सोनू निगम ने सलमान खान के सिंगिंग से जुड़ी रिएक्शन वीडियो पर दी सफाई, बोले- 'इंटरनेट पर कुछ भी हो सकता है'

विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड में सलमान खान और सोनू निगम का रिश्ता काफी पुराना है। दोनों ने लंबे समय तक इंडस्ट्री में साथ काम किया है और एक-दूसरे के काम से भी अच्छी तरह वाकिफ हैं। ऐसे में जब सोशल मीडिया पर सोनू निगम का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे सलमान खान की सिंगिंग पर उनका रिएक्शन बताया गया, तो इसने लोगों का ध्यान खींच लिया।

वीडियो को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे सोनू सलमान के गाने पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब सोनू निगम ने खुद वीडियो की सच्चाई बताई और बताया कि उनके रिएक्शन को गलत तरीके से एडिट करके पेश किया गया है।

सोनू निगम ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस वायरल वीडियो को लेकर सफाई दी। उन्होंने कहा, ''इंटरनेट पर किसी भी वीडियो को एडिट करके उसका मतलब बदला जा सकता है। क्लिप में मेरे रिएक्शन को सलमान खान की फिल्म 'मैं हूं हीरो तेरा' से जोड़ दिया गया जबकि मेरा यह रिएक्शन असल में एक पाकिस्तानी बच्ची के गाने पर था।

सोनू ने अपनी बात साफ करते हुए कहा, ''इंटरनेट पर कुछ भी हो सकता है और लोगों को सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले ऐसे वीडियो को तुरंत सच नहीं मानना चाहिए।''

गौरतलब है कि सोनू निगम और सलमान खान ने 1990 के दशक से ही इंडस्ट्री में एक-दूसरे के साथ काम किया है। दोनों के बीच कई फिल्मों और गानों को लेकर प्रोफेशनल कनेक्शन रहा है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में दोनों के बीच गानों को लेकर अलग-अलग राय की चर्चा भी होती रही है। खासकर उस दौर में जब बॉलीवुड एक्टर्स खुद अपनी फिल्मों के गाने गाने लगे थे।

'मैं हूं हीरो तेरा' भी इसी चर्चा से जुड़ा एक गाना रहा है। सोनू निगम ने कई मौकों पर इस बात पर अपनी राय रखी है कि एक्टर्स का गाना गाना गलत नहीं है लेकिन प्लेबैक सिंगिंग एक अलग तरह की कला है। इसके लिए लंबे समय तक ट्रेनिंग, लगातार प्रैक्टिस और पूरी मेहनत की जरूरत होती है। जब किसी गाने के लिए प्रोफेशनल सिंगर मौजूद हैं, तो इस कला की विशेषज्ञता को भी समझना चाहिए।

वायरल हो रहे वीडियो में टीवी स्क्रीन पर सलमान खान का गाना 'मैं हूं हीरो तेरा', जो 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'हीरो' का गाना है, चलते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद सोनू निगम का रिएक्शन आता है। वह कहते हैं, ''बहुत दिनों बाद कोई अच्छी चीज सुनी और दिमाग खराब हो गया, अभी भी ऐसा काम हो सकता है कि इंसान फूट-फूटकर रोए। मतलब मैं फूट-फूटकर रोऊंगा, कोई गाना गा रहा होगा, मैं सुनकर रो दूं।

गांव से अंतरिक्ष तक के सपने की कहानी दिखाएगी 'आकाशमलो ओका तारा', 20 नवंबर को रिलीज होगी दुलकर सलमान की फिल्म

विश्व केसरी■

हैदराबाद। निर्देशक पवन सादिनेनी की आगामी फिल्म 'आकाशमलो ओका तारा' के निर्माताओं ने गुरुवार को घोषणा की कि फिल्म इस वर्ष 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें अभिनेता दुलकर सलमान और सात्विका वीरावल्ली मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ये फिल्म एक ऐसी लड़की के सपने की कहानी है, जो एक छोटे से गांव से निकलकर अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना देखती है।

गुरुवार को प्रोडक्शन हाउस स्वप्ना सिनेमाज ने सोशल मीडिया पोस्ट में रिलीज डेट शेयर करते हुए लिखा, ''सितारों तक का सफर शुरू... 'आकाशमलो ओका तारा' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हमारे साथ आइए... एक खूबसूरत दुनिया आपका इंतजार कर रही है। इस ऐलान के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

फिल्म मेकर्स ने कुछ समय पहले सात्विका के किरदार से दर्शकों को रूबरू कराया था। गीता आर्ट्स ने सोशल मीडिया पर उनका इंट्रोडक्शन वीडियो शेयर किया था, जिसमें उनकी कहानी की झलक दिखाई गई थी। वीडियो की शुरुआत एक बच्ची से होती है, जो आसमान की ओर देखकर सवाल करती है कि वह अंतरिक्ष में कैसे जा सकती है। इसके बाद सात्विका के किरदार को दिखाया जाता है, जो एक ग्रामीण इलाके से आती है और उसके मन में अंतरिक्ष में जाने का सपना है।

वीडियो में एक पुरुष की आवाज सुनाई देती है, जो उसके गांव और हालात का जिक्र करते हुए कहता है कि जिस गांव में सड़क तक नहीं है, वहां से वह अंतरिक्ष में जाने का सपना देख रही है।

'करीना का अलग पहलू देखने को मिला,' फिल्म 'दायरा' में साथ काम पर बोलीं तृप्ति खामकर

विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस तृप्ति खामकर मेघना गुलजार की आने वाली फिल्म 'दायरा' के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

तृप्ति और करीना 'क्रू' के बाद से इस प्रोजेक्ट में फिर से साथ काम कर रही हैं। आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में, तृप्ति ने करीना के साथ दोबारा स्क्रीन शेयर करने के बारे में बात की और बताया कि अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस के साथ काम करना कैसा रहा।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए तृप्ति ने कहा, 'हां, मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे खूबसूरती की रानी, डीवा, करीना कपूर खान के साथ काम करने का मौका मिला और मैंने उनका एक अलग ही रूप देखा। वह सच में सबसे खूबसूरत इंसान हैं, बहुत खूबसूरत दिल वाली हैं और बहुत मेहनती एक्ट्रेस हैं। मैंने उन्हें इस फिल्म के लिए सच में बहुत मेहनत करते देखा है।'

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें किसी दमदार एक्टर के साथ काम करते समय असुरक्षित महसूस क्यों नहीं होता। तृप्ति ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब कोई दमदार एक्टर आपके साथ खड़ा होता है, तो वह आपको ताकत ही देता है। वे आपको सपोर्ट करते हैं और आपको बेहतर दिखाते हैं। यही एक बहुत दमदार एक्टर की पहचान है। इसलिए, अगर कोई एक्टर आपको असुरक्षित महसूस कराता है, तो शायद वह खुद असुरक्षित है।'

तृप्ति ने बताया कि वह कितनी खुशकिस्मत रही हैं कि उन्हें ऐसे एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला जो सेट पर सुरक्षित और सपोर्टिव रहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं हमेशा खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे ऐसे दमदार एक्टर्स मिले जो इतने सुरक्षित हैं, जो अपने काम को लेकर इतने सहज हैं कि वे आपको भी साथ लेकर चलते हैं। वे सब देने वाले स्वभाव के हैं। करीना कपूर सबसे ज्यादा देने वाली को-एक्टर हैं जो आपको मिल सकती हैं।'

स्क्रीन पर ऐसे सहयोग को खास बनाने वाली बातों पर उन्होंने कहा, 'जब दो या उससे ज्यादा साथ देने वाले स्वभाव के एक्टर्स स्क्रीन पर एक साथ आते हैं।

टीवी की दुनिया से तंग संदीप सिकंद लाएंगे ऑमलेट, शेयर किया काम का अनुभव

विश्व केसरी■

मुंबई। 'ये है मोहब्बतें,' 'फुलवा' और 'बंदिनी' जैसे पॉपुलर टीवी शोज का हिस्सा रह चुके अभिनेता संदीप सिकंद जल्द ही निर्देशित शॉर्ट फिल्म 'ऑमलेट' लेकर आ रहे हैं। अभिनेता ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे टेलीविजन की दुनिया से तंग आ चुके हैं।

अभिनेता ने कहा, 'टेलीविजन से परेशानी यह है कि शो अक्सर टिकने के लिए स्ट्रगल करते हैं और हम एक जैसी कहानियां सुनाते रहते हैं। मुख्य समस्या यह है कि शो चलेगा और रेवेन्यू जेनरेट करेगा या नहीं। कैरेक्टर्स का क्या होता है या कहानी कैसे डेवलप होती है। यह कभी-कभी सेकेंडरी हो जाता है। मैं उस पूरे माहौल से थोड़ा तंग आ गया हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि किसी भी मीडियम की लाइफलाइन स्टोरीटेलिंग है।

उन्होंने 'ऑमलेट' के बारे में बताया, 'यह एक मैच्योर कहानी है, जो एक रिलेशनशिप के बारे में है। यह थोड़ी कॉम्प्लेक्स और अनकन्वेंशनल है। मुझे लगता है कि टेलीविजन अभी अनकन्वेंशनल स्टोरीटेलिंग को एक्सप्लोर करने में हिचकिचाता है। मेरा मानना ??है कि ऑडियंस और एंटरटेनमेंट देखने वाला हर कोई नई और अनकन्वेंशनल कहानियां देखना चाहता है, लेकिन टेलीविजन कहीं अटका हुआ है और वह यह कदम उठाने को तैयार नहीं है तो मुझे लगा कि यह कहानी टेलीविजन पर बताना नामुमकिन है। इसीलिए मैंने एक फिल्म बनाने का फैसला किया।

उन्होंने आगे कहा, हमने इसे लगभग आधे घंटे की एक शॉर्ट फिल्म के तौर पर बनाया है।

आदित्य रिखारी और संजू राठौड़ 'स्पॉटलाइट सीजन 4' में आएंगे नजर, नए म्यूजिक और कोलैबोरेशन को लेकर उत्साहित

विश्व केसरी■

मुंबई। भारत में म्यूजिक की दुनिया लगातार बदल रही है। अब सिर्फ बड़े नाम ही नहीं, बल्कि अलग-अलग शहरों और भाषाओं से आने वाले नए कलाकार भी अपनी आवाज और अलग म्यूजिक स्टाइल के साथ लोगों के बीच पहचान बना रहे हैं। इसी तरह के कलाकारों को एक मंच देने वाला म्यूजिक प्लेटफॉर्म 'स्पॉटलाइट' अब अपने चौथे सीजन के साथ लौट आया है। इस सीजन का आदित्य रिखारी और संजू राठौड़ भी हिस्सा होंगे। दोनों ही इस नए सफर को लेकर काफी उत्साहित हैं।

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप फॉर ब्रांड्स के साथ मिलकर 'हुंडई स्पॉटलाइट' के चौथे सीजन को पेश किया है। इस सीजन का मकसद अलग-अलग तरह के म्यूजिक और कलाकारों को एक मंच पर लाना है, जहां सिंगर्स नए साउंड को एक्सप्लोर करने के साथ दूसरे कलाकारों के साथ मिलकर कुछ नया तैयार करेंगे। कलाकारों को उम्मीद है कि इस सीजन के जरिए उनका संगीत देशभर के लोगों तक पहुंचेगा। सीजन 4 की शुरुआत संजू राठौड़ के मराठी गाने 'पाहिजे' से हुई। इस गाने में उनके साथ जूली जोगलेकर नजर आईं। गाना रोमांस, मस्ती और सेलिब्रेशन का मिक्सअप है। मराठी म्यूजिक की अपनी खास पहचान के साथ यह गाना सीजन की शुरुआत को अलग अंदाज देता है। वहीं, 'गोरी' की सफलता के बाद आदित्य रिखारी और रावटर एक बार फिर 'स्पॉटलाइट' का हिस्सा बने हैं।

अपने नए सीजन में लौटने को लेकर दोनों ने कहा कि 'गोरी' को दर्शकों से मिले प्यार के बाद इस मंच पर दोबारा आना उनके लिए खास है। एक कलाकार के तौर पर वे हमेशा संगीत के जरिए कहानियां बताने के नए तरीके तलाशते रहते हैं और 'स्पॉटलाइट' उन्हें एक्सपेरिमेंट करने, दूसरे कलाकारों के साथ काम करने और ऐसा कुछ बनाने की आजादी देता है, जिसे शायद वे किसी और जगह नहीं कर पाते। आदित्य रिखारी और रावटर ने उम्मीद जताई कि इस सीजन में उनके द्वारा तैयार किया गया म्यूजिक लोगों को पसंद आएगा और लोग इसे अपने तरीके से महसूस करेंगे और उससे जुड़ पाएंगे।

संजू राठौड़ ने भी नए सीजन का हिस्सा बनने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए संगीत हमेशा अपनी जड़ों से जुड़े रहने और उसी आवाज को नए तरीके से आगे ले जाने का माध्यम रहा है। 'हुंडई स्पॉटलाइट' में अलग-अलग सफर और म्यूजिक स्टाइल वाले कलाकार एक साथ आते हैं।

भूटान में विदेश मंत्री जयशंकर, वित्त मंत्री दोरजी ने गर्मजोशी से किया स्वागत

विश्व केसरी

थिंपू। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का गुरुवार को थिंपू पहुंचने पर भूटान के वित्त मंत्री ल्योनपो लेकी दोरजी ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

भूटान की राजधानी पहुंचने पर, विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'थिंपू में गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भूटान के वित्त मंत्री ल्योंपो लेकी दोरजी का आभार।' विदेश मंत्री जयशंकर भूटान की दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जिसका मकसद लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करना है।

बुधवार को, विदेश मंत्री जयशंकर ने भूटान के सबसे पवित्र स्थलों में से एक, कुर्जी लखांग में पूजा-अर्चना की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'पवित्र कुर्जी लखांग में नमन किया। दोनों देशों की जनता के कल्याण और भारत-भूटान संबंधों के लिए प्रार्थना की।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने भूटानी समकक्ष ल्योंपो डी.एन. धुंग्येल के साथ बुमथांग में नेशनल कैटल ब्रीडिंग सेंटर का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने भूटान में डेयरी मवेशी प्रजनन कार्यक्रम के लिए भारत से शुद्ध नस्ल की 43 जर्सी गाय सौंपीं, ताकि दूध उत्पादन बढ़ाया जा सके और स्थानीय किसानों की मदद की जा सके।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पोस्ट में बताया, 'बुमथांग में नेशनल कैटल ब्रीडिंग सेंटर का दौरा किया। दूध उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय किसानों की मदद के लिए भूटान में डेयरी मवेशी प्रजनन कार्यक्रम के लिए भारत से शुद्ध नस्ल की 43 जर्सी गाय सौंपीं। यह जानकर खुशी हुई कि सेंटर के प्रजनन कार्यक्रम से चालीस हजार किसानों को फायदा होगा।'

विदेश मंत्री जयशंकर और ल्योंपो डी.एन. धुंग्येल ने बुधवार को बुमथांग में ऐतिहासिक वांगडुचोलिंग पैलेस और म्यूजियम का दौरा किया। इसके अलावा, विदेश मंत्री ने भूटान के गासा में 500 किलोवाट के लुनाना हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का ल्योंपो डी.एन. धुंग्येल के साथ शिलान्यास किया। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऊर्जा सहयोग के लिए एक 'गौरवशाली मील का पत्थर' बताया।

यह सहयोग 1967 में थिंपू में भूटान के पहले हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट 'जुंगशिना' से शुरू होकर अब भूटान की उन आखिरी बस्तियों तक पहुंच गया है।

हूती समूह का दावाः सऊदी लड़ाकू विमानों ने यमन के तीन प्रांतों में 40 हवाई हमले किए

विश्व केसरी

सना। यमन के हूती समूह ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने यमन के तीन प्रांतों में 40 हवाई हमले किए हैं।

बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारिया ने कहा कि सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिम में स्थित खमीस मुशैत एयर बेस से उड़ान भरने वाले एफ-15 लड़ाकू विमानों ने दक्षिण-पश्चिमी ताइज, उत्तर-पूर्वी मारिब और उत्तर-पश्चिमी हज्जाह प्रांतों में हमले किए।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अधिकारियों ने अभी तक हूतियों के इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इन कथित हमलों में हुए नुकसान या हताहतों के बारे में भी तुरंत कोई जानकारी सामने नहीं आई है। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब सीमा-पार हमले तेज हो गए हैं। इससे पहले बुधवार को हूतियों ने कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब के पश्चिमी शहर यानबू में स्थित सऊदी अरामको की सुविधाओं पर 'दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन' दागे हैं। साथ ही, उन्होंने खमीस मुशैत के एक एयर बेस पर भी कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया।

याह्या सारिया ने दावा किया कि यानबू पर हुए हमले से बड़ी आग लगी और भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि खमीस मुशैत को निशाना बनाने वाली मिसाइलें अपने लक्ष्य पर सटीक तरीके से पहुंचीं। हालांकि, सऊदी अधिकारियों और अरामको ने इन दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बुधवार को ही हूतियों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने यमन के उत्तर-पूर्वी मारिब प्रांत के ऊपर एक स्थानीय रूप से विकसित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से सऊदी अरब का एक एफ-15 लड़ाकू विमान मार गिराया है।

संक्षिप्त खबर

तुर्की में 'परिवार बचाने' के लिए सरकार ने एलजीबीटीक्यू+ पर कसा शिकंजा

विश्व केसरी

इस्तांबुल। तुर्की में 'परिवार और बच्चों की सुरक्षा' के नाम पर एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के खिलाफ कार्रवाई अब व्यापक होती जा रही है। सरकार के 'माई फैमिली इज सेफ' अभियान के तहत देश के कई शहरों में एलजीबीटीक्यू+ संगठनों और एचआईवी जागरूकता समूहों पर छापेमारी के बाद मंगलवार को 100 से अधिक लोगों को हिरासत में लेने के बाद बुधवार को दबाव के बाद रिहा कर दिया गया। इनमें कार्यकर्ताओं के अलावा पत्रकार और प्रदर्शनकारी भी शामिल थे। स्थानीय मीडिया हाउस टर्किश मिनट्स के अनुसार, तुर्की के अधिकारियों ने इस अभियान को बच्चों, परिवार और सामाजिक व्यवस्था की रक्षा के लिए जरूरी बताया। न्याय मंत्री अकिन गुरलेक के अनुसार, कार्रवाई उन स्थानों और लोगों के खिलाफ की गई, जिन पर अश्लील सामग्री, वेश्यावृत्ति और बच्चों को ऐसी सामग्री से रूबरू कराने जैसी गतिविधियों से जुड़े होने का आरोप था। अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरणों, नशीले पदार्थों और एक हथियार को जब्त करने का भी दावा किया। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि सरकार व्यापक 'अश्लीलता' संबंधी कानूनों का इस्तेमाल एलजीबीटीक्यू+ अधिकारों की वकालत करने वाले संगठनों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कर रही है।

बांग्लादेश में डेंगू हुआ खतरनाक 16 दिन में हुई 74 लोगो की मौत

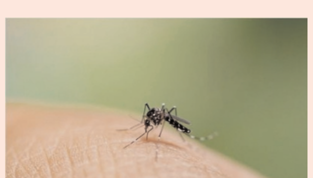

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू ने खतरनाक रूप ले लिया है। सितंबर माह के मात्र 16 दिनों में 74 लोगों की मौत हो चुकी है, जो अगस्त में हुई कुल 43 मौतों से 72% ज्यादा है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी इस साल के सबसे ऊंचे दैनिक स्तर पर पहुंच गई है। मौतों की रफ्तार तीन गुना से भी ज्यादा हो गई है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के डेटा के आधार पर 'ढाका ट्रिब्यून' के विश्लेषण के अनुसार, सितंबर में अब तक हर दिन औसतन 4.6 लोगों की मौत हुई है, जबकि अगस्त में यह आंकड़ा लगभग 1.4 था। बुधवार सुबह तक के 24 घंटों में सात और लोगों की मौत हुई और 1,753 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके साथ ही इस साल मरने वालों की कुल संख्या 171 और अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या 56,916 हो गई है। एक दिन में सामने आए मरीजों की यह संख्या इस साल की सबसे ज्यादा है, जो यह बताती है कि मॉनसून के बाद से यह प्रकोप कितनी तेजी से बढ़ा है। हालात सिर्फ मौतों के मामले में ही नहीं बिगड़े हैं। न्यूज एजेंसी यूएनबी के मुताबिक जुलाई में बांग्लादेश में 9,206 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि अगस्त में यह संख्या दोगुनी से भी ज्यादा होकर 20,536 हो गई। सितंबर में मरीजों के आने की रफ्तार और भी तेज हो गई है, और लगभग हर दिन 1,000 से ज्यादा मरीज अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर बुर्ज खलीफा पर दिखी तस्वीरें 'इंडिया फर्स्ट' और '75 वर्ष' के संदेशों से रोशन हुई इमारत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर विश्व की सबसे ऊंची इमारत दुबई का बुर्ज खलीफा भी पीएम मोदी की तस्वीरों और बधाई संदेशों से जगमगा उठा।

दुबई के समाजसेवी बू अब्दुल्ला ग्रुप के चेयरमैन डॉ. बू अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रोशनी से जगमगाते बुर्ज खलीफा का वीडियो साझा किया।

डॉ. अब्दुल्ला ने पोस्ट में बताया कि दुनिया की सबसे ऊंची इमारत प्रधानमंत्री मोदी के चित्रों, भारतीय तिरंगे और 'जन्मदिन मुबारक', '76 वर्ष', 'सेवा ही संकल्प है' और 'इंडिया फर्स्ट, द इंस्पिरेशन' जैसे संदेशों से जगमगा उठी, जिसे डाउनटाउन दुबई में हजारों लोगों ने देखा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ जन्मदिन की शुभकामना नहीं है बल्कि कई महत्वपूर्ण बातों का प्रतीक भी है। यह उन गहरे संबंधों को दर्शाता है जो आपसी सम्मान, साझा विकास और भाईचारे की भावना पर आधारित हैं। यह रिश्ता यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में और मजबूत हुआ है।

उन्होंने कहा कि दुनियाभर के नेताओं की शुभकामनाओं के बीच, बुर्ज खलीफा का यह लाइट शो प्रधानमंत्री मोदी की एक सच्चे और सम्मानित वैश्विक नेता के रूप में प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह आयोजन दुनिया के मंच पर उभरते हुए भारत और दुनिया भर में बसे 140 करोड़ भारतीयों के गर्व का भी जश्न है। साथ ही, यूएई में रहने वाले बड़े और सक्रिय भारतीय समुदाय की भावनाओं को भी यह दर्शाता है। विश्व की सबसे ऊंची इमारत में एक वैश्विक हस्ती के रूप में प्रधानमंत्री मोदी का यह सम्मान भारत के लिए गर्व की बात है।

भारत में स्लोवाकिया के राजदूत रॉबर्ट मैक्सियन ने भी पूरे स्लोवाकिया की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी, ऊर्जा और आने वाले वर्षों में लगातार सफलता की कामना करता हूं। स्लोवाकिया की आपकी यात्रा के लिए आपका धन्यवाद। आपकी यह यादगार यात्रा आज भी हमारे मन में ताजा है। हम आपके साथ बिताए गए आत्मीय पलों, मित्रता और सुखद यादों को प्यार से याद करते हैं। ईश्वर करे कि आने वाला वर्ष आपके लिए और भारत के लोगों के लिए शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति लेकर आए।

रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी कानून को लेकर भारत सतर्क, कहा-हितों की रक्षा के लिए उठाएंगे कदम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर भारत ने कहा कि सरकार घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने एक ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। भारत सरकार ने अमेरिकी कांग्रेस में 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर ध्यान रख रही है।

मंत्रालय ने कहा कि जैसा कि भारत पहले भी कई बार स्पष्ट कर चुका है, देश अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत आगे भी विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने और बाजार की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यही नीति जारी रखेगा। मंत्रालय ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर अमेरिका के विभिन्न अधिकारियों के साथ उच्च स्तर पर चर्चा की गई है। भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का असर केवल भारत-अमेरिका संबंधों पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है।भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अपने व्यापारिक और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सरकार इन घटनाक्रमों के संभावित प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी।

लेबनान के साथ समझौते में प्रगति तभी जब सेना जमीन पर दिखाए असर : इजरायल

विश्व केसरी

यरूशलम। इजरायल के सैन्य प्रमुख एयाल जमीर ने कहा है कि लेबनान के साथ हिज्बुल्लाह को हथियारमुक्त करने संबंधी किसी समझौते में तब तक प्रगति नहीं हो सकती, जब तक कि लेबनानी सेना जमीन पर अपनी कार्यक्षमता में बड़ा सुधार नहीं करती। यह बयान अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली नई वार्ता से कुछ सप्ताह पहले आया है।

बुधवार को लेबनान सीमा के पास तैनात सैनिकों से मुलाकात के दौरान जमीर ने कहा कि हम लिटानी नदी के दक्षिण वाले क्षेत्र से हिज्बुल्लाह की मौजूदगी खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही हमारा बड़ा लक्ष्य हिज्बुल्लाह को हथियारमुक्त करना भी है।

उन्होंने कहा कि जब तक लेबनानी सशस्त्र बल जमीन पर अपनी प्रभावशीलता में स्पष्ट सुधार नहीं करते, तब तक लेबनानी सरकार के साथ किसी संभावित समझौते के तहत इस लक्ष्य को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

जमीर ने कहा कि इजरायल की नई रक्षा रणनीति इस सिद्धांत पर आधारित है कि सैनिकों की मौजूदगी 'सीमा के पार, दुश्मन के इलाके के अंदर तक' बनी रहे। फिलहाल इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में सीमा से लगभग 10 किलोमीटर अंदर तक के क्षेत्र में मौजूद है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इजरायल और लेबनान अक्टूबर में रोम में फिर से बातचीत करने वाले हैं। अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली इस वार्ता का उद्देश्य एक सुरक्षा समझौते तक पहुंचना है।

जून में हुए युद्धविराम के ढांचे के तहत यह योजना थी कि इजरायली सेना लेबनान से पीछे हटेगी और साथ ही हिज्बुल्लाह को निरस्त्र किया जाएगा। लेकिन इस प्रक्रिया में प्रगति रुक गई है, क्योंकि इजरायल अब भी लेबनान में लगभग रोजाना हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेन और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों ने की बात रूस और उत्तर कोरिया सैन्य गठजोड़ पर जताई चिंता

विश्व केसरी

कीव। रूस के लगातार मिसाइल-ड्रोन हमलों और ब्लैक सी में कमजोर होती नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून से बातचीत की। सिबिहा ने कहा कि रूस-उत्तर कोरिया का बढ़ता सैन्य सहयोग यूरोप और इंडो-पैसिफिक की सुरक्षा को सीधे जोड़ता है, इसलिए जवाबी रणनीति भी ज्यादा समन्वित होनी चाहिए।

यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून से बातचीत की जानकारी साझा की। सिबिहा ने बताया, मैंने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून से बात की। मैंने उन्हें यूक्रेन के खिलाफ रूस की ओर से जारी हमलों की जानकारी दी। इसमें रूस के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले, साथ ही ब्लैक सी में नौवहन की स्वतंत्रता को कमजोर करने की उसकी कोशिशें शामिल हैं। सिबिहा ने कहा कि रूस का यूक्रेन के खिलाफ युद्ध सिर्फ यूरोप तक सीमित नहीं है। रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग, जिसमें इस युद्ध में उत्तर कोरिया की भागीदारी भी शामिल है, यूरोप और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा को सीधे तौर पर आपस में जोड़ता है। इसी वजह से हमारी प्रतिक्रिया और रणनीति भी पहले से ज्यादा समन्वित और मिलकर काम करने वाली होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया वैश्विक सुरक्षा को मजबूत करने, समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता की रक्षा करने और क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर रूस तथा उत्तर कोरिया से पैदा होने वाली चुनौतियों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सिबिहा ने बताया, हमने इस पर चर्चा की कि यूक्रेन और दक्षिण कोरिया इन साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए कैसे और करीब से मिलकर काम कर सकते हैं।

यूक्रेन में पश्चिमी सैनिकों की तैनाती पर रूस की चेतावनी, सर्गेई लावरोव बोले- यह सीधा युद्ध होगा

विश्व केसरी

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि अगर पश्चिमी देशों की सेनाएं यूक्रेन की जमीन पर तैनात की जाती हैं, तो रूस इसे अपने खिलाफ सीधे युद्ध की घोषणा मानेगा।

बुधवार को येकातेरिनबर्ग में आयोजित 'इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ यूथ' में उन्होंने कहा, 'मैं यह साफ करना चाहता हूं कि हमें इसमें शामिल होने की कोई इच्छा नहीं है लेकिन अगर यूरोप, जो हर दिन रूस के खिलाफ युद्ध की तैयारी की बात करता है, रूस पर हमला करता है तो वह बिल्कुल अलग तरह का युद्ध होगा और वह बहुत कम समय तक चलेगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, लावरोव ने कहा कि मॉस्को अब भी कूटनीतिक समाधान के लिए तैयार है। इसमें वह त्रिपक्षीय बातचीत का प्रारूप भी शामिल है, जिसका प्रस्ताव अमेरिका ने फिर से रखा है। हालांकि उन्होंने कहा कि किसी भी समझौते में रूस के शुरुआती उद्देश्यों को पूरा करना और संघर्ष की जड़ में मौजूद कारणों को खत्म करना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए खतरों की मूल वजहों को खत्म करना और रूसी लोगों के अधिकारों की रक्षा करना, जिसमें उनकी मातृभाषा और ऑर्थोडॉक्स आस्था का अधिकार भी शामिल है, विशेष सैन्य अभियान के स्पष्ट और निर्धारित लक्ष्य हैं।

लावरोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से तय किए गए इन लक्ष्यों को हासिल करने से न केवल मौजूदा संकट का समाधान होगा, बल्कि पूरे यूरेशियाई महाद्वीप, खासकर उसके पश्चिमी यानी यूरोपीय हिस्से की स्थिति भी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि इससे ऐसी विश्व व्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी जो विभिन्न देशों के हितों के संतुलन और अंतरराष्ट्रीय नियमों पर आधारित हो।

नशा तस्करी के खिलाफ अमेरिकी सेना की कार्रवाई पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और जहाज डुबोया

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। पूर्वी प्रशांत महासागर में नशा तस्करी के खिलाफ अमेरका की कार्रवाई जारी है। अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) के निर्देश में बुधवार को भी जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन पर कार्रवाई की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर साउथकॉम ने बताया, ''बुधवार को साउथकॉम के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्री ड्रग तस्करी में इस्तेमाल हो रहे एक तैरते हुए ईंधन आपूर्ति केंद्र (फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन) को सफलतापूर्वक रोक लिया।''

साउथकॉम के अनुसार, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई कि यह जहाज लोस चोनेरोस नामक हिंसक नार्को-आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ था। जहाज पर मौजूद लोगों को हिरासत में लेकर इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंप दिया गया। जहाज की पूरी तलाशी लेने और चालक दल को उतारने के बाद अमेरिकी बलों ने उसे समुद्र में डुबो दिया। साउथकॉम ने कहा कि जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम पश्चिमी गोलार्ध में ड्रग तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान चलाना जारी रखे हुए है।

साउथकॉम के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन ने कहा, 'हम अपने इक्वाडोर के साझेदारों के साथ मिलकर उन नार्को-आतंकियों का लगातार पीछा कर रहे हैं जो हमारे नागरिकों को नुकसान पहुंचाते हैं। पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को कमजोर करते हैं और अपने पीछे मौत और पीड़ा छोड़ जाते हैं। यह सोच-समझकर कानून के दायरे में और बेहद सटीक तरीके से किया गया अभियान लोगों की जान बचाता है और इक्वाडोर से लेकर अमेरिका तक हमारे नागरिकों को अधिक सुरक्षित बनाता है। मंगलवार को भी अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) ने पूर्वी प्रशांत महासागर में नशा तस्करी के खिलाफ एक और कार्रवाई को अंजाम दिया।

साउथ दिल्ली ने पहला 3×3 इंडिया क्वेस्ट टाइटल जीता, फीबा वर्ल्ड सीरीज क्वालीफाइंग ड्रॉ हासिल किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। टीम साउथ दिल्ली ने वसंत कुंज के डीएलएफ प्रोमेनेड में हुए एक करीबी मुकाबले में टीम बुलंदशहर को हराकर पहले 3×3 इंडिया क्वेस्ट 2026 का खिताब जीता।

फीबा (बास्केटबॉल खेल के लिए इंटरनेशनल गवर्निंग बॉडी) से मंजूर दो दिन की इस प्रतियोगिता में देश भर के 3×3 बास्केटबॉल खिलाड़ी एक साथ आए और उन्हें आधिकारिक फीबा रैंकिंग पॉइंट्स के लिए मुकाबला करने का मौका मिला।

3×3 बास्केटबॉल हाफ-कोर्ट पर खेला जाता है, जिसमें हर टीम में तीन खिलाड़ी होते हैं और इसमें 12 सेकंड का शॉट क्लॉक होता है। गेम 10 मिनट तक चलते हैं या अगर कोई टीम 21 पॉइंट्स तक पहुंच जाती है तो पहले खत्म हो जाते हैं, जिससे यह स्किल, तकनीक और जल्दी फैसला लेने पर फोकस करने वाला एक तेज रफ्तार वाला फॉर्मेट बन जाता है।

इस फॉर्मेट ने टोक्यो 2020 में ओलंपिक में डेब्यू किया और यह पेरिस 2024 गेम्स का भी हिस्सा था। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक्स में इसे आठ से बढ़ाकर 12 टीमें करने की तैयारी है।

साउथ दिल्ली की टाइटल जीत ने टीम को मंगोलिया में फीबा 3×3 वर्ल्ड सीरीज के क्वालीफाइंग ड्रॉ में मुकाबला करने का मौका भी दिलाया। यह घरेलू कॉम्पिटिशन के खिलाड़ियों के लिए इंटरनेशनल 3×3 सर्किट की ओर बढ़ने का रास्ता दिखाता है।

टूर्नामेंट में तेज रफ्तार वाले 3×3 फॉर्मेट में कड़े मुकाबले हुए, जिसमें टीमें 10 मिनट के गेम विंडो और 12 सेकंड के शॉट क्लॉक के अंदर खेलीं। नॉकआउट स्टेज में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में काफी कड़े मुकाबले हुए, जिसके बाद साउथ दिल्ली और बुलंदशहर टाइटल क्लैश में मिले।

जहां साउथ दिल्ली ने पहली ट्रॉफी जीती, वहीं बुलंदशहर के प्रदर्शन ने देश में मौजूद 3×3 टैलेंट की गहराई को भी दिखाया।

इस कॉम्पिटिशन को बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) और दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन (डीबीए) का सपोर्ट मिला। इस टूर्नामेंट का मकसद भारतीय खिलाड़ियों को रैंक वाली 3×3 बास्केटबॉल का ज्यादा अनुभव देना था। कॉम्पिटिशन खत्म होने के बाद, व्यवस्थापकों, टेरो इंडिया ने अपने ग्रासरूट टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत दिल्ली के आर.के. पुरम में दिल्ली पब्लिक स्कूल में 3×3 एकेडमी शुरू करने का प्लान बताया।

‘शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा’, मनीषा को एशियन गेम्स 2026 में दमदार प्रदर्शन का भरोसा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रेसलर मनीषा एशियन गेम्स 2026 में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनके सामने एक नई चुनौती है क्योंकि उन्होंने 62 किलोग्राम कैटेगरी से 57 किलोग्राम कैटेगरी में बदलाव किया है। इस बदलाव के दौरान उन्होंने अपनी ताकत और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है, साथ ही दोनों तरह के स्टांस (मुद्रा) से रेसलिंग करने की काबिलियत विकसित करके अपने खेल में बड़ा बदलाव किया है।

मनीषा ने कहा, ‘मैं पहले ज्यादातर दाईं ओर से खेलती थी, लेकिन अब मैंने बाईं ओर से भी खेलना शुरू कर दिया है। मैं दोनों स्टांस पर काम करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं दोनों तरफ से खेलने में सहज महसूस करना चाहती हूं। मैं अपनी ताकत और तकनीक पर काम कर रही हूं, लेकिन सबसे जरूरी बात अपनी सोच बदलना और नई कैटेगरी के हिसाब से खुद को ढालना भी है।'

मनीषा के लिए एशियन गेम्स का खास महत्व है, क्योंकि यह इन खेलों में उनकी पहली भागीदारी होगी। कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, उनका कहना है कि इतने बड़े स्तर के इवेंट में मुकाबला करने का मौका एक अलग तरह का उत्साह लाता है, जबकि उनका लक्ष्य सीधा है — मैट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना।

उन्होंने आगे कहा, ‘मैं कुछ समय से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, लेकिन एशियन गेम्स भारत के लिए खास हैं। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर एथलीट का सपना होता है, इसलिए मैं थोड़ी उत्साहित हूं क्योंकि यह मेरे पहले एशियन गेम्स हैं। मेरा लक्ष्य बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। मानसिक रूप से मैं तैयार हूं, बस अपनी गति बनाए हुए हूं और खुद को तैयार कर रही हूं।'

रेसलिंग में मनीषा का सफर 2013 में शुरू हुआ, जब उनके पिता ने उन्हें फिट होने के लिए एक कैंप में भेजा। जो चीज उनकी फिटनेस को बेहतर बनाने के तरीके के तौर पर शुरू हुई थी, वह धीरे-धीरे कुछ और बन गई, क्योंकि उन्हें एहसास होने लगा कि वह इस खेल में अच्छा कर सकती हैं। शुरुआत में महसूस होने वाले दबाव और खुद पर शक की जगह अब अधिक मानसिक मजबूती ने ले ली है, खासकर 2021 के बाद से।

मनीषा ने कहा, ‘जब मैंने शुरुआत की थी, तो मुझे दबाव महसूस हुआ था और शक भी था। मगर 2021 के बाद से मैं मानसिक रूप से मजबूत हो गई हूं। जब मैं चोटिल हो जाती हूं और मुकाबला नहीं कर पाती, तब भी मुझे शक होता है, लेकिन मैं प्रैक्टिस करती रहती हूं। शिद्दत से काम करो और दिल से चाहो तो कैसे नहीं होगा।'

मनीषा अपनी तैयारी का श्रेय भारतीय टीम के ट्रेनिंग कैंप को भी देती हैं, जहां का माहौल एथलीटों को एक-दूसरे से सीखने और एक-दूसरे का बेस्ट बाहर लाने में मदद करता है। जापानी कोच कोसेई अकाइशी की मौजूदगी, जो आईआईएस में इस खेल के हेड कोच भी हैं, ने टीम की तैयारी को और बेहतर बनाया है; मनीषा को उनके तकनीकी सुझावों से 57 किलोग्राम कैटेगरी में ढलने में मदद मिली है।

मनीषा ने कहा, ‘मैं अपनी तकनीक पर काफी काम कर रही हूं, खासकर इसलिए क्योंकि अब मैं दोनों तरह के स्टांस से खेल रही हूं। कोच अकाइशी भी हमारी मदद कर रहे हैं और हमें बहुत कुछ सिखा रहे हैं। भारतीय टीम के कैंप बहुत फायदेमंद होते हैं, हम सब एक-दूसरे से सीखते हैं, और जब हम साथ में ट्रेनिंग करते हैं, तो हम अपना बेस्ट दे पाते हैं।

उन्हें ‘इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट’ (आईआईएस) से भी काफी सपोर्ट मिला है, जहां उन्होंने अपने करियर के लंबे समय तक ट्रेनिंग की है। उन्होंने कहा, ‘मैं काफी समय से आईआईएस के साथ जुड़ी हुई हूं और सभी ने मुझे बहुत सपोर्ट किया है। सप्लीमेंट्स से लेकर ट्रेनिंग तक, मेरी हर जरूरत का ध्यान रखा गया है। उन्होंने हर पहलू में मेरी मदद की है।

‘बॉल-टैम्परिंग’ की घटना कभी-कभी दिमाग में आ जाती है, दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले स्टीव स्मिथ का बयान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जाने वाली है। सीरीज से पहले टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उन्हें 2018 दौरे के दौरान हुई बॉल-टैम्परिंग की घटना अभी भी कभी-कभी दिमाग में आ जाती हैं। हालांकि, स्मिथ इस बात को लेकर चिंतित नहीं है कि दक्षिण अफ्रीका में उनका स्वागत किस तरह होगा।

मार्च 2018 में केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट के दौरान हुए विवाद में स्मिथ मुख्य लोगों में से एक थे। सैंडपेपर का इस्तेमाल करके गेंद की हालत बदलने की योजना में शामिल होने की बात मानने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटाते हुए घर भेज दिया गया था और एक साल के लिए किसी भी तरह की क्रिकेट से निलंबित कर दिया गया था। स्मिथ के साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पर भी एक साल का बैन लगाया गया था। कैमरन बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए निलंबति किया गया था।

उस दौरे के लगभग आठ साल बाद, स्मिथ 9 अक्टूबर से डरबन में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी कर रहे हैं।

स्मिथ ने कहा, ‘निलंबन से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह भूलना मुश्किल है। दक्षिण अफ्रीका छोड़ने के बाद मीडिया में उन्हें जबरदस्त चर्चा मिली थी।

ला लीगा: बार्सिलोना ने रेसिंग सैंटेंडर को और एटलेटिको ने ओसासुना को हराया

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना कैंप नोउ में रेसिंग सैंटेंडर को 7-2 से हराने के बाद छह में से छह जीत के साथ ला लीगा में टॉप पर बना हुआ है।

नई प्रमोट हुई मेहमान टीम ने पिछले वीकेंड अलावेस को हराने वाली टीम में आठ बदलाव किए, लेकिन बार्सिलोना ने जोआओ कैंसेलो के शानदार गोल और राफिन्हा की पेनल्टी से 2-0 की बढ़त बना ली।

मैगुएट गुये ने एसियर विलालिब्रे के असिस्ट पर रेसिंग के लिए एक गोल किया, लेकिन कैंसेलो ने 36वें मिनट में विलालिब्रे के डिफ्लेक्शन पर दूर से अपना दूसरा गोल किया। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, राफिन्हा ने फिर स्कोर 4-1 कर दिया, जिसमें रेसिंग के गोलकीपर जुलेन एगिरेजाबाला ने ब्रेक से पहले लामिन यामल की पेनल्टी बचा ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत में बार्सिलोना के लिए वोज्शिएक स्जेसनी के गोल करने के बाद, यासिर जबीरी ने 65वें मिनट में सीजन का अपना छठा गोल करके स्कोर कम किया, लेकिन बार्सिलोना ने तुरंत जवाब दिया जब राफिन्हा ने दो मिनट बाद स्पॉट से अपनी हैट्रिक पूरी की।

गैब्रियल जीसस ने एक शानदार फिनिश करके स्कोर 6-2 कर दिया, और यामल ने 89वें मिनट में सातवां गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने अपने शुरुआती छह मैचों में 28 गोल कर लिए।

एटलेटिको मैड्रिड ने रविवार को रियल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले डर्बी के लिए मेट्रोपोलिटानो में ओसासुना को 4-0 से हराकर वार्म अप किया।

जोनाथन डेविड ने 24वें मिनट में इतने ही मैचों में अपना दूसरा गोल करके स्कोरिंग शुरू की, इससे पहले ली कांग-इन ने 54वें मिनट में एंगल्ड ड्राइव से दूसरा गोल किया। रॉबिन ले नॉर्मंड ने कॉर्नर से स्कोर 3-0 कर दिया, और एलेक्स बेना ने जॉनी कार्डोसो के पास पर स्कोरिंग पूरी की।

सेविला ने अपनी शानदार शुरुआत जारी रखते हुए डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1-0 से हराया, जब मिगुएल सिएरा ने 52वें मिनट में गोलकीपिंग की गलती का फायदा उठाकर गोल किया। डेपोर्टिवो की टीम एक घंटे बाद 10 खिलाड़ियों पर सिमट गई जब लेफ्ट-बैक एंजेलिनो को खराब चैलेंज के लिए बाहर भेज दिया गया।

लेवांटे और एथलेटिक बिलबाओ के बीच बुधवार को होने वाला मैच लेवांटे के स्यूदाद डे वालेंसिया स्टेडियम में आंधी-तूफान के बाद किकऑफ से पहले ही टाल दिया गया। गुरुवार के मैचों में बेटिस का सामना गेटाफे से होगा और मलागा का सामना विलारियल से होगा।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: भारत ‘ग्रुप-के’ में बहरीन, कैमरून, ग्रेनेडा, लाओस और सेनेगल के साथ भिड़ेगा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत को अक्टूबर में बाकू में होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप के ग्रुप-के में बहरीन, कैमरून, ग्रेनेडा, लाओस और सेनेगल के साथ रखा गया है। भारत की अंडर-15 पुरुष टीम बाकू के होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स में क्वालिफिकेशन स्टेज में तीन दिनों में पांच मैच खेलेगी।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर को लाओस के खिलाफ करेगा। अगले दिन, वे दो मैच खेलेंगे - पहले कैमरून का सामना करेंगे और फिर ग्रेनाडा से भिड़ेंगे। सभी मैच पिच 1बी पर खेले जाएंगे।

भारत 26 अक्टूबर को एक और डबल-हेडर के साथ क्वालिफिकेशन स्टेज पूरा करेगा। वे पिच 9ए पर बहरीन का सामना करेंगे और फिर पिच 8ए पर सेनेगल से भिड़ेंगे।

इस टूर्नामेंट में फीफा के सभी सदस्य संघ हिस्सा ले सकते हैं, इसलिए 191 राष्ट्रीय टीमों को ‘32 ग्रुप’ में बांटा गया है। 6 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 20 पिचों पर कुल 943 मैच खेले जाएंगे।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप और फेस्टिवल के मैच 8 बनाम 8 फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और बीच में पांच मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक होगा। पिच का साइज 68 मीटर गुणा 50 मीटर होगा और पूरे मैच के दौरान रोलिंग सब्स्टिट्यूशन की अनुमति होगी।

हिस्सा लेने वाली टीमें 22 अक्टूबर को बाकू पहुंचेंगी, जिसके बाद 23 अक्टूबर को ‘ऑफिशियल ट्रेनिंग डे’ होगा। क्वालिफिकेशन स्टेज 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा और 27 अक्टूबर को आराम का दिन होगा। टूर्नामेंट स्टेज 28 और 29 अक्टूबर को होगा, और टियर फाइनल 30 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

भारत की टीम अभी बेंगलुरु के सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में कैंप कर रही है। अजरबैजान जाने से पहले वे घरेलू मैदान पर इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच भी खेलेंगे, जिसके लिए 14 खिलाड़ियों की फाइनल टीम चुनी जाएगी। जहां अंडर-15 वर्ल्ड कप का पहला एडिशन फीफा के सभी सदस्य संघों की लड़कों की टीमों के लिए है।

एशियन गेम्स: सर्फिंग में देश के चार एथलीट्स लेंगे हिस्सा, फ्रांसीसी कोच का भारत से ‘खास नाता’

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फ्रांस के समाई रेबूल भारत के सर्फिंग सपनों को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वह आगामी एशियन गेम्स 2026 की तैयारी कर रही चार सदस्यीय भारतीय राष्ट्रीय टीम को महाबलीपुरम में प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन 25 सितंबर से आइची (जापान) स्थित पैसिफिक लॉन्ग बीच पर होगा।

आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारत के दो-दो सर्फर पुरुष और महिला शॉर्टबोर्ड प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। सर्फिंग उन छह खेलों में से एक है, जो इस महा-आयोजन में पहली बार शामिल हो रहे हैं।

पुरुष वर्ग में किशोर कुमार और शिवराज बाबू भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि महिलाओं में तमिलनाडु की कमली मूर्ति और गोवा की शुगर शांति बनारसे हिस्सा लेंगी। इन खेलों से लॉस एंजिल्स में होने वाले 2028 ओलंपिक्स के लिए कोटा भी मिलेगा।

भारत के कोचिंग स्टाफ की कमान समाई रेबूल के हाथों में है। संजय सेल्वमनी उनके सहयोगी होंगे। समाई को इंडियन सर्फिंग फेडरेशन ने 2024 में हेड कोच नियुक्त किया था। उन्होंने एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप में

भारत को ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल दिलाने में मदद की और एशियन गेम्स के लिए राष्ट्रीय चयन कैंप और टीम की हाई-परफॉर्मेंस तैयारी का नेतृत्व किया।

कोवलम से भारतीय प्रतिस्पर्धी सर्फिंग के अगुआ और प्रोफेशनल सर्फ इंस्ट्रक्टर सेल्वमनी ने देश की पहली राष्ट्रीय टीम के हिस्से के तौर पर आईएसए वर्ल्ड सर्फिंग गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। अब वे एथलीट्स की तैयारी में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का अपना अनुभव भी शामिल कर रहे हैं।

समाई के पास फ्रांसीसी पासपोर्ट है, लेकिन वे खुद को ‘भारतीय’ कहते हैं क्योंकि उन्होंने अपने जीवन का आधे से ज्यादा समय पुडुचेरी के ऑरोविले में बिताया है। 41 वर्षीय समाई ने साई मीडिया से कहा, ‘मेरे पिता फ्रेंच हैं और मां बास्क हैं। उत्तरी स्पेन के एक दूर-दराज इलाके में रहते हुए उन्होंने पहली बार दोस्तों से श्री अरबिंदो और ऑरोविले के बारे में सुना। उन्हें तुरंत इसमें दिलचस्पी हुई। मेरे पिता पहले अकेले यह देखने आए कि यह सब क्या है, और उनके लौटने के कुछ ही समय बाद हमने अपना सामान पैक किया और भारत आ गए। ऑरोविले का समुद्र तट और वहां का सुकून विदेशियों को अपनी ओर खींचता है। समाई कहते हैं, ‘हमें दोस्त बनाने और घर जैसा महसूस करने में ज्यादा समय नहीं लगा। सर्फिंग ने मुझे सहज महसूस करने में बड़ी भूमिका निभाई। समुद्र के पास रहने पर मुझे घर जैसा लगता था और मैं जितना हो सके पानी में समय बिताता था, जिससे मेरे माता-पिता और शिक्षक अक्सर नाराज हो जाते थे।

अब समाई के लिए कुछ लौटाने का समय है। वह भारत में सर्फिंग को स्थापित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

डेविस कप: ‘फाइनल-8’ में जगह के लिए साउथ कोरिया से भिड़ेगा भारत

विश्व केसरी ■

सोल। भारत शुक्रवार और शनिवार को 2026 क्वालीफायर के दूसरे दौर में साउथ कोरिया का सामना करेगा। यह मुकाबले सोल के ओलंपिक टेनिस सेंटर में खेले जाएंगे। भारत की निगाहें डेविस कप के ‘फाइनल 8’ में जगह बनाने पर हैं।

डेविस कप रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद भारत का मुकाबला साउथ कोरियाई टीम से होगा, जो उनसे तीन स्थान ऊपर 16वें नंबर पर है। यह मुकाबला हार्ड कोर्ट पर खेला जाना है और विजेता टीम नवंबर में इटली के बोलोग्ना में होने वाले ‘फाइनल 8’ में अपनी जगह पक्की करेगी।

वर्ल्ड नंबर 367 खिलाड़ी दक्षिणेश्वर सुरेश शुक्रवार को क्वोन सून-वू के खिलाफ शुरुआती सिंगल्स मैच से भारत के अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद, भारत के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले सिंगल्स खिलाड़ी (247वें नंबर पर) सुमित नागल का मुकाबला पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमी-फाइनलिस्ट चुंग ह्योन से होगा।

शनिवार को होने वाले डबल्स मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी और निकी कल्यांडा पूनाचा (क्रमश: 49वें और 88वें नंबर के खिलाड़ी) का सामना नाम जी-सुंग और पार्क उई-सुंग से होगा। पूनाचा को टीम में तब शामिल किया गया जब भारत के प्रमुख डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी को जांघ की चोट के कारण हटना पड़ा।

रिवर्स सिंगल्स में नागल का मुकाबला क्वोन से हो सकता है, और उसके बाद सुरेश का सामना चुंग से हो सकता है, जो शायद निर्णायक पांचवां मैच हो।

भारत फरवरी में बेंगलुरु में नीदरलैंड्स पर रोमांचक 3-2 की जीत के बाद सोल पहुंचा है। उस सफलता में सुरेश की अहम भूमिका थी; उन्होंने तीनों जीतों में हिस्सा लिया और निर्णायक पांचवां मैच जीता था। साउथ कोरिया ने भी बुसान में अर्जेंटीना को हराकर 3-2 से जीत हासिल की थी और आगे बढ़ा था।

शेड्यूल दवाओं की बिक्री पर सरकार सख्त, मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी लगाना होगा जरूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सरकार ने शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं पर निगरानी को और सख्त करने का फैसला किया है। गुरुवार को सरकार ने कहा कि उसने मेडिकल स्टोर पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी निगरानी लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि इन दवाओं की अवैध बिक्री को रोका जा सके।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए 8 सितंबर को एक ड्राफ्ट गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस प्रस्तावित संशोधन का मकसद शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की अनधिकृत पहुंच और बिक्री से जुड़ी चिंताओं को दूर करना है।

भारत में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स (1945) के तहत शेड्यूल एच, एच1 और एक्स ऐसी दवाएं हैं जिनके दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार ने बिक्री और पर्ची पर कड़े नियम बनाए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन के लागू होने के बाद शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की बिक्री और वितरण की निगरानी मजबूत होगी और बिना वैध पर्ची के इनकी अनधिकृत बिक्री पर रोक लगेगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, 'प्रस्तावित सीसीटीव निगरानी प्रणाली से फार्मा सप्लाई चेन में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और मजबूत होगी।'

बताया गया कि इस प्रस्ताव पर पहले ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) में विचार किया गया था और बाद में इसे ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) के सदस्यों के बीच चर्चा के लिए भेजा गया था। प्रस्ताव पर विचार करने के बाद डीटीएबी ने इसकी मंजूरी की सिफारिश की है।

मंत्रालय ने प्रस्तावित संशोधन पर हितधारकों और आम जनता से आपत्तियां और सुझाव भी मांगे हैं।

पिछले महीने सरकार ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मेलिएट और फेनिलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाली सभी फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक अधिसूचना में यह अनिवार्य किया था कि इन दवाओं पर स्पष्ट चेतावनी लिखी हो कि ये चार साल से कम उम्र के बच्चों में इस्तेमाल नहीं की जानी चाहिए। यह छोटे बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम था।

सरकार ने निर्माताओं को निर्देश दिया था कि वे इन दवाओं के लेबल, पैकेज इंसर्ट और प्रचार साहित्य पर साफ-साफ लिखें - 'फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन का उपयोग चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में नहीं किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने बताया कि यह अधिसूचना जनहित में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत जारी की गई है और यह आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी है।

यूपीआई एमडीआर बदलाव में सुरक्षा और बढ़ती लागत के बीच संतुलन बनाना जरूरीः सीआईआई अध्यक्ष

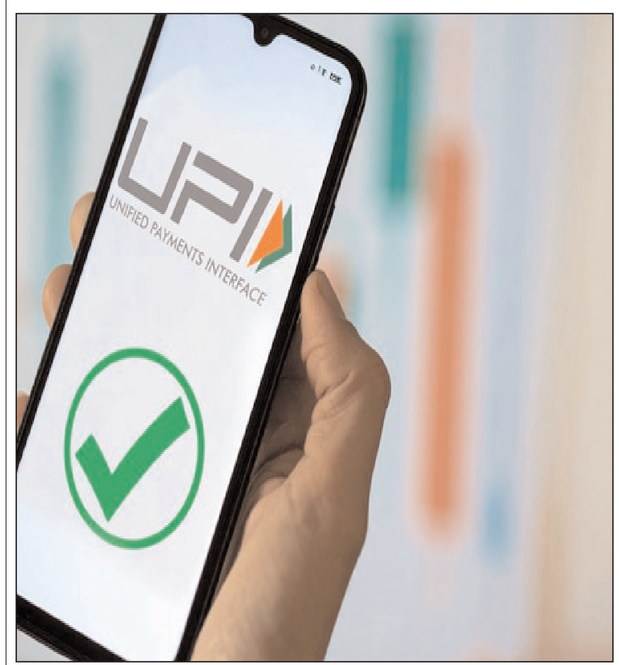

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) से जुड़े हालिया बदलावों में सुरक्षित डिजिटल भुगतान व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य और इस प्रणाली को सपोर्ट करने के लिए जरूरी बढ़े हुए पूंजीगत खर्च के बीच संतुलन बनाना होगा। यह बयान सीआईआई के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने गुरुवार को दिया।

मीडिया से बातचीत में मुकुंदन ने कहा कि यूपीआई ने वित्तीय लेनदेन को काफी आसान बनाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि डिजिटल भुगतान का इकोसिस्टम जैसे-जैसे बढ़ रहा है, लेनदेन की सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए।

एमडीआर के मुद्दे पर मुकुंदन ने कहा कि वह इस पर विस्तार से टिप्पणी नहीं करेंगे, क्योंकि वित्त विशेषज्ञ आगे का उचित रास्ता तय करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि एक सार्थक समाधान सामने आएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनौती लेनदेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ अतिरिक्त पूंजीगत खर्च की जरूरत को पूरा करना है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर मुकुंदन ने कहा कि बैठक ने सदस्य देशों को एक साथ लाया और चर्चाओं में अधिक गर्मजोशी और बेहतर तालमेल का माहौल बनाया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स अपने मूल सदस्य देशों से काफी आगे विस्तार कर चुका है और ब्रिक्स बिजनेस फोरम में कृषि से लेकर हाई टेक्नोलॉजी तक चार क्षेत्रों में सकारात्मक भागीदारी देखने को मिली।

मुकुंदन के अनुसार, बिजनेस फोरम से निकलने वाला केंद्रीय संदेश 'इरादे से नतीजों की ओर बढ़ने' की जरूरत था, खासकर व्यापार और निवेश के क्षेत्र में। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देश वैश्विक जीडीपी में करीब 40 प्रतिशत का योगदान करते हैं, लेकिन वर्तमान में वैश्विक व्यापार में उनकी हिस्सेदारी लगभग 26 प्रतिशत है। यह ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार बढ़ाने की पर्याप्त गुंजाइश को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना, गुणवत्ता मानकों में तालमेल बनाना, मंजूरी प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना और सीमाओं के पार वस्तुओं की आवाजाही को बेहतर बनाना ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। मुकुंदन ने सीमा पार निवेश की अधिक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने भारत की महत्वपूर्ण खनिजों की मांग और लैटिन अमेरिकी ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में उपलब्ध खनिज संसाधनों के बीच पूरकता का उदाहरण दिया।

सुबह उठते ही अकड़ जाती है कमर? इन वजहों से हो सकती है परेशानी, ऐसे पाएं राहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुबह बिस्तर से उठते ही अगर कमर सीधी करने में परेशानी हो या फिर झुकने पर खिंचाव महसूस हो, तो इसे सिर्फ थकान समझकर नजरअंदाज न करें। कमर का अकड़ना एक आम समस्या है, जो कई बार गलत तरीके से सोने, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने या ज्यादा मेहनत करने के बाद हो सकती है। हालांकि, अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसके पीछे मांसपेशियों के अलावा रीढ़ से जुड़ी कोई परेशानी भी हो सकती है।

कमर अकड़ने की सबसे आम वजहों में लंबे समय तक बैठे रहना शामिल है। आजकल दफ्तर में लगातार कई घंटे कुर्सी पर बैठना या घर पर लंबे समय तक मोबाइल चलाना कमर की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ा सकता है। जब शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहता है, तो कमर और कूल्हों के आसपास की मांसपेशियां ठीक तरह से काम नहीं कर पातीं। इससे उठते समय अकड़न और खिंचाव महसूस हो सकता है।

गलत तरीके से बैठना भी इस परेशानी को बढ़ा सकता है। कुर्सी पर बैठते समय लगातार आगे की ओर झुकना, कमर को सहारा न देना या मोबाइल को नीचे रखकर लंबे समय तक देखना शरीर की सामान्य बनावट पर असर डालता है। इसी तरह बहुत देर तक खड़े रहना या अचानक भारी सामान उठाना भी कमर की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा करता है। ऐसी स्थिति में अकड़न के साथ दर्द भी हो सकता है।

सोने का तरीका भी कमर की अकड़न से जुड़ा हो सकता है। अगर रातभर शरीर ऐसी स्थिति में रहा, जिसमें कमर और उसके आसपास की मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव पड़ा, तो सुबह उठने पर अकड़न महसूस होती है। कई बार कम चलना-फिरना भी इसका कारण बनता है।

जब शरीर की मांसपेशियां नियमित रूप से काम नहीं करतीं, तो इससे शरीर का लचीलापन और ताकत प्रभावित होते है। इसलिए दिनभर बैठे रहने वाले लोगों को हल्की गतिविधि और नियमित कसरत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

कमर अकड़ने पर थोड़ी राहत के लिए हल्की गर्म सिकाई की जा सकती है। गर्माहट से मांसपेशियों को आराम मिलता है। इसके साथ ही लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार हल्का चलना-फिरना बनाए रखना बेहतर होता है। बहुत हल्के खिंचाव वाले व्यायाम भी मदद करते हैं, लेकिन अगर किसी गतिविधि से दर्द बढ़ता है तो उसे जबरदस्ती नहीं करना चाहिए।

बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि लंबे समय तक लगातार न बैठें। बीच-बीच में उठकर कुछ कदम चलें और बैठते समय कमर को सहारा दें। रोजाना हल्की कसरत, टहलना और शरीर की क्षमता के अनुसार मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम करें, ये कमर को मजबूत रखने में मदद करते हैं।

हर बार कमर की अकड़न सामान्य नहीं होती। अगर दर्द बहुत ज्यादा है, बार-बार लौट रहा है या कई हफ्तों तक बना रहता है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

दवाओं की बिक्री पर सख्त होगी निगरानी, स्वास्थ्य मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स में बदलाव का दिया प्रस्ताव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाओं की बिक्री पर सख्त निगरानी के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की रेगुलेटरी निगरानी को मजबूत करने के लिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इस बदलाव के तहत देश भर के मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य करने की योजना है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में 8 सितंबर 2026 को ड्राफ्ट गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य बिना डॉक्टर के पर्चे के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर रोक लगाना और फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है।

मंत्रालय के मुताबिक, शेड्यूल एच, एच1 और एक्स श्रेणी की दवाएं बेहद संवेदनशील हैं। इनमें एंटीबायोटिक्स, साइकोट्रॉपिक दवाएं, नशीली दवाओं वाले पेनकिलर और कई अन्य शक्तिशाली दवाएं शामिल हैं, जिनका गलत इस्तेमाल सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

अक्सर शिकायतें मिलती हैं कि मेडिकल स्टोर पर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के इन दवाओं को बेच दिया जाता है। इसी चिंता को दूर करने के लिए सीसीटीवी को एक अतिरिक्त सुरक्षा उपाय के तौर पर लागू करने की सिफारिश की गई है।

यह प्रस्ताव पहले ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) के सामने रखा गया था, जहां इस पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद इसे ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) के पास भेजा गया। डीटीएबी के सदस्यों ने सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश की है। मंत्रालय का मानना है कि मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरे लगने से हर बिक्री का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि कौन सी दवा किस पर्चे पर और किसे बेची गई। इससे अनधिकृत बिक्री पर प्रभावी रोक लगेगी और एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग और नशे के लिए दवाओं के इस्तेमाल जैसी समस्याओं पर काबू पाया जा सकेगा।

सरकार ने इस ड्राफ्ट पर सभी हितधारकों, दवा व्यापारियों, फार्मासिस्ट संगठनों और आम जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। यदि किसी को इस प्रस्ताव पर कोई सुझाव देना है, तो वह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पते पर लिखित रूप में भेज सकता है। इसके अलावा ईमेल के जरिए भी अपनी राय दी जा सकती है।

पीठ की अकड़न और कब्ज से हैं परेशान, सुप्त मत्स्येंद्रासन है रामबाण उपाय

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दफ्तर में घंटों बैठकर काम करने और शारीरिक गतिविधि कम होने की वजह से कमर दर्द, कब्ज और पीठ में अकड़न की समस्या आम हो गई हैं। इन शारीरिक समस्याओं से निजात पाने के व्यक्ति योग का सहारा ले सकता है। सही खानपान और योग से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। योग के इन्हीं आसनों में 'सुप्त मत्स्येंद्रासन' बेहद लाभदायक है, जो न सिर्फ कमर दर्द और जकड़न दूर करता है बल्कि मन को शांति मिलती है।

सुप्त मत्येंद्रासन को अंग्रेजी में सुपाइन स्पाइनल ट्विस्ट या रिक्लाइंड ट्विस्ट कहा जाता है। यह आसन संस्कृत के तीन शब्दों से मिलकर बना है, सुप्त (लेटना), मत्स्येंद्र (पौराणिक योगी मत्स्येंद्रनाथ) और आसन (मुद्रा)।

यह अर्ध मत्स्येंद्रासन का लेटा हुआ, पुनर्स्थापनात्मक रूप है, जो निष्क्रिय, गुरुत्वाकर्षण-सहायता प्राप्त स्थिति में रीढ़ की हड्डी के घुमाव के समान आवश्यक लाभ प्रदान करता है और इसके लिए किसी बल की आवश्यकता नहीं होती है। यह आसन योग की शास्त्रीय परंपरा में गहराई से जुड़ा हुआ है, जिससे विश्राम, स्थिरता और रीढ़ की हड्डी में हल्का तनाव कम होता है। केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने इस आसन को रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन, पीठ दर्द से राहत और पाचन तंत्र को सुधारने के लिए एक उत्कृष्ट अभ्यास माना है।

सुप्त मत्स्येंद्रासन, एक लेटने की मुद्रा है जिसमें एक घुटना शरीर के आर-पार मुड़ा होता है और उसी तरफ का हाथ बाहर की ओर फैला होता है। इसे करने के दौरान रीढ़ की हड्डी कमर से गर्दन तक धीरे-धीरे घूमती है। नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी की गतिशीलता बढ़ती है, कूल्हों का तनाव कम होता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है और पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र सक्रिय होता है, जिससे यह हठ योग और पारंपरिक योग दोनों में सबसे अधिक चिकित्सकीय रूप से उपयोगी आसनों में से एक बन जाता है।

वज्रासन से पाचन होगा दुरुस्त, पेट की गैस और कब्ज से मिलेगा छुटकारा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भागदौड़भरी जीवनशैली में जहां लोग कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं योग एक प्राकृतिक और सरल उपाय के रूप में उभरा है। विभिन्न आसनों में वज्रासन एक ऐसा आसन है, जिसे करना सबसे सरल है और यह काफी लाभकारी है।

संस्कृत में 'वज्र' का अर्थ 'हीरा' या 'बिजली' होता है, इसलिए इसे 'डायमंड पोज' भी कहते हैं। 'वज्र' का अर्थ होता है कठोर या मजबूत और इस आसन से शरीर वज्र के समान मजबूत बनता है, इसलिए इसे वज्रासन कहा जाता है। वज्रासन एकमात्र ऐसा योगासन है, जिसे भोजन करने के तुरंत बाद भी किया जा सकता है क्योंकि यह पैरों की तरफ रक्त संचार को थोड़ा रोककर पेट के अंगों में रक्त प्रवाह और पाचक रसों को बढ़ाता है। साथ ही, इसके अभ्यास से पाचन क्रिया में सुधार आता है और शरीर को मजबूती मिलती है। आयुर्वेद के अनुसार, वज्रासन खासतौर से वजन कम करने में मददगार होता है। इसे करने से शरीर का वजन कम करने में मदद मिलती है, खासकर जांघों और पेट की चर्बी घटती है। इससे पेट हल्का लगता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है। यह कब्ज, गैस, खट्टी डकार और अपच जैसी पेट की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। वज्रासन से शरीर में खून का बहाव बेहतर होता है और इसे रोज करने से साइटिका जैसी बीमारी से भी राहत मिलती है। यह आसन खासतौर पर खाने के बाद करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।वज्रासन करने का सही तरीका बहुत आसान है। सबसे पहले अपने घुटनों के बल बैठ जाएं। फिर अपनी पीठ को सीधा रखें ताकि आपकी रीढ़ की हड्डी सही स्थिति में हो।

बांग्लादेश में डेंगू हुआ खतरनाक, 16 दिन में ली 74 की जान

विश्व केसरी ■

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू ने खतरनाक रूप ले लिया है। सितंबर माह के मात्र 16 दिनों में 74 लोगों की मौत हो चुकी है, जो अगस्त में हुई कुल 43 मौतों से 72% ज्यादा है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी।

अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी इस साल के सबसे ऊंचे दैनिक स्तर पर पहुंच गई है। मौतों की रफ्तार तीन गुना से भी ज्यादा हो गई है।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के डेटा के आधार पर 'ढाका ट्रिब्यून' के विश्लेषण के अनुसार, सितंबर में अब तक हर दिन औसतन 4.6 लोगों की मौत हुई है, जबकि अगस्त में यह आंकड़ा लगभग 1.4 था।

बुधवार सुबह तक के 24 घंटों में सात और लोगों की मौत हुई और 1,753 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके साथ ही इस साल मरने वालों की कुल संख्या 171 और अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या 56,916 हो गई है।

एक दिन में सामने आए मरीजों की यह संख्या इस साल की सबसे ज्यादा है, जो यह बताती है कि मॉनसून के बाद से यह प्रकोप कितनी तेजी से बढ़ा है। हालात सिर्फ मौतों के मामले में ही नहीं बिगड़े हैं। न्यूज एजेंसी यूएनबी के मुताबिक जुलाई में बांग्लादेश में 9,206 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की नींव रखी जा चुकी हैः अश्विनी वैष्णव

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की नींव रखी जा चुकी है और अब इस उद्योग को अगले स्तर तक ले जाने का समय आ गया है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'चाहे सामग्री (मटेरियल्स) हो, मशीनरी हो, नए फैब संयंत्र हों, एटीएमपी इकाइयां हों, डिजाइन हो या प्रतिभा विकास, हमारा प्रयास इन सभी को भारत में विकसित करने का है। उन्होंने कहा कि 'सेमीकॉन 2.0' के तहत भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग छह प्रमुख स्तंभों पर आगे बढ़ेगा।

सेमीकॉन 2.0 के छह स्तंभ हैं – डिजाइन, मशीनरी और मटेरियल्स, अधिक फैब इकाइयों की स्थापना, एटीएमपी/ओसैट उद्योग को और मजबूत करना, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) तथा प्रतिभा विकास।

अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा, 'सेमीकॉन 1.0 में हमारे पास बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स थे, जो यह देख रहे थे कि चिप डिजाइनिंग कैसे की जा सकती है। इसमें हमें अच्छी सफलता मिली। 105 से अधिक स्टार्टअप्स ने इसमें भाग लिया और उनमें से लगभग 20 को करीब 800 करोड़ रुपए की वेंचर कैपिटल फंडिंग भी मिली। यह तो सिर्फ शुरुआत थी।'

इसके अलावा, इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि इस वर्ष का आयोजन पिछले साल की तुलना में कहीं अधिक बड़ा है। उन्होंने कहा, 'करीब 40,000 प्रतिनिधियों ने पंजीकरण कराया है। प्रदर्शनी में 600 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। 52 देशों के प्रतिनिधि इसमें शामिल हो रहे हैं और प्रदर्शनी में भाग लेने वाली 300 से अधिक कंपनियां विदेशी हैं। यह इस बात को दर्शाता है कि सेमीकंडक्टर निर्माण के गंतव्य के रूप में दुनिया का भारत पर कितना भरोसा बढ़ा है।'

सरकार के अनुसार, सेमीकॉन 2.0 के तहत समर्थित परियोजनाओं की अवधि सामान्य तौर पर छह वर्ष तक होगी, जबकि यह योजना शुरुआती तौर पर तीन वर्ष तक आवेदन के लिए खुली रहेगी।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) इस योजना की नोडल एजेंसी होगी। यह आवेदन आमंत्रित करेगा, तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन करेगा, चयनित आवेदकों की सिफारिश करेगा और परियोजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। योजना के प्रभाव का आकलन करने और आवश्यकता पड़ने पर इसमें संशोधन या विस्तार पर विचार करने के लिए तीन वर्ष बाद या जरूरत के अनुसार मध्यावधि समीक्षा भी की जाएगी।

इस बीच सरकार ने सेमीकॉन 2.0 योजना के सभी छह स्तंभों को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया है। इसे भारत की सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यह योजना पहले शुरू किए गए सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम की उपलब्धियों को आगे बढ़ाती है और चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग, उपकरण, मटेरियल्स, अनुसंधान एवं विकास और प्रतिभा विकास सहित पूरी सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन को वित्तीय और बुनियादी ढांचे का समर्थन प्रदान करेगी।

तटरक्षक बल की कमांडर्स कांफ्रेंस में ऑपरेशनल तैयारी व क्षमता विकास पर फोकस

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल की कमांडर्स कांफ्रेंस गुरुवार को नई दिल्ली में प्रारंभ हुई। कमांडर्स कांफ्रेंस के दौरान समुद्री सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन किया गया। वरिष्ठ कमांडर्स यहां तटरक्षक बल के आधुनिकीकरण व आवश्यकताओं पर भी संवाद कर रहे हैं।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भारतीय तटरक्षक बल की इस 43वीं कमांडर्स कांफ्रेंस में शामिल हुए। उन्होंने यहां महानिदेशक परमेश शिवमणि और वरिष्ठ तटरक्षक कमांडरों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने तटरक्षक बल की ऑपरेशनल तैयारियों और समुद्री सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में तटरक्षक बल की ऑपरेशनल तैयारी, क्षमता विकास, बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और स्वदेशीकरण से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तटरक्षक बल की क्षमताओं को लगातार मजबूत करने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। 19 सितंबर तक यह कमांडर्स कांफ्रेंस तक नई दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय में जारी रहेगी।

सम्मेलन के पहले दिन गुरुवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भारतीय तटरक्षक बल के कमांडर्स को संबोधित किया। इस दौरान भारतीय तटरक्षक बल को मजबूत करने और देश के समुद्री हितों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में उसकी भूमिका को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यह सम्मेलन भारतीय तटरक्षक बल का सर्वोच्च वार्षिक पेशेवर मंच है। इसमें देशभर से तटरक्षक बल के वरिष्ठ कमांडर शामिल हुए हैं। तीन दिवसीय सम्मेलन में रणनीतिक, ऑपरेशनल व प्रशासनिक प्राथमिकताओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। सम्मेलन में तटरक्षक बल की मौजूदा तैयारियों की समीक्षा के साथ भविष्य की आवश्यकताओं पर भी विचार किया गया। इसमें आधुनिक क्षमताओं के विकास, जरूरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कर्मियों के प्रशिक्षण को बेहतर बनाने पर जोर रहा।

रक्षा राज्य मंत्री ने समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में भारतीय तटरक्षक बल की भूमिका को रेखांकित किया। चर्चा में स्वदेशी तकनीक और उपकरणों को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया, ताकि तटरक्षक बल अपनी परिचालन जरूरतों को देश में विकसित क्षमताओं के माध्यम से पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ सके।

यूपीआई पर एमडीआर को लेकर कांग्रेस का हमला, कहा- संसदीय समिति में नहीं हुई चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसदों ने गुरुवार को 2,000 रुपए से ज?यादा के कुछ यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ट्रांजेक्शन पर हाल ही में घोषित 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर चिंता जताई।

उन्होंने दावा किया कि इस प्रस्ताव पर वित्त मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने चर्चा नहीं की थी।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने 0.4 प्रतिशत चार्ज की घोषणा की है। कांग्रेस के अनुसार, ज्यादातर

व्यापारियों को प्रति ट्रांजेक्शन 2,000 रुपए से ज?यादा के यूपीआई पेमेंट पर बैंकों और पेमेंट प्रोसेसर को यह चार्ज देना होगा।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रस्तावित यूपीआई चार्ज पर वित्त मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने चर्चा नहीं की थी।

उन्होंने दावा किया कि जब वित्त विभाग के प्रतिनिधि समिति के सदस्यों से मिले थे, तो उन्होंने यूपीआई टैक्स से जुड़ा कोई खास प्रस्ताव समिति के सामने नहीं रखा था। गोगोई ने कहा, 'वित्त मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने उस यूपीआई टैक्स प्रस्ताव पर चर्चा नहीं की है जिसकी घोषणा मोदी सरकार ने हाल ही में की है। जब वित्त विभाग के अधिकारी वित्त समिति के सदस्यों से मिले, तो उनके पास यूपीआई टैक्स पर कोई खास प्रस्ताव नहीं था।'

उन्होंने दावा किया कि समिति के सदस्यों ने एमडीआर की जरूरत पर सवाल उठाए थे, लेकिन चर्चा के दौरान सरकारी प्रतिनिधियों ने कोई खास या 'संतोषजनक जवाब' नहीं दिया।

तिहाड़ जेल अधीक्षक के खिलाफ अवमानना कार्रवाई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने तिहाड़ जेल के अधीक्षक के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करते हुए कहा कि अदालत के पैरोल आदेश को लागू न करके कानूनी व्यवस्था का मजाक बनाया गया और एक नागरिक के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ।

न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की एकल पीठ ने तिहाड़ की सेंट्रल जेल-2 के अधीक्षक डॉ. पवन कुमार को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ अदालत की अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए। अदालत ने उन्हें 22 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने और जवाब

दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामला विचाराधीन कैदी अनवर हुसैन की याचिका से जुड़ा है। अनवर ने जेल प्रशासन द्वारा पैरोल आवेदन खारिज किए जाने को चुनौती देते हुए आठ सप्ताह की पैरोल मांगी थी। वह पांच साल पांच महीने से विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद है और सुप्रीम कोर्ट में कानूनी उपाय अपनाने के लिए पैरोल चाहता था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 30 जुलाई को अनवर हुसैन को चार सप्ताह की पैरोल पर रिहा करने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा था कि सक्षम प्राधिकारी आवश्यक शर्तें तय करेगा। हालांकि, अदालत ने पाया कि जेल प्रशासन ने शर्तें तय ही नहीं कीं और रिहाई का आदेश होने के बावजूद याचिकाकर्ता जेल में ही बंद रहा।

हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि जेल प्रशासन की कार्रवाई के कारण एक ऐसा नागरिक, जो पहले ही पांच साल पांच महीने तक विचाराधीन कैदी रहा, अदालत के स्पष्ट आदेश के बावजूद सलाखों के पीछे रहने को मजबूर हुआ। अदालत ने कहा कि जेल प्रशासन द्वारा शर्तें लागू न किए जाने के कारण याचिकाकर्ता को 30 जुलाई के आदेश के पालन के लिए अलग से आवेदन दाखिल करना पड़ा। इसके बाद 11 अगस्त को हाईकोर्ट ने अपने पहले आदेश में संशोधन करते हुए।

'आप' की नवगठित पीएसी की पहली बैठक, पंजाब गोवा और गुजरात चुनाव की रणनीति पर मंथन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नवगठित पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की गुरुवार को पहली बैठक हुई। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में उनके आवास पर आयोजित बैठक में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और मंत्री हरपाल सिंह चीमा समेत पीएसी के अन्य सदस्य शामिल हुए।

बैठक में आगामी पंजाब, गोवा और गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों और पार्टी की चुनावी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने

बताया कि पीएसी की पहली बैठक में कई महत्वपूर्ण राजनीतिक और संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि बैठक की शुरुआत राजस्थान के बारां में आम आदमी पार्टी को मिली जीत से हुई। सिसोदिया के मुताबिक, बारां के नतीजे से यह संकेत मिलता है कि जनता राजनीतिक विकल्प तलाश रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान और उनके साथ राजस्थान के बारां में रोड शो करेगी।

मनीष सिसोदिया ने बताया कि बैठक में पंजाब के साथ-साथ गोवा और गुजरात में होने वाले चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। उनके अनुसार, पंजाब में संगठन मजबूत तरीके से काम कर रहा है और पार्टी आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है।

सिसोदिया ने दावा किया कि पंजाब की जनता मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज से खुश है ।

शिवसेना चुनाव चिन्ह विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने आयोग के फैसले पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' पर अधिकार को लेकर उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान गुरुवार को अहम बहस हुई। सुनवाई में एकनाथ शिंदे गुट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने चुनाव आयोग के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि पार्टी के सांसदों, विधायकों, संगठनात्मक इकाइयों और कार्यकर्ताओं का बहुमत शिंदे गुट के साथ है, इसलिए चुनाव आयोग का फैसला सही था।

कौल ने अदालत को बताया कि शिवसेना के 18 सांसदों में से 13 सांसद

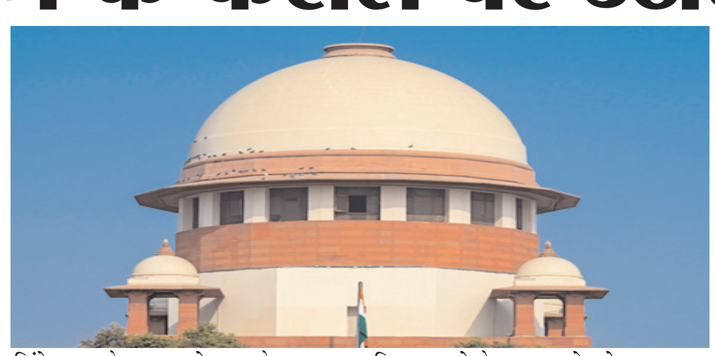

शिंदे गुट के साथ थे। इसके अलावा विधायकों का बहुमत भी उनके पक्ष में था। उन्होंने कहा कि संगठन और कार्यकर्ताओं के समर्थन से जुड़े शपथपत्र चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे, जिन पर विचार करने के बाद आयोग ने धनुष-बाण चुनाव चिन्ह और पार्टी पर अधिकार संबंधी फैसला सुनाया था।

नीरज किशन कौल ने दलील दी कि शिंदे गुट के विधायकों और सांसदों के खिलाफ लंबित या पूर्व में चली अयोग्यता की कार्यवाही का चुनाव चिन्ह विवाद से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोग्यता याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं और पिछली विधानसभा भी अपना कार्यकाल पूरा कर चुकी है। अब नई विधानसभा का गठन हो चुका है।

उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग को अयोग्यता संबंधी मामलों के अंतिम निपटारे तक इंतजार करना पड़े, तो ऐसे विवादों का समाधान अनिश्चितकाल तक टल सकता है। किसी अन्य संवैधानिक प्राधिकरण के समक्ष लंबित कार्यवाही के आधार पर चुनाव आयोग की प्रक्रिया नहीं रोकी जा सकती।

सेमीकंडक्टर फैब्स के लिए कुशल मैनपावर तैयार करना सबसे बड़ी जरूरतः विशेषज्ञ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के दौरान गुरुवार को विशेषज्ञों ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकसित हुआ है और अब सबसे बड़ा फोकस उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करने पर होना चाहिए। गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी और फुजीफिल्म इंडिया के अभि शेखर सिंह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में भारत की प्रगति, कौशल विकास और उद्योग में बढ़ती भागीदारी पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान, गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यदि पांच वर्ष पहले की स्थिति को देखें तो भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण लगभग नगण्य था। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 1.0 के तहत 76,000 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के बाद 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाएं शुरू की गईं और पिछले 5 वर्षों में इन परियोजनाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने कहा कि यही बदलाव आज भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर एक उभरती हुई ताकत के रूप में स्थापित कर रहा है।

प्रो. चौधरी ने आगे कहा कि सेमीकंडक्टर्स केवल चिप डिजाइन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आधुनिक उद्योगों और परिवहन प्रणालियों का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों में ऑटोमैटिक डोर क्लोजर से लेकर विभिन्न सेंसर प्रणालियों तक लगभग सभी महत्वपूर्ण तकनीकें सेमीकंडक्टर्स और इलेक्ट्रॉनिक्स पर आधारित हैं। इसी जरूरत को देखते हुए विश्वविद्यालय टाटा समूह के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर फैब कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट जैसे विशेष तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू करने पर काम कर रहा है, ताकि देश में स्थापित होने वाली नई फैब इकाइयों के लिए आवश्यक कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके।

प्रो. मनोज चौधरी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छात्रों के बीच हुआ संवाद बेहद महत्वपूर्ण था।

सरकार ने स्टेम सेल थेरेपी को नियमित करने के लिए जारी की एडवाइजरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि उसने स्टेम सेल थेरेपी को रेगुलेट करने के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि यह थेरेपी रेगुलर क्लिनिकल प्रैक्टिस में स्टैंडर्ड केयर के तौर पर सिर्फ उन्हीं बीमारियों या स्थितियों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है जिन्हें हेल्थ मिनिस्ट्री ने मंजूरी दी है।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) के मामले में, एडवाइजरी में कहा गया है कि ऑटिज़्म के इलाज में किसी भी तरह के स्टेम सेल का इस्तेमाल सिर्फ मंजूरशुदा क्लिनिकल ट्रायल्स तक ही सीमित रहेगा और यह 'स्टेम सेल रिसर्च के लिए नेशनल गाइडलाइंस, 2017' के मुताबिक होगा।

16 सितंबर की तारीख वाली यह एडवाइजरी उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजी गई है जिन्होंने स्टेम सेल थेरेपी के रेगुलेशन से जुड़े 'क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन और रेगुलेशन) एक्ट, 2010' को अपनाया है। यह एडवाइजरी स्टेम सेल रिसर्च और थेरेपी से जुड़े मौजूदा नियमों को फिर से दोहराती है। एडवाइजरी में स्टेम सेल थेरेपी से जुड़े नियमों का पालन न करने के नतीजों की ओर भी ध्यान दिलाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी, 2026 के अपने फैसले में कहा था कि कानूनी आदेशों का पालन न करने पर कार्रवाई होनी चाहिए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415